मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.6	26.9
जमशेदपुर	33.0	24.4
डालटनगंज	32.0	24.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, गुरुवार 04 जुलाई 2024 ● आषाढ़ कृष्ण पक्ष 12 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 86 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

हेमंत को चुना गया विधायक दल का नेता

रांची में बुधवार को सीएम हाउस में विधायक दल की बैठक हुई. इसमें हेमंत सोरेन को विधायक दल का नेता चुना गया. इस बैठक में झामुमो, कांग्रेस व राजद के विधायक मौजूद थे.

चंपाई सोरेन ने राज्यपाल को सौंपा इस्तीफा

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने बुधवार शाम 7.23 बजे राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपा.

हेमंत का चंपाई संग सरकार बनाने का दावा

इस्तीफे के बाद हेमंत सोरेन ने सरकार बनाने का दावा पेश किया. इस दौरान उन्होंने महागठबंधन विधायक दल के 44 विधायकों का समर्थन पत्र राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को सौंपा.

झारखंड में फिर नई सरकार, हेमंत को राजभवन से आमंत्रण का इंतजार

हेमंत...रिटर्न्स

कौशल आनंद। रांची

झारखंड में पांच माह पुरानी चंपाई सोरेन सरकार का बुधवार को अंत हो गया. बुधवार को तेजी से बदले राजनीतिक घटनाक्रम के बीच शाम को 7. 23 बजे चंपाई सोरेन ने मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को सौंप दिया. इसके तुरंत बाद शाम 7.28 बजे नवनिर्वाचित विधायक दल नेता पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने सरकार बनाने का दावा पेश किया.

हेमंत सोरेन ने गठबंधन दल के 44 विधायकों का समर्थन पत्र और विधायक दल नेता चुने जाने का पत्र राज्यपाल को सौंपा और सरकार बनाने का दावा पेश किया. इसके साथ ही जल्द ही सरकार बनाने निमंत्रण देने का आग्रह राज्यपाल से किया. इस दौरान निवर्तमान सीएम चंपाई सोरेन, कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, विधायक प्रदीप यादव (तकनीकी रूप से झाविमो विधायक), माले विधायक विनोद सिंह, राजद विधायक सत्यानंद भोक्ता आदि उपस्थित थे.इधर देर शाम राजभवन से जारी आधिकारिक सूचना में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन का इस्तीफा देने और हेमंत सोरेन के द्वारा सरकार बनाने का दावा पेश करने की जानकारी दी गयी. राज्यपाल की ओर से नयी वैकल्पिक सरकार गठन तक चंपाई सोरेन को कार्यवाहक सीएम के रूप में काम करने ओर अपने पद पर बने रहने का निर्देश दिया गया है. राजभवन के सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल जल्द ही झारखंड में नयी सरकार पर फैसला करेंगे और इसकी आधिकारिक सूचना दे दी जाएगी.

राजभवन के बुलावे के बाद ही तय होगा शपथ ग्रहण समारोह कब?

हेमंत सोरेन द्वारा सरकार बनाने का दावा पेश करने के बाद राज्यपाल की ओर से सरकार बनाने का निमंत्रण तुरंत नहीं दिया गया. अब राजभवन के आमंत्रण के बाद ही तय हो पाएगा कि शपथ ग्रहण समारोह कब होगा. मिली जानकारी के अनुसार राजभवन के आमंत्रण मिलने के बाद 4 जुलाई को ही शपथ ग्रहण हो सकता है. राजभवन सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नयी सरकार गठन तक चंपाई सोरेन को कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में काम करने निर्देश राज्यपाल ने दिया है.

राजभवन ने इस्तीफा किया स्वीकार, नयी सरकार गठन तक कार्यवाहक सीएम बनने रहने का दिया निर्देश

अपनी मर्जी से दिया इस्तीफा : चंपाई

इस्तीफा देने के बाद सीएम चंपाई सोरेन ने कहीं कोई दबाव नहीं था, कहीं दबाव में इस्तीफा नहीं दिया. मैंने अपनी मर्जी और स्वेच्छा से इस्तीफा दिया है. उन्होंने कहा कि हेमंत बाबू के नेतृत्व में सरकार अच्छा काम करेगी, पहले भी करते रहे हैं. हमारे गठबंधन ने नेतृत्व परिवर्तन का निर्णय लिया. इसके बाद हेमंत बाबू को नेता चुने गए.

विधायक दल की बैठक में हेमंत चुने गए नेता

इससे पूर्व राज्य में सत्ता हस्तांतरण के बीच बुधवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास पर इंडिया गठबंधन दल की बैठक हुई. करीब दो घंटे चली इस बैठक में सत्ता हस्तांतरण के निर्णय की जानकारी विधायकों को दी गई. बैठक में बीच में तीन कुर्सी लगाई गई थी, जिसमें बीच में कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, दाहिनी तरफ की कुर्सी पर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और बाईं तरफ की कुर्सी पर हेमंत सोरेन बैठे थे. बैठक में हेमंत सोरेन ने खड़े होकर सत्ता हस्तांतरण के निर्णय को गठबंधन दल के मंत्रियों और विधायकों को सुनाया. जिसमें सभी विधायकों ने अपनी सहमति प्रदान की.

झारखंड के मुख्यमंत्रियों की सूची

आरंभ	कब तक	कार्यकाल	नाम
15 नवम्बर 2000	18 मार्च 2003	2 साल, 123 दिन	बाबूलाल मरांडी
18 मार्च 2003	2 मार्च 2005	1 साल, 349 दिन	अर्जुन मुंडा
2 मार्च 2005	12 मार्च 2005	10 दिन	शिबू सोरेन
12 मार्च 2005	18 सितंबर 2006	1 साल, 190 दिन	अर्जुन मुंडा
18 सितंबर 2006	28 अगस्त 2008	1 साल, 345 दिन	मधु कोडा
28 अगस्त 2008	18 जनवरी 2009	143 दिन	शिबू सोरेन
19 जनवरी 2009	29 दिसम्बर 2009	344 दिन	राष्ट्रपति शासन
30 दिसम्बर 2009	31 मई 2010	152 दिन	शिबू सोरेन
1 जून 2010	10 सितम्बर 2010	101 दिन	राष्ट्रपति शासन
11 सितम्बर 2010	18 जनवरी 2013	2 साल, 129 दिन	अर्जुन मुंडा
18 जनवरी 2013	13 जुलाई 2013	176 दिन	राष्ट्रपति शासन
13 जुलाई 2013	23 दिसम्बर 2014	1 साल, 163 दिन	हेमंत सोरेन
28 दिसम्बर 2014	28 दिसम्बर 2019	5 साल, 0 दिन	रघुवर दास
29 दिसम्बर 2019	31 जनवरी 2024	4 साल, 33 दिन	हेमंत सोरेन
2 फरवरी 2024	3 जुलाई 2024	152 दिन	चंपई सोरेन

31 जनवरी 2024 को मुख्यमंत्री पद से दिया था इस्तीफा

जमीन घोटाले से जुड़े मनी लाउंड्रिंग मामले में ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया था. इसके बाद उन्होंने 31 जनवरी 2024 की देर रात को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था. इसके बाद चंपाई सोरेन नए मुख्यमंत्री बनाए गए थे. 2 फरवरी 2024 को उन्होंने 12वें सीएम के रूप में शपथ ली थी.

दिन भर ऐसे चला घटनाक्रम

9:30 बजे झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर रांची पहुंचे.

11:00 बजे कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर और राजेश ठाकुर सीएम आवास पर हेमंत से मिले.

11:45 बजे सीएम हाउस कांके रोड में शुरू हुई सत्तारूढ़ इंडिया गठबंधन विधायक दल की बैठक.

2:15 बजे सत्तारूढ़ दल के सभी विधायकों ने एकमत हेमंत सोरेन को गठबंधन दल का नया नेता चुना.

2:45 बजे फोन करके पहले सीएम चंपाई सोरेन और नए नेता हेमंत ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मिलने का समय मांगा.

4:00 बजे राजभवन ने शाम 7.00 बजे सीएम चंपाई और हेमंत को 7.15 बजे मिलने का समय दिया

6:15 बजे सीएम चंपाई और हेमंत राजभवन के लिए निकले. साथ में मीर और राजेश ठाकुर भी थे.

6:30 बजे हेमंत सीएम चंपाई से मिलने उनके आवास पहुंचे, साथ में मीर और प्रदीप यादव भी थे.

7:00 बजे राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन राजभवन पहुंच गए.

7:11 बजे सीएम चंपाई, हेमंत पहुंचे राजभवन, साथ में मीर और राजेश ठाकुर मौजूद थे.

7:23 बजे चंपाई ने मुख्यमंत्री पद से राज्यपाल को इस्तीफा सौंप दिया.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,100
चांदी (किलो)	96,000

ब्रीफ खबरें

आज लौट रहे चैंपियंस होगा जोरदार स्वागत

ब्रिजटाउन (बारबडोस)। टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम श्रेणी चार के तूफान के कारण तीन दिन यहां फंसे रहने के बाद अंततः बुधवार को ग्रांटली एडम्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से विशेष विमान के जरिए दिल्ली के लिए रवाना हो गई. टीम गुरुवार को सुबह स्वदेश पहुंचेगी. टीम इंडिया सुबह 11 बजे पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेगी. इसके बाद मुंबई रवाना हो जाएगी. कप्तान रोहित शर्मा के नेतृत्व में मुंबई में एक रोड शो किया जाएगा.इसके बाद टीम का वानखेड़े स्टेडियम में स्वागत समारोह होगा.

- खेल पेज भी देखें

पंड्या रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे, पहले भारतीय

दुबई। टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर हार्दिक पंड्या बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए हैं. -खेल पेज पर

मोदी को बर्खास्त करने वाली याचिका खारिज

नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पीएम नरेंद्र मोदी को लोकसभा से बर्खास्त करने संबंधी याचिका बुधवार को खारिज करते हुए कहा कि इसमें लगाए गए आरोप मनगढ़ंत कल्पना पर आधारित हैं.

121 मौतों की न्यायिक जांच: योगी

लगातार न्यूज। हाथरस

यूपी के हाथरस सत्संग भगदड़ कांड में हुई 121 लोगों की मौत के बाद सरकार से लेकर प्रशासन तक एक्शन मोड में है. योगी ने बुधवार को एसआईटी के साथ ही न्यायिक जांच का ऐलान किया है. प्रशासन ने आयोजक देव प्रकाश माथुर और अज्ञात लोगों के खिलाफ सिकंदराराऊ थाने में विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कराया है. इसमें सत्संग करने वाले सूरजपाल सिंह उर्फ भोले बाबा का नाम नहीं होने पर सवाल उठ रहे हैं. सीएम योगी आदित्यनाथ भी बुधवार को हाथरस पहुंचे, तो उनके सामने भी यह सवाल उठा.

इस पर सीएम योगी ने बताया कि अभी आयोजकों का नाम आया है, जांच के बाद बाबा का नाम भी एफआईआर में आ सकता है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी लोग जांच के दायरे में आएंगे. जो लोग भी दोषी होंगें किसी को छोड़ा नहीं जाएगा. सीएम योगी मौके पर जाने के साथ ही अस्पताल पहुंच कर घायलों का हालचाल जाना.

भगदड़ में हुए घायलों से अस्पताल में मिलते यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ.

योगी बोले

यह सिर्फ हादसा नहीं है, इसके पीछे साजिश लगती है

- हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज से करवाएंगे हादसे की जांच
- जो भी दोषी होगा, कड़ी से कड़ी सजा दिलाएंगे

भोले बाबा ने भी जताया शोक

हाथरस में संत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 मौतों के लिए जिम्मेदार कहे जा रहे स्वयंभू भगवान सूरज पाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा घटना के 24 घंटे के बाद इस हादसे पर शोक जताया है. और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है. वह अपने आश्रम में दर्जनों अनुयायियों के साथ मौजूद है. पुलिस ने आश्रम के तीनों गेट पर भारी संख्या में फोर्स की तैनाती की है, लेकिन अभी तक अंदर जाने की हिम्मत नहीं जुटा सकी है.

सत्संग के आयोजकों पर केस दर्ज

पुलिस ने कथावाचक सूरजपाल सिंह उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोलेबाबा के सेवादार एवं सत्संग कार्यक्रम के आयोजक देव प्रकाश माथुर और अज्ञात लोगों के खिलाफ सिकंदराराऊ थाने में एफआईआर दर्ज कराई है. एफआईआर के अनुसार कार्यक्रम के लिए जिला प्रशासन से 80 हजार लोगों के शामिल होने की अनुमति ली गयी थी, जबकि कार्यक्रम स्थल पर करीब ढाई लाख श्रद्धालु पहुंचे थे. कार्यक्रम के समापन के बाद जब भोलेबाबा का काफिला बाहर निकल रहा था, उस समय उनके करीब पहुंचने और चरण रज लेनेकी आपाधापी मच गई. इसी बीच बाबा के साथ चल रहे उनके निजी सुरक्षा कर्मियों ने भीड़ के साथ धक्कामुक्की की, जो हादसे का सबब बना.

राज्यसभा में पीएम मोदी ने पेपर लीक पर विपक्ष को घेरा, कहा

मणिपुर में भड़काने वाली हरकतें छोड़ें

लगातार न्यूज। नयी दिल्ली

राज्यसभा में बुधवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे पीएम नरेंद्र मोदी ने मणिपुर के हालात, नीट पेपर लीक जैसे मुद्दों पर भी बयान दिया. उन्होंने कहा कि हमने पिछले पांच साल में जितना काम किया है, उतना काम करना होता, तो कांग्रेस को 20 साल लग जाते. पूर्वोत्तर में स्थाई शांति के लिए 10 साल निरंतर प्रयास किए गए. बिना रुके, बिना थके प्रयास किए गए हैं. उसकी चर्चा देश में कम हुई है, लेकिन परिणाम व्यापक रहे हैं.

उन्होंने पेपरलीक पर कहा, हम चाहते थे कि पेपर लीक जैसे संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति न हो, लेकिन विपक्ष को इसकी आदत है. मैं भारत के युवाओं को आश्वस्त करता हूं कि आपके भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को सख्त सजा मिले, इसके लिए एक्शन लिए जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि राज्यों के बीच सीमा विवाद संघर्षों को जन्म देता रहा है .

बोले पीएम

- मैंने जितने काम 5 साल में किए, कांग्रेस को 5 साल लगते
- पूर्वोत्तर में शांति स्थापित करके दिखा दिया
- संवेदनशील मुद्दों पर विपक्ष राजनीति न करे

खरगे के नेतृत्व में विपक्ष ने किया वॉकआउट

कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने मोदी के भाषण के दौरान राज्यसभा से वॉकआउट किया. उनकी मांग थी कि पीएम के संबोधन के बीच विपक्ष के नेता को हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं दी जाए. विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे मोदी के जवाब के दौरान हस्तक्षेप करना चाहते थे. हालांकि, सभापति जगदीप धनखड़ ने इसे खारिज कर दिया। इसके बाद इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने नारेबाजी की और विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति देने की मांग की. लेकिन सभापति जगदीप धनकड़ ने इसकी अनुमति नहीं दी. इसके बाद पूरा विपक्ष वाकआउट कर गया. धनखड़ ने उनके वॉकआउट की निंदा करते हुए कहा कि यह संविधान का अपमान है. इस पर पीएम ने कहा कि देश देख रहा है झूठ फैलाने वालों की सत्य सुनने की ताकत भी नहीं होती है.

जीवन संघर्ष | असंगठित मजदूरों को न नौकरी की गारंटी, न वेतन की

देश में इन्हीं के दम पर जलते हैं करोड़ों घरों के चूल्हे

लगातार न्यूज। नयी दिल्ली

असंगठित क्षेत्रों के मजदूरों की एक रिपोर्ट सामने आई है. लोकसभा में जारी इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत के कुल कार्यबल के 90% मजदूर असंगठित कामगार हैं. यानी भारत का 90 फीसदी कार्यबल ऐसे क्षेत्रों में काम करता है, जहां उन्हें सुरक्षा, नियमित वेतन और सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता. मजदूरों को कॉन्ट्रैक्ट या अस्थाई आधार पर रखा जाता है.

इतना ही नहीं उनके काम के नियम और शर्तें भी ठीक नहीं होतीं. ये मजदूर न सिर्फ अर्थव्यवस्था की ताकत हैं, बल्कि करोड़ों घरों के चूल्हे इन्हीं के कारण जलते हैं. असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले कामगारों की संख्या काफी बड़ी है. साल 2019-20 के सर्वेक्षण के अनुसार, इसमें 43.99 करोड़ लोग काम कर रहे थे. देश की अर्थव्यवस्था में इन मजदूरों का योगदान महत्वपूर्ण है.

असंगठित क्षेत्र क्या है

असंगठित मजदूरों के पास रोजगार कॉन्ट्रैक्ट या कानूनी सुरक्षा नहीं होती. इनके काम करने का समय या वेतन भी नियमित नहीं है और नौकरी की सुरक्षा का आश्वासन भी नहीं है. ऐसे लोगों कों आमतौर पर पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और अन्य सामाजिक सुरक्षा जैसे लाभ नहीं मिलते. इन श्रमिकों को बोनस, छुट्टियों जैसी कर्मचारी कल्याण योजनाओं का लाभ नहीं मिलता. असंगठित मजदूर आमतौर पर छोटे और अस्थाई काम करते हैं. उन्हें वेतन भी कम मिलता है और भुगतान भी अनियमित है. कई बार उन्हें समय पर वेतन नहीं मिलता और उनके काम के अनुसार सही भुगतान नहीं किया जाता है.

असंगठित क्षेत्र के प्रमुख उदाहरण

खेती या खेती से जुड़ा कोई भी काम, निर्माण मजदूर, राजमिस्त्री, घरेलू सहायिका, सफाई कर्मचारी, फुटपाथ विक्रेता, छोटे दुकानदार, हस्तशिल्पी, बुनकर, कुम्हार, ऑटो रिक्शा चालक, धोबी और मोची जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को असंगठित कामगार की कैटेगरी में रखा गया है. देश के 90 प्रतिशत कामगारों का इस क्षेत्र में काम करने का एक कारण ये भी है कि यहां काम करने के लिए किसी खास स्किल या प्रशिक्षण की जरूरत नहीं होती है.

हिंसा-नफरत फैलाने वाले हिंदू धर्म को नहीं समझते हैं: राहुल

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि हिंसा-नफरत फैलाने वाले भाजपा के लोग हिंदू धर्म के मूल सिद्धांतों को नहीं समझते. गुजरात में कांग्रेस कमेटी के कार्यालय पर भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा कथित पथराव की की निंदा करते हुए राहुल ने ये टिप्पणी की है. राहुल द्वारा कथित तौर पर लोस में की गयी हिंदू विरोधी टिप्पणियों के खिलाफ मंगलवार को अहमदाबाद में गुजरात कांग्रेस मुख्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन के दौरान मुख्य विपक्षी पार्टी और भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गयी और दोनों पक्षों ने

एक दूसरे पर पथराव किया.

कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा ने उसके कार्यालय पर पथराव किया. राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा- गुजरात कांग्रेस कार्यालय पर हुआ कायरतापूर्ण और हिंसक हमला भाजपा-संघ परिवार पर मेरी बात को और पुख्ता करता है.

3.71 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे

30% हो, तो इस प्रकार के स्थल को पौधरोपण के लिए चयनित किया जा सकता है

वन विभाग की पहल : नदी तटों पर लगाए जाएंगे चार से पांच फीट लंबे पौधे, 3.71 करोड़ रुपये किए जाएंगे खर्च

झारखंड के नदी तटों पर छाएगी हरियाली, होगा पौधरोपण

रवि भारती। रांची

अब झारखंड के नदी तट हरे-भरे होंगे. इन नदी तटों पर वन विभाग चार से पांच फीट औसत ऊंचाई वाले पौधे लगाएगा. वित्तीय वर्ष 2024-25 में नदी तटों पर पौधारोपण में 3.71 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे. वन विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि नदी तट पर पौधरोपण के लिए यदि 100 प्रतिशत वनभूमि अथवा गैर-मजरुआ भूमि उपलब्ध नहीं हो पा रही है, तो ऐसी स्थिति में तय मानकों के साथ रैयती भूमि का कुछ हिस्सा भी शामिल किया जा सकता है. इसके लिए नदी तट पौधरोपण की एक इकाई, जिसकी लंबाई 100 मीटर होती है, उसके चयन के क्रम में रैयती भूमि का हिस्सा यदि अधिकतम 30 प्रतिशत हो, तो इस प्रकार के स्थल को पौधरोपण के लिए चयनित किया जा सकता है. हालांकि, यह आवश्यक होगा कि जमीन के मालिक वन विभाग को योजना अवधि के लिए उक्त रैयती भूमि को पौधरोपण के लिए स्वेच्छा से सुपुर्द करने को तैयार हों. इसके लिए वन विभाग को इकरारनामा सह अनापत्ति प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना होगा.

फलदार के साथ छायादार पौधे भी लगाए जाएंगे

वन विभाग के अनुसार, नदी तटों पर अर्जुन, सेमल, कदम, करंज, शीशम, जामुन, आम, बेल, बेर, इमली, पीपल, बरगद, नीम, सिरिस, जंगली जिलेबी और गम्हार के भी पौधे लगाए जाएंगे. योजना के तहत प्रत्येक माह के लिए निर्धारित वित्तीय एवं भौतिक लक्ष्य के विरुद्ध प्रगति से कार्यालय को अवगत कराया जाएगा. योजना का सामाजिक अंकेक्षण पूर्व तीन वर्षों का कराया जायगा.

ये दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं

- निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी परिस्थिति में स्वीकृत राशि से अधिक की निकासी एवं खर्च न हो.
- **इस योजना के नियंत्री पदाधिकारी प्रधान मुख्य वन संरक्षक होंगे.**
- अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, विकास के द्वारा योजना कार्यान्वयन का सतत अनुश्रवण एवं तकनीकी पक्षों पर कार्यान्वयन एजेंसी का मार्गदर्शन करेंगे.
- **तृतीय पक्ष मूल्यांकन प्रतिष्ठित संस्थान से कराया जाएगा.**
- प्रत्येक माह की पांच तारीख तक भौतिक प्रगति प्रतिवेदन समर्पित किया जाएगा.
- **पौधरोपण के बाद जीवित पौधों का आकड़ा वर्षवार विभागीय वेबसाइट पर फोटो के साथ डाला जाएगा.**
- पूर्व में असंतोषजनक कार्य तथा वित्तीय अनुशासन का सख्ती से पालन नहीं करनेवाले पदाधिकारी व कर्मचारी को चिन्हित कर विशेष निगरानी रखी जाएगी.

बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा, कहा-

झामुमो-कांग्रेस की प्राथमिकता नौकरी देना नहीं, उगाही करना है

अपराध को संरक्षण देने वाली सरकार को अब खदेड़ना होगा

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने चंपाई सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने ट्वीट कर कहा कि सरकार द्वारा तकनीकी एजेंसी का चयन नहीं हो पाने की वजह से झारखंड के 5 लाख अभ्यर्थी सरकारी नौकरी से वंचित हैं. झामुमो-कांग्रेस की प्राथमिकता नौकरी देना नहीं, बल्कि एजेंसी के चयन में कमीशनखोरी कर अवैध रूप से उगाही करना है.

सरकार का झूठा चेहरा फिर से बेनकाब हो गया : मरांडी ने कहा कि आगामी तीन महीने में नियुक्ति कैलेंडर जारी करने का ढोंग करने वाली इस सरकार का झूठा चेहरा फिर से बेनकाब हो गया है. युवाओं को इस झूठी-धोखेबाज सरकार के पैंतरों से सतर्क और सचेत रहने की जरूरत है. युवाओं को दी जाने वाली सरकारी नियुक्तियों में पेपर लीक और सीटों की खरीद-फरोख्त कर पैसा कमाने की चाहत रखने वाली झामुमो-कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर ही नौकरी प्राप्त की जा सकती है.

झारखंड में अपराध रुकने का नाम नहीं ले रहा : बाबूलाल ने अपने दूसरे ट्वीट में कहा है कि झारखंड में अपराध रुकने का नाम नहीं ले रहा है. कांग्रेस और झामुमो की इंडी गठबंधन सरकार, न जाने कौन से निद्रा में सो गई है कि उन्हें आए दिन होते अपराधों से, लूटपाट से, हिंसा से, झारखंड के लोगों की जाती हुई जान से कोई फर्क नहीं पड़ता है. झारखंड के परिवारजनों को डर के साए में रहने को मजबूर किया जा रहा है. उन्हें घर से निकलने में, दुकानों को खोलने में, सड़क पर चलने में और सांस लेने में भी असुरक्षा महसूस हो रही है. आतंक का पर्याय बन चुकी गठबंधन सरकार, लोगों की बुनियादी समस्याओं को भी दूर करने में अक्षम साबित हो रही है, चाहे बात झारखंड के खनिज संपदाओं की सुरक्षा की हो, चाहे बात झारखंड के लोगों की सुरक्षा की हो, चाहे बात महिलाओं की सुरक्षा की हो झारखंड की इस निकम्मी सरकार से लोगों की उम्मीदें खत्म हो गई है, इसलिए ऐसी अत्याचारी और अपराध को संरक्षण देने वाली सरकार को अब खदेड़ना होगा ताकि झारखंड व झारखंड के बच्चों और भाई बहनों का भविष्य सुरक्षित रह सके.

विजय संकल्प सभा के जरिये भाजपा दिखाएगी ताकत

छह से 15 जुलाई तक होने वाले कार्यक्रम में कई केंद्रीय नेता भी करेंगे शिरकत

रांची। प्रदेश भाजपा विजय संकल्प सभा के जरिये अब ताकत दिखाएगी. छह जुलाई से 15 जुलाई तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में कई केंद्रीय नेता शिरकत करेंगे. इस कार्यक्रम के जरिये प्रदेश भाजपा सभी विधानसभा क्षेत्रों में सभा कर गठबंधन सरकार की नाकामियों को जनता के बीच रखेगी. इसमें भ्रष्टाचार के मामले, युवाओं को नौकरी, पेपर लीक का मामला, कानून व्यवस्था सहित अन्य मुद्दों को जनता के बीच रखेंगी. इस विजय संकल्प सभा का समापन रांची में होगा. इसमें भाजपा के केंद्रीय नेता भी शामिल होंगे.

दर्जन भर नेताओं को मिली है कार्यक्रम को सफल बनाने की जिम्मेवारी

विजय संकल्प सभा की सफलता के लिए प्रदेश के दर्जन भर नेताओं को जिम्मेवारी सौंपी गई है. जिन नेताओं को जिम्मेवारी मिली है, उनमें गीता कोड़ा, समीर उरांव, दिनेश कुमार, नवीन जायसवाल, विरंची नारायण, अर्पणा सेन गुप्ता, अनंत ओझा, लुईस मरांडी, भानू प्रताप शाही, अशोक शर्मा सहित अन्य शामिल हैं.

'शिबू सोरेन परिवार से बाहर का आदिवासी केवल कामचलाऊ'

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने झामुमो कांग्रेस राजद विधायक दल की बैठक में हेमंत सोरेन को फिर नेता चुने जाने पर निशाना साधा. कहा कि झामुमो में शिबू सोरेन परिवार से बाहर का आदिवासी केवल कामचलाऊ है. शिबू सोरेन परिवार जब जैसा चाहे उसका उपयोग करेगा और फिर उसे दूध की मक्खी की तरह निकाल फेंकेगा. पांच महीना पहले परिवारवाद से ऊपर उठकर मुख्यमंत्री चुनने की बात करने वाले झामुमो का आज फिर असली चेहरा उजागर हो गया. यह झामुमो के अन्य आदिवासी नेताओं के लिए यह सबक है. उन्हें अपनी सीमा रेखा समझ लेनी चाहिए. उन्हें समझ लेना चाहिए कि वे केवल शिबू सोरेन परिवार की पालकी ढोने के लिए हैं. ऊंची उड़ान भरना उनके नसीब में नहीं.

चंपाई सोरेन को कई बार अपमानित किया गया : मरांडी ने कहा कि चंपाई सोरेन राज्य के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन पद पर रहते हुए उन्हें बार बार अपमानित किया गया. बैठक की अध्यक्षता करने के बावजूद उन्हें किनारे बैठाया गया. इसके पूर्व लोकसभा चुनाव के दौरान रांची में हुई इंडी एलायंस की रैली में भी उन्हें मंच पर किनारे जगह दी गयी, जबकि परिवार की बहु कल्पना सोरेन बिना कोई पद के भी मंच के बीच में बैठी. यहां तक कि चंपाई सोरेन के भाषण के बीच ही मंच पर उपस्थित पार्टी के नेता उठकर जाने लगे थे. उन्होंने कहा कि आज कोल्हान के टाइगर को चूहा बना दिया गया.

- सत्ता पर एकाधिकार मानता है शिबू सोरेन परिवार
- **मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को पद पर हुए बार-बार किया अपमानित**
- झामुमो के नेताओं के लिए यह बड़ा सबक, पार्टी में रहना है तो पालकी ही ढोनी पड़ेगी

विधानसभा चुनाव- 2019

1215 प्रत्याशी थे मैदान में, 1038 की हो गयी थी जमानत जब्त

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड के लिए साल 2024 विशेष होगा है. लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद विधानसभा चुनाव की तैयारी में सभी राजनीतिक दल जुट गये हैं. यही वजह है कि सूबे में सियासी पारा अभी से चढ़ने लगा है. राजनीतिक दल 2019 के विधानसभा चुनाव और 2024 लोकसभा चुनाव के आंकड़ों का विश्लेषण करने में भी जुटे हैं. 2019 के विधानसभा चुनाव में झारखंड की 81 विधानसभा सीटों से 2015 प्रत्याशियों ने किस्मत आजमाई थी, जिनमें से 1038 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गयी थी. यानि 85 प्रतिशत उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई थी. सबसे अधिक ईचागढ़ विधानसभा सीट से किस्मत आजमा रहे 31 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई थी. वहीं 81 में से 68 सीटें ऐसी रहीं, जहां उपविजेता अपनी जमानत बचा पाने में सफल रहे. राज्य के प्रमुख राजनीतिक दलों में भाजपा व कांग्रेस के छह-छह, झामुमो के चार, आजसू पार्टी के 37 और राजद के एक प्रत्याशी की जमानत जब्त हो गयी थी.

- भाजपा-कांग्रेस के छह-छह, झामुमो के चार और आजसू के 37 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हुई थी

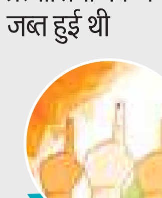

कुल पड़े वोटों का 16.66 % लाना जरूरी

बताते चलें कि जमानत बचाने के लिए किसी भी प्रत्याशी के लिए यह जरूरी है कि वह संबंधित विधानसभा क्षेत्र में पड़े कुल वोटों का कम से कम छठा हिस्सा ले आये. इसे ऐसे समझें, अगर किसी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 100 मत पड़े हैं, तो 16.66 वोट लाने वाले प्रत्याशी ही अपनी जमानत बचा पाएंगे.

2019 में किस राजनीतिक दल की क्या थी स्थिति

पार्टी	खड़े किये प्रत्याशी	जीते	जमानत जब्त	कुल मिले वोट (प्रतिशत में)
कांग्रेस	31	16	06	13.88
भाजपा	79	25	06	33.37
झामुमो	43	30	04	18.72
आजसू पार्टी	53	02	37	8.1
राजद	07	01	01	2.75

निशिकांत दूबे ने बढ़ाई सियासी तपिश, कहा- चंपाई युग समाप्त

रांची। गोड्डा से भाजपा सांसद ने एक बार फिर से झारखंड की सियासी तपिश बढ़ा दी है. उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि झारखंड में चंपाई सोरेन युग समाप्त, परिवारवादी पार्टी में परिवार के बाहर के लोगों का कोई राजनीतिक भविष्य नहीं है. काश आंदोलनकारी मुख्यमंत्री बिरसा भगवान से प्रेरित होकर भ्रष्टाचारी हेमंत सोरेन जी के खिलाफ खड़े हो पाते ?

मोहन भागवत सात को राजधानी रांची आएंगे

रांची। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत रांची दौरे पर आने वाले हैं. वे जुलाई में होने वाली प्रांत प्रचारकों की विभिन्न बैठकों में हिस्सा लेंगे. साथ ही प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ कई विषयों पर चर्चा करेंगे. उनके साथ संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले भी रहेंगे. यह जानकारी बुधवार को विश्व संवाद केंद्र के प्रमुख संजय कुमार आजाद ने दी.

डॉक्टरी लापरवाही की शिकायत पर विचार तभी जब अन्य डॉक्टर साक्ष्य दें

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

हाईकोर्ट फैसला

- झारखंड हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाया
- धनबाद के डॉक्टर के खिलाफ आरोप पर सुनाया निर्णय

झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक ताजा फैसले में कहा है कि चिकित्सकीय लापरवाही की शिकायत पर तब तक विचार नहीं किया जा सकता, जब तक इसके समर्थन में अन्य डॉक्टर साक्ष्य न दें. अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि किसी शिकायत पर तब तक विचार नहीं किया जा सकता, जब तक कि आरोपी डॉक्टर की लापरवाही के समर्थन में किसी अन्य डॉक्टर की विश्वसनीय राय के रूप में प्रथम दृष्टया साक्ष्य प्रस्तुत न किया जाये. दरअसल धनबाद के चिकित्सक डॉ. सुमन कुमार पाठक के खिलाफ चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था. इसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी. डॉ. सुमन की याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत में सुनवाई हुई.

शिकायतकर्ता ने डॉ सुमन के खिलाफ जो शिकायत दर्ज कराई थी, उसमें कहा गया था कि डॉक्टरों द्वारा की गयी घोर लापरवाही के कारण उनके पिता की मृत्यु हो गयी थी. मृतक मरीज को कमजोरी और लघुशंका में परेशानी की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था. परिजनों को कुछ दवाइयां खरीदने के लिए कहा और यह भी सुझाव दिया कि मरीज को शुगर है, इसलिए उसे इंसुलिन दिया जाना चाहिए. लेकिन अस्पताल की ओर से मरीज की उचित देखभाल नहीं की गयी. वर्ष 2011 में द्वारका दास जालान अस्पताल के खिलाफ कांति सिन्हा की मृत्यु के बाद प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी.

लालू प्रसाद का निर्णय ही होगा अंतिम फैसला

रांची। झारखंड प्रदेश राजद ने 2019 के विधानसभा चुनाव में सात सीटों पर चुनाव लड़ा था. सात सीटों में चतरा सीट पर जीत हासिल की थी. राजद प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव ने पलामू प्रमंडल में बैठक की थी. इसमें लोकसभा चुनाव की समीक्षा कर आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी पर खाका तैयार किया जा रहा है. इसमें झारखंड विधानसभा की 22 सीटों में चुनाव की मजबूत रणनीति तैयार की गयी है. 22 सीटों में पलामू प्रमंडल, उत्तरी छोटानागपुर, संथाल परगना, देवघर, गोड्डा, महगामा, राजमहल, गढ़वा, हुसैनाबाद, चतरा, सिमडेगा, छतरपुर, बरकट्ठा, कोडरमा शामिल है. प्रदेश राजद के मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने कहा कि अभी इंडिया गठबंधन से भी विधानसभा चुनाव पर बातचीत चल रही है. राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव व नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी विधानसभा चुनाव पर झारखंड आयेंगे. उनका निर्णय ही अंतिम निर्णय होगा.

किया गया प्रदर्शन, कहा- तुष्टिकरण की राजनीति बंद करें राहुल गांधी

हिंदू समाज का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान : संजय

प्रमुख संवाददाता। रांची

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा हिंदुओं को हिंसक बताने वाला बयान पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजय कुमार जायसवाल और हिंदू संगठन ने बुधवार को पहाड़ी मंदिर प्रांगण में विरोध प्रदर्शन किया. जायसवाल ने कहा कि राहुल गांधी को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए. साथ ही उनकी सदस्यता भी रद्द होनी चाहिए. राहुल गांधी लगातार बहुसंख्यक हिंदुओं का अपमानित करते रहते हैं. संसद में जिस तरह से हिंदुओं को हिंसक बताया और भगवान शिव की तस्वीर लेकर राजनीति की यह निंदनीय है. राष्ट्रपति और स्पीकर को इस मामले में दखल देना चाहिए. राहुल गांधी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए.

विरोध-प्रदर्शन कर फूंका पुतला : भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी की सदन से सदस्यता रद्द करने और उनके खिलाफ क्रिमिनल केस करने की मांग की.

पहाड़ी मंदिर के सामने प्रदर्शन करते संजय कुमार जायसवाल व अन्य.

खास बातें

- विरोध-प्रदर्शन कर राहुल गांधी का फूंका पुतला
- मांग रखी, राहुल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए

भाजपा कार्यकर्ताओं ने पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार पर विरोध प्रदर्शन करने के बाद जुलूस निकालकर पुतला दहन किया. इस अवसर पर में मुख्य रूप मनोज कुमार मिश्र, पिंटू बाबा, संत कबीर दास, राधा कृष्ण पाठक, मणिकर्णिका पांडेय, राजकुमार जायसवाल, शुभम कुमार जायसवाल, शुभम कुमार चौधरी, प्रभात, संजीव पाठक, अविनाश राय, नीतीश, अंकित, अभिनव, रणधीर, सत्यम चौधरी, शिवा, दीपक गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहे.

विज्ञापन जारी | दो लाख 25 हजार रुपये मिलेगा प्रतिमाह वेतन, अन्य भत्ते अलग से मिलेंगे

मुख्य सूचना आयुक्त सहित छह सूचना आयुक्तों की होगी नियुक्ति, प्रक्रिया शुरू

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में एक मुख्य सूचना आयुक्त सहित छह सूचना आयुक्तों की नियुक्ति होगी. कार्मिक विभाग ने इसके लिए विज्ञापन जारी कर दिया है. मुख्य सूचना आयक्त और सूचना आयुक्त के पद पर नियुक्ति के लिए इच्छुक उम्मीदवार अपना आवेदन कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, प्रोजेक्ट भवन, धुर्वा, रांची-834003 के पते पर स्पीड पोस्ट अथवा निबंधित डाक के माध्यम से 31 जुलाई को शाम छह बजे तक भेज सकते हैं.

तीन साल की अवधि के लिए होगी नियुक्ति : सूचना आयुक्तों की नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, इनमें जो भी पूर्वतर हो, पदधारण करेगा. राज्य मुख्य सूचना आयुक्त व सूचना आयुक्त पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा. वेतन प्रतिमाह 2,25.000 रुपए के साथ अन्य अनुमान्य भत्ते भी दिए जाएंगे. आवेदक को विधि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, समाज सेवा, प्रबंधन, पत्रकारिता, जन संपर्क माध्यम या प्रशासन तथा शासन का व्यापक ज्ञान और अनुभव रखने वाला के साथ समाज में प्रख्यात व्यक्ति होना अनिवार्य होगा. 3. संसद का सदस्य या किसी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र के विधान मंडल का सदस्य या कोई अन्य लाभ के पद पर कार्यरत या किसी राजनीतिक दल से संबद्ध या किसी कारोबार या वृत्ति से संबद्ध व्यक्ति भी आवेदक हो सकते हैं परंतु उन्हें राज्य सूचना आयुक्त के पद पर नियुक्ति के पश्चात् उक्त लाभ का पद या व्यापार छोड़ना या बंद करना होगा.

- झारखंड सरकार के कार्मिक विभाग ने निकाला विज्ञापन
- पत्रकारों के लिए भी है सुनहरा मौका

चयन समिति का हो चुका है पुनर्गठन : झारखंड में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए चयन समिति का पुनर्गठन कर लिया गया है. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया है. जारी आदेश में कहा गया है कि चयन समिति के अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे. वहीं सदस्य के रूप में नेता प्रतिपक्ष और कैबिनेट मंत्री दीपक बिरूआ को शामिल किया गया है.

चार साल से खाली पड़ा है सूचना आयुक्तों का पद

झारखंड में लगभग चार साल से मुख्य सूचना आयुक्त सहित सूचना आयुक्तों के पद खाली पड़े हैं. सूचना आयुक्त हिमांशु शेखर चौधरी 8 मई 2020 को अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद सेवानिवृत्त हुए थे. उसके बाद से ही राज्य सूचना आयोग निष्क्रिय है. एक मुख्य सूचना आयुक्त सहित छह आयुक्तों का सूचना आयोग में प्रावधान है. जनवरी 2020 में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार के कार्मिक प्रशासनिक सुधार और राजभाषा विभाग ने मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों के रिक्त पदों पर नियुक्ति का विज्ञापन निकाला था. करीब 300 आवेदन प्राप्त हुए थे. अबतक सूचना आयोग में लगभग दस हजार मामले लंबित हो गए हैं.

सूबे के नये खेल निदेशक संदीप कुमार ने किया पदभार ग्रहण

संवाददाता। रांची

झारखंड के नये खेल निदेशक संदीप कुमार ने बुधवार को अपना पदभार ग्रहण किया. पूर्व खेल निदेशक सुशांत गौरव ने बुके देकर उनका स्वागत किया. इसके बाद सुशांत गौरव ने संदीप कुमार को मोरहाबादी के बिरसा फुटबॉल स्टेडियम में स्थित खेल निदेशालय परिसर का भ्रमण किया. मौके पर उप निदेशक खेल मनीष कुमार, साझा के संयुक्त निदेशक राज किशोर खाखा समेत विभाग के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे. कार्यभार संभालने के बाद खेल निदेशक संदीप कुमार ने कहा कि स्पोर्ट्स के क्षेत्र में सरकार ने उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है, जिसपर वो खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे. उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को आगे बढ़ाने का प्रयास करना है. उन्हें निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का प्रयास करेंगे.

पदभार संभालते नए निदेशक.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

जमशेदपुर, गुरुवार 04 जुलाई 2024 ● आषाढ़ कृष्ण पक्ष 12 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 86

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबर

कुकड़ू में 15 लाभुकों के बीच बकरा-बकरी वितरित

चांडिल । कुकड़ू प्रखंड कार्यालय परिसर में बुधवार को मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत 15 लाभुकों के बीच बकरा- बकरी का वितरण किया गया. जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो, कुकड़ू प्रखंड प्रमुख प्रतिमा वाला पातर, प्रभारी प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ हरेलाल महतो ने लाभुकों के बीच बकरा बकरी का वितरण किया. एक यूनिट में चार बकरी और एक बकरा है.

पांच साल के कामकाज का हिसाब दें विधायक : हरेलाल

चांडिल । आजसू पार्टी का हल्ला बोल कार्यक्रम बुधवार को कुकडू प्रखंड मुख्यालय में आयोजित किया गया. कार्यक्रम में आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो ने कहा कि जनता को स्थानीय विधायक के पांच साल के कामकाज का हिसाब चाहिए. तीन साल पहले विधायक निधि से लाए गए एम्बुलेंस सेवा के लिए लाया गया था या थाना में खड़ा रखने के लिए.

मदरसा में हॉस्टल निर्माण को मंत्री से मिले विधायक

जमशेदपुर । जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने बुधवार को अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल अंसारी से रांची में मुलाकात की. उन्होंने जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र के महतो पाड़ा, इस्लाम नगर में स्थित मदरसा मोहम्मदी में एक हॉस्टल का निर्माण कराने की मांग की. मंत्री ने आश्वासन दिया है कि जल्द से जल्द वहां हॉस्टल का निर्माण करवाया जाएगा.

जुगसलाई ट्राफिक थाना प्रभारी को किया सम्मानित

जमशेदपुर । जुगसलाई ट्राफिक थाना प्रभारी राजन कुमार व अन्य पुलिस पदाधिकारियों को बुधवार को सुन्दरनगर में आम लोगों के बीच जागरुकता अभियान चलाने के लिए गुलदस्ता एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया. सम्मानित करने वालों में युवा समाजसेवी गोविंदा पति, अभय कुमार चौबे, गोविंद दास, महावीर,संदीप दास, मनसा दास, मनीष अन्य लोग उपस्थित थे.

अनुकंपा समिति ने आश्रितों की नौकरी की दी स्वीकृति

जमशेदपुर । जिला अनुकंपा समिति की बैठक बुधवार को उपायुक्त की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में हुई. जिसमें सभी अहर्ताएं पूरी करने वाले 14 अभ्यर्थियों की अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पर मुहर लगाई गई. जिनमें तृतीय वर्ग में 9 तथा चतुर्थ वर्ग के 5 कर्मचारी शामिल हैं. विदित हो कि विभिन्न विभागों में अनुकंपा के आधार पर नौकरी के लिए प्रस्ताव लंबित थे.

होमगार्ड संघ का चुनाव 7 को, पुलिस बल की मांग

जमशेदपुर । गृह रक्षा वाहिनी लोक सेवक संघ की जिला कमिटी का चुनाव 7 जुलाई को साकची जेल चौक स्थित सामुदायिक भवन में होगा. उक्त चुनाव में किसी प्रकार की विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न नहीं हो. इसलिए संघ के चुनाव पदाधिकारी के द्वारा चुनाव के दिन मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल की प्रतिनुक्ति करने की मांग डीसी एवं एसएसपी से की गई.

विद्यालयों में आरक्षित सीटों पर नामांकन के लिए लॉटरी

जमशेदपुर । जमशेदपुर के निजी विद्यालयों में 25% आरक्षित सीटों पर अभिवंचित वर्ग के बच्चों के नामांकन के लिए लॉटरी निकाली गई. डीडीसी की अध्यक्षता में प्रक्रिया पूर्ण की गई. जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी, निजी विद्यालयों के प्राचार्य, अभिभावकों की उपस्थिति में 43 वैसे विद्यालय जिसमें निश्चित सीट से अधिक फॉर्म प्राप्त हुए थे उनमें लॉटरी कर सूची को अंतिम रूप दिया गया.

कलश यात्रा में उमड़ा भक्ति का ज्वार, श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर का प्राण-प्रतिष्ठा महायज्ञ प्रारंभ

आज होगा देवताओं का आवाहन पूजन

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

● 31 ब्राह्मणों ने जलयात्रा के साथ पंचांग पूजन, ब्राह्मण वरण, मंडप प्रवेश, वेदी निर्माण और जलाधिवास कराया संपन्न

श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर, केबुल टाउन का प्राण-प्रतिष्ठा महायज्ञ बुधवार से प्रारंभ हो गया. महायज्ञ के पहले दिन हजारों महिलाओं ने कलश यात्रा में हिस्सा लिया. सोनारी दोमुहानी से कलश में जल भरकर मंदिर लाया गया. महिलाओं के आने-जाने के लिए दर्जनों बसों की व्यवस्था की गई थी. हालांकि मंदिर से कुछ किलोमीटर पहले ही महिलाएं बसों से उतरकर नंगे पांव मंदिर परिसर में पहुंची. महिलाओं की अप्रत्याशित भीड़ देखकर ऐसा लग रहा था मानो सड़कों पर भक्तों का सैलाब उमड़ आया हो. सभी महिलाएं अनुशासन में चल रही थी. हालांकि लाउड स्पीकर से सभी से अनुशासन बनाए रखने तथा कतारबद्ध होकर चलने की अपील की जा रही थी. बुधवार को कलश यात्रा के साथ ही पंचांग पूजन, ब्राह्मण वरण, मंडप प्रवेश, वेदी निर्माण और जलाधिवास भी संपन्न कराया गया. 4 जुलाई को देवताओं का आवाहन पूजन, पाठ, जप, धन्नाधिवास, धृताधिवास, गन्धाधिवास और धूपाधिवास का कार्यक्रम होगा.

इससे पहले बुधवार की सुबह 6 बजे से ही महिलाएं मंदिर परिसर में जुटने लगी थीं. सभी महिला श्रद्धालुओं को बसों में बिठा कर सोनारी दोमुहानी नदी ले जाया गया. जहां सबसे पहले गौरी-गणेश का पूजन हुआ. इसके बाद वरुण पूजन, जलमात्रिका, स्थल मात्रिका, जीव मात्रिका और उड़द-दही की बलि दी गई. मौके पर प्रमुख यजमान के रूप में जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने संकल्प लिया. उनके साथ कई अन्य लोगों ने भी संकल्प लिया. नदी तट पर 31 ब्राह्मणों ने पूजन विधि संपन्न करायी. इसके बाद सारे लोग मंदिर परिसर में आ गए. जहां पंचांग पूजन, ब्राह्मण वरण, मंडप प्रवेश, वेदी निर्माण और जलाधिवास संपन्न कराया गया.

सरायकेला-खरसावां के एसपी का तबादला

मनीष टोप्पो की जगह जमशेदपुर के सिटी एसपी मुकेश लुणायत भेजे गए

मुख्य संवाददाता । जमशेदपुर

सरायकेला-खरसावां जिला के एसपी पद पर पदस्थापित मनीष टोप्पो का सरकार ने तबादला कर दिया है. उनकी जगह पर जमशेदपुर सिटी एसपी के पद पर पदस्थापित मुकेश लुणायत को सरायकेला-खरसावां जिला का नया एसपी बनाया गया है. इस संबंध में राज्य के गृह विभाग की ओर से बुधवार की देर शाम अधिसूचना जारी कर दी गई है. गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव से पहले सरकार ने मनीष टोप्पो को सरायकेला-खरसावां जिला के एसपी के पद पदस्थापित किया था.

मुकेश लुणायत ने अक्तूबर 2023 में जमशेदपुर सिटी एसपी के पद पर योगदान किया था. उससे पूर्व श्री लुणायत जमशेदपुर में करीब डेढ़ साल तक ग्रामीण एसपी के रूप में भी पदस्थापित रहे. जानकारी के अनुसार एसपी मनीष टोप्पो को पुलिस मुख्यालय में योगदान करने का निर्देश दिया गया है. माना जा रहा है कि जमशेदपुर के ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग फिलहाल सिटी एसपी का भी प्रभार संभालेंगे.हाल के दिनों में सरायकेला-खरसावां जिला के आदित्यपुर समेत आसपास के हिस्सों में आपराधिक

मनीष टोप्पो

मुकेश लुणायत

घटनाओं में वृद्धि हुई है. इसे लेकर पिछले ही दिनों जोनल आईजी प्रभात कुमार ने सरायकेला-खरसावां जिले का दौरा किया था. इस क्रम में जोनल आईजी प्रभात कुमार ने आपराधिक घटनाओं के संबंध में थाना स्तर के पुलिस पदाधिकारियों एवं एसपी श्री टोप्पो से भी विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी ली थी. माना जा रहा है कि जिले में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के मद्देनजर एसपी मनीष टोप्पो को हटाकर उन्हें लाइन में भेज दिया गया है. स्थानांतरण के कारणों के संबंध में फिलहाल कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है.

बड़े बकायेदारों से वसूल करें राशि : डीसी

नीलामपत्र वाद के 15780 देनदार, 565 करोड़ बकाया

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

जिले के नीलामपत्र पदाधिकारी सरकारी राशि की वसूली में रूचि नहीं दिखा रहे हैं. जिसके कारण जिले में सर्टिफिकेट केस (नीलामपत्र वाद) के 15780 मामले लंबित हैं. इन मामलों के लंबित रहने से भारी भरकम रकम की वसूली नहीं हो पा रही है. पूर्वी सिंहभूम जिले में विभिन्न बैंकों एवं सरकार की योजनाओं से राशि लेकर नहीं लौटाने वालों के पास लगभग 565 करोड़ रुपये बकाया है. उपरोक्त राशि की वसूली 28 नीलामपत्र पदाधिकारियों को करनी है. बुधवार को उपायुक्त अनन्य मित्तल ने नीलामपत्र वाद से जुड़े मामलों की समीक्षा की. जिसमें उपरोक्त आंकड़े सामने आए.

सभी से लिए गए प्रतिवेदन में स्पष्ट हुआ कि अब भी जिले में 15780 मामले लंबित हैं. जिसके कारण भारी-भरकम राशि की वसूली नहीं हो पा रही है. उपायुक्त ने कड़ा रूख जताते हुए सभी नीलामपत्रवाद

क्या होता है नीलामपत्र वाद

पब्लिक डिमांड रिकवरी एक्ट के तहत किसी भी सरकारी राशि को अगर वापस नहीं किया जाता है तो उसके बदले नीलामपत्र वाद दायर होता है. वाद की सुनवाई के लिये जिला में अपर समाहर्ता, वरीय उप समाहर्ता स्तर को नीलामपत्र पदाधिकारी मनोनीत किया जाता है. यह शक्ति कमिश्नर स्तर से दी जाती है. निलामपत्र पदाधिकारी बकाएदारों से राशि की वसूली करने बकाएदार की संपत्ति की कुर्की भी कर सकता है.

पदाधिकारियों को मोटे बकाएदारों की सूची तैयार करने के साथ सुनवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया. कहा अगर जरूरत पड़े तो ऐसे बकाएदारों के खिलाफ नोटिस/वारंट निर्गत कर उन्हें बुलाएं तथा केस का निष्पादन करें.

ज्ञात हो कि अधिकांश मामले ऋण वसूली से जुड़े हैं. उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को 10-10 बड़े बकायेदारों को चिन्हित कर संबंधित मामलों की नियमित सुनवाई करने को लिए कहा.

इस संदर्भ में सभी संबंधित पदाधिकारियों को रजिस्टर का मिलान करने तथा थाना के स्तर से नोटिस/वारंट भेजकर कार्रवाई के लिए अनुमंडल पदाधिकारियों से समन्वय बनाने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने बैंकिंग संस्थानों एवं पक्षकारों के बीच वादों से संबंधित अधतन प्रतिवेदन को नीलाम पत्र पदाधिकारियों से साझा करने एवं समन्वय बनाने का निर्देश दिया. बैठक में अपर उपायुक्त रोहित सिन्हा, एलआरडीसी गौतम कुमार, एसडीओ घाटशिला सच्चिदांनद महतो, एसडीओ (धालभूम) पारूल सिंह, सीओ जमशेदपुर सदर मनोज कुमार, सीओ मानगो, पोटका, गुड़ाबांदा समेत अन्य सभी नीलाम पत्र पदाधिकारी उपस्थित थे.

मोबाइल टावर लगाए जाने की हुई समीक्षा

जमशेदपुर । जिले के नेटवर्क विहिन क्षेत्र (सैडो एरिया) में बीएसएनएल की ओर से 100 मोबाइल टावर लगाए जाने थे. लेकिन अभी तक केवल 77 ही लग गए हैं. वहीं 15 में प्रक्रिया जारी है. जबकि 8 जगहों पर विवाद उत्पन्न होने के कारण मामला लटक गया है.

यह जानकारी बुधवार को जिला दूरसंचार समिति की बैठक में सामने आई. बैठक में मौजूद उपायुक्त अनन्य मित्तल ने अपर उपायुक्त एवं अंचलाधिकारियों को विवाद जुड़े स्थलों के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट भेजने के लिए कहा. दूसरी ओर बैठक में मोबाइल टावर अनापत्ति से जुड़े 47 मामले रखे गए, जिनमें 9 को स्वीकृति प्रदान की गई. जबकि 10 को तकनीकी कारणों से रद कर दिया गया. साथ ही संबंधित सेवा प्रदायी कंपनी को 15 आवेदन वापस किए गए. वहीं 3 मामले ऐसे थे जिनमें सेवा प्रदायी कंपनी को स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया गया. कार्य में शिथिलता पर कार्रवाई की चेतावनी दी गयी. बैठक में, अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे.

चक्रधरपुर में नगर परिषद् ने शुरू किया कचरा का उठाव

संवाददाता । चक्रधरपुर

चक्रधरपुर शहर के कचरा का उठाव नगर परिषद् द्वारा बुधवार से शुरु कर दिया गया है.इसे लेकर बुधवार को चक्रधरपुर के शौंडिक धर्मशाल में गिरिराज सेना की ओर से प्रेस वार्ता में प्रमुख उमाशंकर गिरि ने कहा कि नगर परिषद् द्वारा चक्रधरपुर के कुदलीबाड़ी स्थित श्मशानघाट के समीप शहर का कचरा डंप कर नरकद्वार बना दिया गया था. जिसे गिरिराज सेना के सदस्यों द्वारा मिलकर साफ-सफाई की गई है. साथ ही नगर परिषद् को उक्त स्थान पर कचरा डंप करने पर रोक लगाया गया था, लेकिन नगर परिषद् द्वारा अब तक कोई दूसरी व्यवस्था नहीं किये जाने के कारण शहर में कचरों का उठाव बंद हो गया था. कई दिनों से शहर के वार्डों से कचरा का उठाव नहीं होने के कारण जगह-जगह गंदगी का अंबार लग गया है. साथ ही नगर परिषद् द्वारा डोर टू डोर कचरा का उठाव भी नहीं किया जा रहा था. इसे देखते हुये नगर परिषद् परिषद् के कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा एक लिखित पत्र गिरिराज सेना को दिया गया है. नगर परिषद् के कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा दिये गये पत्र के तहत यह आश्वासन दिया गया है कि कुदलीबाड़ी में कचरों का वैज्ञानिक ढंग से नस्तिारण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है. साथ ही ठोस अपशष्टि प्रबंधन योजना के तहत दिसंबर 2025 तक कूड़ा निस्तारण प्लांट अधष्ठिापित किया जाएगा.साथ ही यह आश्वस्त किया गया है कि शहर का कचरा श्मशान घाट से दूरी में डंप किया जाएगा. जिसके बाद गिरिराज सेना द्वारा कचरा उठाव करने को कहा गया है.

गैस टैंकर की चपेट में आने से अज्ञात युवक की हुई दर्दनाक मौत

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के एन एच 18 पर फ्लाइओवर के ऊपर बुधवार की देर शाम सड़क पार करते वक्त गैस टैंकर की चपेट में आने से अज्ञात युवक की दर्दनाक मौत हो गई.

मिली जानकारी के अनुसार युवक चित्रेश्वर मोड़ से सड़क पार कर रहा था तभी वह गैस टैंकर के चपेट में आ गया और दर्दनाक मौत हो गई. जिससे देख गैस टैंकर चालक अपनी बहन खड़ा करके मौके पर से भाग गया. मौके पर पहुंच कर पुलिस लाश को अपने कब्जे में लेकर पहचान करने में जुटी हुई है साथ ही अपने स्तर से जांच पड़ताल कर रही है.

आदित्यपुर के अटल पार्क में शिफ्ट होंगे अक्षेस भवन और नियोजनालय के मतदान केन्द्र

बूथ संख्या 146 से 149 मतदाताओं को 148 में भेजा जाएगा

संवाददाता । आदित्यपुर

मतदान केंद्रों का रेशनलाइजेशन और री-अरेंजमेंट को लेकर बुधवार को विभिन्न पंजीकृत राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने बैठक की. जिसमें आदित्यपुर के अटल पार्क में नया मतदान केंद्र बनाने और वहां नियोजनालय और अक्षेस भवन के बूथ संख्या 147, 148 नियोजनालय आदित्यपुर और बूथ संख्या 149 और 150 एनएसी कार्यालय को पुनर्स्थापित करने का निर्णय लिया गया. उक्त दोनों मतदान केंद्र जर्जर भवन में संचालित हो रहे हैं. इसके अतिरिक्त कल्पनापुरी सामुदायिक भवन के मतदान केंद्र संख्या 146 जिसमें 1500 से अधिक मतदाता हो गए हैं, यहां से 149 मतदाताओं को मतदान केंद्र संख्या 148 में भेजने के प्रस्ताव पर भी सर्व सहमति बनी.

उपायुक्त ने जानकारी दी कि द्वितीय मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 01 जुलाई, 2024 को अहर्ता तिथि मानते हुए मतदाता सूचि का विशेष संक्षित पुनरीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन किया जाएगा एवं छूटे हुए मतदाताओं का पंजीकरण, ईपीक का सत्यापन, ब्लैक एंड व्हाइट इमेज वाले पहचान करना आदि कार्य सर्वेक्षण किया जाना है. इसके अलावा बैठक में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदान केंद्रों का रेशनलाइजेशन और री-अरेंजमेंट का कार्य किया जाना है.

इस दौरान उपायुक्त ने अंचल अधिकारी गम्हरिया को अटल पार्क स्थित भवन को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश के आलोक में मतदान केंद्र संख्या वाली भवन को तैयार कर आगे की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं. बैठक के दौरान उपायुक्त में विभिन्न राजनीतिक दल के सदस्यों के साथ वार्ता करते हुए अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत मतदान केन्द्रों से संबंधित समस्याओं, सुव्यवस्तीकरण के संबंध में वार्ता की जिसपर भारतीय जनता पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा तथा कांग्रेस के प्रतिनिधि के द्वारा गम्हरिया, खरसावां प्रखंड अंतर्गत विभिन्न मतदान केंद्र के सुव्यवस्थीकरण करने के प्रस्ताव दिए. प्राप्त प्रस्ताव पर उपायुक्त ने उप निर्वाचन पदाधिकारी को जांचोपरांत अग्रतर कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए सभी प्रस्ताव को अगले बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं.

सरोकार

बच्चों ने दिए लघु नाटिका के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के संदेश

कम हो रही पेड़ों की संख्या मानव जीवन के लिए घातक

- जल संरक्षण समय की मांग : प्राचार्य
- अभिभावकों ने लिया जल संरक्षण का संकल्प

संवाददाता । आदित्यपुर

डीएवी एनआईटी में कक्षा 1 और 2 के नन्हें-मुन्हें छात्रों ने बुधवार को लघु नाटिका के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के संदेश दिए. लघु नाटिका आओ हम सब मिलकर पृथ्वी बचाएं विषय पर आधारित इस प्रस्तुति में बच्चों ने धरती पर कम हो रही पेड़ों की संख्या मानव जीवन के लिए घातक है को बखूबी निभाया. बच्चों ने नाटक के मंचन के माध्यम से शिक्षा

दी कि किस प्रकार मनुष्य ने अपने स्वार्थ के लिए पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया है, जिसका खामियाजा आज उनके बच्चे भुगत रहे हैं.बच्चों ने स्लोगन लिखी तख्तियों के साथ हॉल में बैठे अभिभावकों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति सचेत किया. इस कार्यक्रम को प्राचार्य ओपी मिश्रा ने प्रस्तुत किया. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज पर्यावरण संरक्षण की बहुत ही आवश्यकता है. धरती पर पेड़ पौधे नहीं होने की वजह से बरसात का अनुपात कम हो रहा है.

उन्होंने बताया कि इसका ताजा उदाहरण इस वर्ष मानसून की बेरुखी है, जिसके वजह से भूगर्भ जलस्तर का ह्रास हुआ है. आषाढ़ माह में नदियां सूखी हैं, कुआं, तालाब, बोरिंग सूख गए हैं. धरती पर चारों ओर जल संकट है. हमें ऐसी हालात से बचने के लिए अभी और आज से सचेत होना पड़ेगा. इस लघु नाटिका के मंचन में इंद्रजीत गांधी, रेखा ऐश्वर्य और कक्षा 1 और 2 कि शिक्षिकाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. हाल में उपस्थित अभिभावकों ने जहां बच्चों के संदेश से प्रेरित होकर जल संरक्षण की प्रतिज्ञा ली वहीं बेवजह जल की बर्बादी रोकने का संकल्प दोहराया.

घाटशिला में मूसलधार बारिश दुकान और घरों में घुसा पानी

संवाददाता । घाटशिला

पूरे प्रखंड क्षेत्र में बुधवार को मानसून की पहली बारिश दिन के दो बजे से शुरू हुई और लगातार दो घंटा मूसलधार बारिश हुई . इसके बाद भी रिमझिम बारिश का क्रम जारी रहा. दूसरी ओर पहली बारिश में ही घाटशिला में गंदगी से बजबजाती नाली की पोल खुल गई. घाटशिला के कई मकानों एवं दुकानों में बारिश का पानी घुस गया. कई स्थानों पर सड़कों पर भी जलजमाव देखने को मिला. यह बारिश घाटशिला के अलावा धालभूमगढ़, बहरागोड़ा, जादूगोड़ा, मुसाबनी, गालूडीह समेत अन्य क्षेत्रों में भी हुई. हालांकि चाकुलिया में बारिश नहीं हुई. अनुमंडल में लोग पिछले 15 जून से मानसून का इंतजार कर रहे थे. बारिश नहीं होने से प्रचंड गर्मी से लोग परेशान तो थे ही नदी नाला के सूख जाने के कारण पशु पक्षियों को भी पानी के लिए तरसना पड़ रहा था.

ब्रीफ खबरें

राजद के 28वें स्थापना दिवस की तैयारी

आदित्यपुर । राजद के 28वें स्थापना दिवस पर आदित्यपुर ऑटो क्लस्टर में राजद कार्यकर्ताओं का महाजुटान होगा. जिसकी तैयारी में राजद प्रदेश महासचिव सह प्रभारी पूर्वी सिंहभूम पुरेंद्र नारायण सिंह के नेतृत्व में 28वां स्थापना दिवस को यादगार बनाने में कार्यकर्ता जुट गए हैं. कार्यक्रम 5 जुलाई को ऑटो क्लस्टर सभागार में सम्पन्न होगा. यह जानकारी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पुरेंद्र नारायण सिंह ने दी. मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश राजद के प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव उपस्थित होंगे.

संताली शिक्षकों की बहाली की मांग को लेकर धरना

जमशेदपुर । संताल स्टूडेंट्स यूनियन ने बुधवार को अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर उपायुक्त कार्यालय पर धरना दिया. धरना के उपरांत यूनियन की ओर से एक मांग पत्र जिले के उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा गया. जिसमें झारखंड पारा टीचर्स वैकेंसी नीति में संशोधन करते हुए नई शिक्षा नीति के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति करने, संताली मातृभाषा में प्राथमिक स्तर पर शिक्षा प्रदान करने की मांग की. झारखंड सरकार की ओर से शिक्षक बहाली के लिए निकाले गए विज्ञापन में संताली शिक्षक का पद सृजित किया जाय.

जिला कांग्रेस आरटीआई सेल के चेयरमैन नियुक्त

जमशेदपुर । झारखंड प्रदेश कांग्रेस के आरटीआई सेल ने कमलेश कुमार को पूर्वी सिंहभूम कांग्रेस आरटीआई सेल का चेयरमैन नियुक्त किया है. प्रदेश कार्यालय की ओर से इस संबंध में पत्र निर्गत किया गया है. कांग्रेस जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे और उपाध्यक्ष संजय सिंह आजाद ने बताया कि कमलेश कुमार को करीब छह माह पूर्व ही जिला कमेटी की ओर से इस पद पर नियुक्त कर लिया गया था. जिला कमेटी की ओर से नियुक्त किये जाने के बाद कमलेश कुमार चेयरमैन के रूप में कामकाज देख रहे थे.

मां दौड़ासिनी की प्राचीन मूर्ति की गई स्थापित

जमशेदपुर । पटमदा बाजार स्थित श्री श्री मां दौड़ासिनी की सदियों पुरानी मूर्ति बुधवार को विधिवत पूजा अर्चना के पश्चात बगल में मौजूद श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में अस्थाई रूप से स्थापित कर दी गई. इस संबंध में मंदिर कमिटी के सदस्य दीपक कुमार दत्त ने बताया कि दशकों पुरानी मंदिर जर्जर होने की वजह से वर्तमान में मंदिर का पुनर्निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसलिए निर्माण कार्य पूरा होने तक दुर्गा मंदिर में ही देवी माता की नियमित पूजा-अर्चना की जाएगी. निर्माण कार्य यथाशीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जाएगा.

पड़ोसी पर डायन बताकर निर्वस्त्र करने का आरोप

जमशेदपुर । कदमा थाना अंतर्गत भाटिया बस्ती में नाबालिग के साथ अश्लील हरकत करने, जाति सूचक शब्द बोलते हुए निर्वस्त्र करने का मामला प्रकाश में आया है. इस संबंध में पीड़िता की मां ने कदमा थाना में अमरजीत सिंह, रंजित सिंह और ईशान पर आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है. इधर, पुलिस ने भी प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. शिकायत में बताया गया है कि 29 जून को सभी आरोपी घर आए और मारपीट करते हुए नाबालिग को निर्वस्त्र किया और उसका मुंडन कराने का प्रयास किया.

बिरसा जयंती पर कार्यक्रम की तैयारी, डीसी को ज्ञापन

जादूगोड़ा । जादूगोड़ा मोड़ चौक स्थित बिरसा पार्क में इस साल नवंबर महीने में बिरसा जयंती समेत झारखंड स्थापना दिवस को लेकर भगवान बिरसा मुंडा सेवा समिति ने तैयारी तेज कर दी है. समिति के सचिव बसंत टोपनो की अगुवाई में आज एक प्रतिनिधि मंडल ने जिले के उपायुक्त मुलाकात की व ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में कल्चरल कार्यक्रम की स्वीकृति प्रदान करने क्षेत्र की साफ-सफाई को लेकर यूसिल को दिशा निर्देश जारी करने की मांग की गई है. प्रतिनिधि मंडल मे पूर्व मुखिया सीता राम हासदा,सोना राम हासदा,जगन्नाथ सोरेन व सुशील हेंब्रम शामिल थे.

कंपनी प्रबंधन ट्रांसपोर्टेशन के लिए मैदान का उपयोग करने की बना रही योजना, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

नौ बस्तियों के बीच सिर्फ एक ही खेल का मैदान, उस पर भी कंपनी की नजर

- पूर्व सांसद, उपायुक्त और टाटा स्टील यूआईएसएल प्रबंधन से मिले जेम्को बस्तीवासी

मुख्य संवाददाता । जमशेदपुर

टाटा स्टील यूआईएसएल प्रबंधन जेम्को मैदान का ट्रांसपोर्टेशन के लिए इस्तेमाल करने की प्लानिंग कर रहा है. यह कहना है जेम्को निवासियों का. इस संबंध में जेम्कोवासियों ने बुधवार को उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा. बस्तीवासियों ने बताया है कि विगत एक जून को पूर् सांसद डॉ अजय कुमार से बस्तीवासियों की वार्ता हुई थी. उन्होंने इस संबंध में बस्तीवासियों को उपायुक्त और टाटा स्टील यूआईएसएल एमडी से वार्ता करने की सलाह दी थी. बस्तीवासियों के लिए कोई खेल का मैदान नहीं है. जेम्को बस्ती, मिश्रा बागान, महानंद बस्ती, आजाद बस्ती, मछुआ बस्ती, मनीफीट, प्रेमनगर , लक्ष्मीनगर, झगड़ुबागान की इतनी बड़ी आबादी के बीच सिर्फ एक ही खेल मैदान है.

बताया गया है कि उपायुक्त ने बस्तीवासियों को आश्वासन दिया है कि जल्द ही कंपनी के अधिकारियों के साथ बस्तीवासियों की बैठक बुलाई जाएगी. बस्तीवासी टाटा स्टील यूआईएसएल के एमडी से भी मिलने पहुंचे. कंपनी प्रबंधन की ओर से मैदान देने से साफ इन्कार कर दिया गया. कहा गया कि मैदान का ट्रांसपोर्टेशन के लिए इस्तेमाल करने की योजना चल रही है.

स्थानीय निवासी अनिल कुमार ने बताया कि इस मामले को लेकर बस्तीवासी अपना आंदोलन अब तेज करेंगे. नहीं तो आने वाला समय में बस्ती प्रदूषण का शिकार हो जायेगी. दुर्घटना होने की आशंका बढ़ जाएगी. इस संबंध में अब पर्यावरण विभाग, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के पास पत्र भेज कर इसकी शिकायत की जायेगी.

सोनारी में गहने साफ करने के नाम पर भाजपा नेता की मां से ठगी

महिला को हिप्नोटाइज कर दो लाख के गहने ले उड़े ठग

संवाददाता । जमशेदपुर

शहर में एक बार फिर गहने साफ कर ठगी करने वाला गिरोह सक्रिय हो गया है. ताजा मामला सोनारी थाना थाना क्षेत्र का है, जहां परदेसी पड़ा निवासी बीजेपी नेता राहुल तिवारी के घर में घुसकर ठगों ने गहने साफ करने के बहाने उनकी मां पुष्पा तिवारी से गहनों की ठगी कर ली. इसको लेकर सोनारी थाना में भी शिकायत की गई पर पुलिस ने तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की. ठगों ने आस–पास के घरों को भी निशाना बनाने का प्रयास किया. ठगों की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है.

दो की संख्या में आए थे ठग

पुष्पा तिवारी ने बताया कि दोपहर दो बजे वह घर पर थी. तभी घर की सीढ़ी के पास एक व्यक्ति आ गया. वह जबरदस्ती घर के अंदर आकर बैठ गया और गहने साफ करने वाले पाउडर के बारे में बताने लगा. मना करने पर वह जबरदस्ती करने लगा और घर से कांसा का लोटा मंगाया और उसे साफ करके दिखाने लगा. इसी बीच उसने बहु रेखा के गले में सोने की चेन देख ली और उसे उतारने को कहा ताकि वह चेन को साफ कर देखा सके. बहु ने चेन उतारने से मना किया और ठग ने अपने पास से एक पाउडर निकाला और उसे बहु के गले में पहले चेन पर लगा दिया. इससे बहु हिप्नोटाइज हो गई और खुद से चेन निकालकर ठग को दे दिया.

इस तरह दिया घटना को अंजाम

गहने साफ करने के बहाने उसे एक पानी की मिश्रण में डाला और फिर निकालकर पाउडर से भरे एक पैकेट में डाल दिया. इसी बीच उसने चेन को प्लास्टिक के पैकेट ने निकाल लिया और बाहर जाने लगा. बहु ने उसे पकड़ने की भी कोशिश की पर बाहर खड़ा उसका एक और साथी पहले से ही बाइक चालू कर खड़ा था जिसमे बैठकर दोनो फरार हो गए. पुष्पा ने बताया कि दोनो ने आस पास के घरों में भी घुसकर ठगी का प्रयास किया था.

बारिश शुरू होने से किसानों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

संवाददाता । घाटशिला

कई दिनों से किसान बारिश का इंतजार कर रहे थे. किसानों के लिए बुधवार का दिन काफी सुकून देने वाला रहा. आसमान में बादल नजर आने लगे और उसी के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई. बारिश होने से किसानों के चेहरे पर मुस्कान लौट आयी. आद्रा नक्षत्र किसानों के लिए यह काफी महत्वपूर्ण समय होता है. धान की रोपनी के लिए यह समय अहम माना जाता है. सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगातार हुई बारिश के कारण खेतों में जल जमाव देखने को मिला. बारिश के दौरान ही किसान खेतों में धान का बिचड़ा डालने निकल पड़े. बांधडीह गांव के किसान मुचीराम सिंह ने कहा कि पिछले एक माह से खेत को जोतकर तैयार कर रखा गया था, ताकि बारिश होते ही खेत में बिचड़ा डाल सकें. लेकिन बारिश नहीं होने के कारण खेतों में नमी नहीं थी. कम दिनों में तैयार होने वाले धान का बिचड़ा खेत में लगाया जा रहा है. काला चांद पाल ने कहा कि बिचड़ा लगाने लायक बारिश तो हुई है, लेकिन खेत में बिचड़ा ही नहीं लगा.

90 दिन वाले धान का बिचड़ा लगाएं : प्रह्लाद

प्रखंड कृषि पदाधिकारी प्रह्लाद पुष्टि ने कहा कि अभी बहुत देरी नहीं हुई है, लेकिन किसानों को सावधानी बरतनी पड़ेगी कि अब 120 दिन वाले धान नहीं 90 दिन वाले बेहतर धान का बिचड़ा लगायें, तो फसल बेहतर होगी. उन्होंने कहा कि देर से ही सही अब बारिश का माहौल बन रहा है. अच्छी बारिश होगी. पिछले साल भी जून में मिला जुलाकर यही हाल था. किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है.

विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाएं कार्यकर्ता : दिनेश कुमार

विजय संकल्प के तैयारी को लेकर भाजपा ने की बैठक

- पूरे राज्य में 14 जुलाई को विजय संकल्प सह सम्मान समारोह मनाएगी पार्टी

संवाददाता । आदित्यपुर

लोकसभा चुनाव में सिंहभूम संसदीय सीट में मिली हार के बाद अब भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट रही है. बुधवार को सरायकेला में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर आगामी 14 जुलाई को पूरे राज्य में विजय संकल्प सह सम्मान समारोह के आयोजन को लेकर भाजपाइयों ने बैठक की. इस सरायकेला विधानसभा स्तरीय तैयारी समिति की बैठक में भाजपा के सरायकेला विधानसभा के तमाम बड़े नेता मौजूद रहे. बैठक में शामिल बतौर मुख्य अतिथि बीजेपी प्रदेश कार्य समिति सदस्य दिनेश कुमार ने कार्यकर्ताओं की हौसला अफजाई करते हुए आगामी 14 जुलाई के कार्यक्रम को सफल बनाने और विधानसभा चुनाव में जोर- शोर से जुट जाने की अपील की. उन्होंने कहा कि झारखंड के इतिहास में आज तक सिटिंग मुख्यमंत्री ने चुनाव नहीं जीता है. कार्यक्रम का संचालन भाजपा के वरिष्ठ नेता ललन तिवारी ने की जबकि धन्यवाद ज्ञापन अशोक सिंह ने किया.

मौके पर भाजपा के पूर्व प्रत्याशी गणेश महाली ने कहा कि पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं की वजह से मुख्यमंत्री के विधानसभा में बीजेपी ने बढ़त ली यह अपने आप में बड़ी बात है. भले सिंहभूम सीट से बीजेपी चुनाव हार गई मगर सरायकेला विधानसभा के समर्पित कार्यकर्ताओं की वजह से इस विधानसभा में पार्टी ने मुख्यमंत्री को हरा दिया है. आगामी विधानसभा चुनाव में इसका परिणाम देखने को मिलेगा. उन्होंने इसके लिए सरायकेला विधानसभा के कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया.

बैठक में भाजपा नेता पूर्व विधायक अरविंद कुमार सिंह, शैलेन्द्र सिंह, सुनील श्रीवास्तव, गणेश महाली, रमेश हांसदा, अनंत राम टुडू, मीनाक्षी पटनायक, रीतिका मुखी, ललन तिवारी, राकेश मिश्रा, ललन शुक्ला आदि मौजूद रहे.

एनएच पर जमा पानी से वाहन चालक परेशान

संवाददाता । बहरागोड़ा

एन एच पर जमा पानी को पार करते वाहन

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के एनएच 18 पर फ्लाईओवर के निकट व ओम कृष्ण होटल के समीप हल्की बारिश हो जाने से पानी भर जाता है जिससे वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. खासकर छोटे वाहन चालक सड़क पर चलते वक्त आगे चलने वाले वाहन को सही से देख नहीं पाते हैं.

वही ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण करने वाली ठेका कंपनी द्वारा पानी निकासी की उचित व्यवस्था नहीं करने से हल्की बारिश में ही मुख्य सड़क पर ही पानी जम जाता है. जिससे सड़क पर चलने वाले आमजन को बरसात के मौसम में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. उधर वाहन चालकों का कहना है कि एनएएचआई टोल टैक्स की वसूलीकरती है तो बरसात के पूर्व पानी निकासी द्वार का सफाई करनी चाहिए थी. जिससे सड़क पर पानी जमा नहीं होता.

एक ही जमीन अलग-अलग लोगों को बेचने की शिकायत

आदित्यपुर । कोर्ट में मामला लंबित रहने के बावजूद अपर्णा चौधरी नामक महिला पर बदनीयती जमीन बेचने की संतोष कुमार राय ने सीओ ऑफिस में लिखित शिकायत की है. मामला एक ही जमीन को अलग-अलग व्यक्तियों के नाम से बिक्री करने से संबंधित है.

उन्होंने कहा है कि मौजा-आसंगी, वॉर्ड नंबर-4, खाता-08 (पुराना), प्लॉट नंबर-18, 19 (पुराना) की 12.67 तथा 5.75 डिसमिल जमीन उमाशंकर तिवारी को अपर्णा चौधरी ने जमीन बेच दी है. आदित्यपुर निवासी पारामाउंट कन्स्ट्रक्शन के प्रोपराइटर संतोष कुमार राय ने गम्हरिया के अंचलाधिकारी कार्यालय में लिखित शिकायत में म्यूटेशन एप्लिकेशन को खारिज करने का अनुरोध भी किया गया है.

झारखंड पीपुल्स पार्टी सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी : सूर्य सिंह बेसरा

- केंद्रीय कमिटी की चुनावी बैठक 14 को
- तीसरा विकल्प बनाने पर होगा मंथन

संवाददाता । जादूगोड़ा

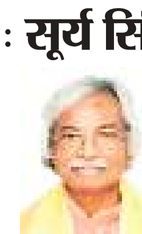

झारखंड पीपुल्स पार्टी की केंद्रीय कमिटी की चुनावी बैठक आगामी 14 जुलाई को जमशेदपुर परिसदन में दिन के 11 बजे रखी गई है. जिसमे पार्टी झारखंड में जयराम महतो , झामुमो के बागी विधायक लोबिन हेंब्रम समेत अन्य पार्टियों को एक मंच पर लाकर आगामी विधानसभा चुनाव लडने पर मंथन करेगी. झारखंड पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष सूर्य सिंह बेसरा ने यह जानकारी दी . उन्होंने कहा कि तीसरा विकल्प का प्रयास असफल रहा तो पार्टी अकेले 81 सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करेगी. इसी मुद्दे पर बैठक में रणनीति बनाई जाएगी. इस बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सचिव को आमंत्रित किया गया है. इस दौरान उम्मीदवारों के चयन को लेकर संसदीय बोर्ड का गठन, ग्राम सभा स्तर से लेकर जिला व केंद्रीय कमिटी का पुनर्गठन पर चर्चा की जायेगी. उन्होंने कहा कि भाजपा व झामुमो ने बीते 24 सालो से जनता को धोखा देने का काम किया है.

असुविधा साधारण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए ग्रामीण धालभूमगढ़ सीएचसी जाने को विवश

गुड़ाबांदा में स्वास्थ्य सेवा बदहाल, ग्रामीण करेंगे विधायकों का विरोध

- सिंहपुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कोई डॉक्टर नहीं
- पूरे प्रखंड में केवल छह एएनएम कार्यरत

संवाददाता । डुमरिया

वर्षों तक नक्सल प्रभावित रहने के कारण पिछड़े प्रखंडों में शामिल गुड़ाबांदा दो विधानसभा घाटशिला और बहरागोड़ा क्षेत्र अंतर्गत में आती है. चार पंचायत बहरागोड़ा विधानसभा और चार पंचायत घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में शामिल हैं. दोनों ही विधानसभा क्षेत्र में सत्तारूढ़ गठबंधन के विधायक रामदास सोरेन और समीर कुमार मोहंती मौजूद हैं. स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता भी इसी जिला से हैं. इसके बावजूद प्रखंड में स्वास्थ्य सेवाएं बेहाल हैं. प्रखंड के सिंहपुरा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में में कोई भी डॉक्टर पदस्थापित नहीं है. पूरे प्रखंड में केवल छह एएनएम कार्यरत हैं. साधारण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए ग्रामीण धालभूमगढ़ सीएचसी जाने को विवश हो जाते हैं.

बुधवार को इस क्षेत्र के ग्रामीणों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने विरोध जताया. ग्रामीणों के मुताबिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सह आयुष्मान आरोग्य मंदिर में इलाज के लिए आए मरीज डॉक्टरों के नहीं रहने के कारण इलाज से वंचित रह जाते हैं. ग्रामीणों का कहना है कि गुड़ाबांदा प्रखंड क्षेत्र दो - दो विधायकों का क्षेत्र होने के बावजूद भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिंहपुरा में एक भी डॉक्टर नहीं है. ग्रामीणों ने दोनों विधायक के प्रति विरोध जताया. उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले डॉक्टर की पदस्थापना नहीं किए जाने पर ग्रामीण दोनों विधायकों का विरोध करने पर विचार करेंगे. मौके पर सजित महतो, राजेन माईती, विजय महतो, हरिहर महतो, लालटु महतो, रुकुण महतो, बुलु महतो, रेणुका महतो, सरला महतो आदि उपस्थित थे. इस संबंध में दोनों विधायकों द्वारा फोन रिसीव नहीं किए जाने के कारण उनका पक्ष नहीं लिया जा सका.

न्यूज अपडेट

शादी समारोह में महिला स्वास्थ्य का दिया संदेश

जमशेदपुर । दिनों-दिन महंगे व भव्य होते विवाह समारोहों के दौरान सामाजिक संदेश देने की प्रथा विरले ही देखी जाती है. इस बीच सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया प्रखंड स्थित नेंगटासाई गांव में आयोजित सुनील महतो व श्वेता महतो के विवाह समारोह के दौरान पर्यावरण संरक्षण व महिला स्वास्थ्य का अनोखा संदेश देखने को मिला. जिसकी चर्चा विवाह समारोह में आए मेहमान भी करते दिखे. समारोह के दौरान नवविवाहित जोड़े को शुभकामनाएं देने पहुंचे पैडमैन के रूप में पहचान बना चुके निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार ने पीपल का पौधा और पर्यावरण अनुकूल सैनिटरी पैड उपहार के रूप में भेंट किया.

आबुआ आवास के लाभुकों ने बीडीओ से की शिकायत

घाटशिला । भादुआ पंचायत के पुनगोड़ा गांव में आबुआ आवास योजना का काम बंद कराए जाने की लिखित शिकायत बुधवार को लाभुकों ने बीडीओ युनिका शर्मा से की. शिकायत में कहा है कि संसाधन की कमी के कारण गांव के ही माताल मानकी नामक युवक ने आवास निर्माण का काम शुरू किया. लाभुक अंबिका कालिंदी, शालू कालिंदी एवं चांद मुनि कालिंदी ने योजना की पहली किस्त की राशि 30-30 हजार रुपए मताल मानकी को दी थी. निर्माण कार्य में काफी घटिया किस्म का ईंट एवं सीमेंट का उपयोग किया जा रहा था. हमलोग दूसरी किस्त की राशि से स्वयं काम करने लगे. यह देखकर मताल मानकी आकर काम बंद करवा दिया.

पाथरा में अष्टम पहर व्यापी हरिनाम संकीर्तन संपन्न

बहरागोड़ा । प्रखंड क्षेत्र के पाथरा गांव में अष्टम पहर हरि नाम संकीर्तन का शुभारंभ मंगलवार को ब्रह्ममुहूर्त से हरि नाम संकीर्तन शुरू हुआ था. आज बुधवार को पुजारी ने वैदिक रीति रिवाज के अनुसार सुबह से पूजा अर्चना की. जहां पूजा के लिए आसपास के लोगों की भीड़ उमड़ी. जिसमें लोगों ने क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना की. ग्रामीणों ने दधि महोत्सव के अवसर पर पूरे गांव का भ्रमण किया. दोपहर को महाप्रसाद का वितरण किया गया. संकीर्तन को सफल बनाने के लिए सत्यकिंकर जाना, सुशील पाईक, दिबाकर नायक, जयदेव दिगार, बासुदेव जाना, प्रशांत मंडल, चंडी चरण जाना, मिटू जाना, आदित्य भोल, सागर नायक, साधु नायक व गांव के लोग जुटे हुए थे .

जगन्नाथ मंदिर में हाई मास्ट लाइट का उद्घाटन

जमशेदपुर । खासमहाल स्थित जगन्नाथ मंदिर में हाई मास्ट लाइट लगाया गया है. इस हाई मास्ट लाइट का मंगलवार को जिला परिषद उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा और समाजसेवी दुर्योधन मोहंती ने पूजा अर्चना कर और बटन दबाकर उद्घाटन किया. हाई मास्ट लाइट को उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा और दुर्योधन मोहंती ने अपने खर्चे से लगवाया है. पुजारी अभिमन्यु पाणी गिरि ने पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना कराई. मौके पर एई प्रताप मोहंती, जेई शशि भूषण सिंह, श्याम सुंदर सोय, भाजपा नेता संतोष चौबे, रितेश घोषाल, एके सिन्हा, बीके शर्मा, दिलीप कुमार, महेश केडिया, राजा कमार, संदीप राय, देवेंद्र कुमार सिंह, एच महानता, मानो मिस्त्री व अन्य लोग उपस्थित थे.

वार्ड संख्या 13 में सप्लाई पानी की चोरी की शिकायत

आदित्यपुर । स्थानीय लोगों ने आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड संख्या 13 में आशियाना के समीप स्थानीय दबंग द्वारा पेयजल की आपूर्ति वाली पाइपलाइन से मोटर लगाकर पानी चोरी करने की शिकायत नगर निगम से की. स्थानीय लोगों ने इस संबंध में बताया कि जिंदल द्वारा सर्दी बस्ती वासियाना के समीप पाइपलाइन द्वारा पेयजल की आपूर्ति की जाती है. परंतु स्थानीय दबंग किस्म के व्यक्ति द्वारा पाइप लाइन में ड्रिल कर मोटर के सहारे पानी पंप कर टैंकर के माध्यम से क्षेत्र में बेचा जा रहा है. जिससे स्थानीय लोगों को पीने का पानी भी नहीं मिल पा रहा है. इसकी शिकायत स्थानीय लोगों ने आज पूर्व नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त से की.

एनआईटी में एनसीसी का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर

आदित्यपुर । आदित्यपुर स्थित एनआईटी, जमशेदपुर में 37, झारखंड बटालियन, एनसीसी, जमशेदपुर के तत्वावधान में अंतर ग्रुप गर्वनर बैनर सह संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-12 सोमवार से शुरू हुआ, जिसका समापन 10 जुलाई को होगा. शिविर में कुल 687 एनसीसी कैडेट्स भाग ले रहे हैं. शिविर का शुभारंभ कैंप कमांडेंट कर्नल विजय आहूजा ने किया.उन्होंने कैडेट्स के आवासन तथा अन्य सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए एनआईटी, जमशेदपुर के निदेशक प्रो गौतम सूत्रधार के प्रति आभार जताया. शिविर में गणतंत्र दिवस परेड के लिए भी कैडेट्स का चयन किया जायेगा.

सदस्यता वृद्धि के लिए घाटशिला लैंपस में बैठक

घाटशिला । घाटशिला लैंपस में बुधवार को सदस्यता वृद्धि अभियान को लेकर पंचायत प्रतिनिधियों एवं सदस्यों की बैठक आयोजित की गई है. बैठक में मुख्य रूप से जिला सहकारिता पदाधिकारी आशा टोप्पो, सहायक निबंधक विजय कुमार सिंह उपस्थित थे. सहायक निबंधक ने बताया कि लैंपस सिर्फ धान खरीद बिक्री का केंद्र नहीं बल्कि इसकी अनंत शाखाएं हैं. अधिक से अधिक सदस्य लैंपस से जुड़े और इसका लाभ लें. वर्तमान में सदस्यों की संख्या मात्र 610 है. जबकि घाटशिला लैंपस एक नोडल लैंपस के रूप में चिन्हित है इसके अंदर 7 से 8 पंचायत हैं. इस हिसाब से सदस्यों की संख्या काफी कम हैं. सदस्यता वृद्धि अभियान 25 जुलाई तक चलेगा. सदस्य बनने के लिए 10 रुपया सदस्यता शुल्क, एक शेयर 100 रुपया इस तरह एक सदस्य को 110 रुपये देकर सदस्य बनना है.

घर से मोबाइल चोरी कर भाग रहा एक युवक पकड़ाया

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर के वार्ड संख्या आठ टोकलो रोड में बुधवार को स्थानीय लोगों ने एक मोबाइल चोर को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया. हालांकि उसका एक साथी भागने में सफल रहा. बताया जाता है कि चक्रधरपुर के टोकलो रोड निवासी पवन प्रमाणिक व जयदेव प्रमाणिक अपने घर का दरवाजा खोलकर सोये हुये थे. इसी दौरान वार्ड संख्या आठ के ही कुली बस्ती में रहने वाले युवक रोहित चौधरी व उसका साथी दीपक मछुआ घर में घुसकर दो मोबाइल की चोरी कर ली. रोहित चौधरी मोबाइल लेकर भाग रहा था कि घर के एक सदस्य की नजर उस पर पड़ गई. हल्ला करने पर स्थानीय लोगों ने दौड़ाकर भाग रहे रोहित चौधरी को पकड़ लिया, जबकि उसका साथी दीपक मछुआ भागने में सफल रहा. स्थानीय लोगों ने मोबाइल चोर रोहित चौधरी को सड़क किनारे एक बिजली के खंभे से बांध दिया. इसकी सूचना चक्रधरपुर पुलिस को दी. सूचना मिलने पर चक्रधरपुर टोकलो रोड पहुंची और रोहित चौधरी को अपने साथ थाना ले गई. पुलिस ने चोरी की मोबाईल बरामद कर दीपक मछुआ की खोजबीन में जुट गई है.

चक्रधरपुर के टोकलो रोड में खंभे से बंधा मोबाइल चोर.

इनरव्हील क्लब की सदस्यों ने प्लास्टिक से होने वाले खतरों से लोगों को किया सचेत

दुकानदारों के बीच कपड़े के थैलों का किया निःशुल्क वितरण

संवाददाता । चाईबासा

इनर व्हील क्लब की चाईबासा शाखा ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस के अवसर पर जागरूकता अभियान चलाया. शहर के पोस्ट ऑफिस चौक के आसपास के दुकानदारों को जूट और कपड़े के थैलों का वितरण करते हुए क्लब की अध्यक्ष देवयानी दे ने बताया कि प्लास्टिक हमारे जीवन को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है.

यह सिर्फ मानव जाति नहीं, बल्कि संपूर्ण जीव जगत के लिए भी हानिकारक है. हमें इसके प्रयोग से बचना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा कपड़े या जूट के बैग का प्रयोग करना चाहिए. क्लब के सदस्यों ने स्थानीय दुकानदारों को प्लास्टिक के खतरों से सचेत किया और निःशुल्क बैग का वितरण किया. उन्होंने कहा कि 3 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस एक वैश्विक पहल है. इसका उद्देश्य प्लास्टिक बैग के उपयोग को खत्म करना है. प्लास्टिक बैग किराना की खरीदारी के लिए सुविधाजनक लग सकती है, लेकिन वे पर्यावरण पर बहुत बड़ा बोझ हैं. हमारे इतिहास के अधिकांश समय में, एकल-उपयोग वाले उत्पाद निंदनीय थे. लेकिन औद्योगिक क्रांति के अंत और आधुनिक युग में, प्लास्टिक एक सस्ता और प्रचुर संसाधन बन गया. प्लास्टिक बैग इसका एक आदर्श उदाहरण है.

चाईबासा के पोस्टऑफिस चौक पर दुकानदारों के बीच कपड़े और जूट के थैलों का वितरण करती इनरव्हील क्लब की सदस्य.

उन्होंने कहा कि जन्म से लेकर प्रतिबंध तक, प्लास्टिक बैग के इतिहास ने हमारी दुनिया को प्रभावित किया है. बांग्लादेश दुनिया का पहला ऐसा देश बन गया, जिसने 2002 में पतली प्लास्टिक की थैलियों पर प्रतिबंध लगाया था.

वहां विनाशकारी बाढ़ के दौरान जल निकासी प्रणालियों को अवरुद्ध करने में प्लास्टिक की थैलियों की अहम भूमिका थी. दक्षिण अफ्रीका, रवांडा, चीन, ऑस्ट्रेलिया और इटली जैसे अन्य देशों ने भी जल्द ही इसका अनुसरण किया.

इस अभियान में क्लब की सचिव ममता जिंदल, संपादक सीमा राठौर, खजांची खुशबू दोदराजका, सदस्य भावना राठौड़, प्रीति दोदराजका, सोनी पिरोजीवाला, प्रियंका राठौर आदि शामिल थीं.

जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन 17 जुलाई से

चाईबासा । पश्चिम सिंहभूम जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष सह पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर के आदेशानुसार एसआर रुंगटा ग्रुप द्वारा प्रायोजित 26वीं एसआर रुंगटा पश्चिम सिंहभूम जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप - 2024 का आयोजन होगा. इसका आयोजन 17 जुलाई से 19 जुलाई तक चाईबासा के बिरसा मुंडा इंडोर स्टेडियम में किया जा रहा है. इस चैंपियनशिप में अंडर -13 बालक/बालिका - एकल व युगल, अंडर -15 बालक/बालिका - एकल व युगल, अंडर - 17 बालक/बालिका, एकल व युगल, अंडर-19 बालक/बालिका, एकल व युगल एवं पुरुष-एकल व युगल, महिला-एकल व युगल मैचों का आयोजन किया गया है. प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के पास बीएआईआईडी का होना अनिवार्य है. प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी 12 जुलाई तक जिला बैडमिंटन एसो. के कार्यालय में नाम निर्धारित फॉर्म में दर्ज करा सकते हैं.

सभी मजदूर संगठनों ने पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के नेतृत्व में किया प्रदर्शन

प्रबंधन संग वार्ता विफल, आंदोलन तेज

मधु कोड़ा के नेतृत्व में सीजीएम कार्यालय का घेराव करते लोग.

घेराव व प्रदर्शन कार्यक्रम को संबोधित करते मधु कोड़ा.

घेराव स्थल पर उपस्थित सभी यूनियन के सदस्य और मजदूर.

- सेल प्रबंधन ने एक भी मांग मानने से किया इनकार
- आज से स्लो डाउन आंदोलन होगा शुरू : मधु कोड़ा

संवाददाता । किरीबुरू

सेल की गुवा खदान प्रबंधन के खिलाफ चार सूत्री मांगों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के नेतृत्व में गुआ के सभी मजदूर संगठनों (बीएमएस को छोड़कर) और आम जनता ने संयुक्त मोर्चा के बैनर तले बुधवार की शाम चार बजे सीजीएम कार्यालय सह जेनरल ऑफिस का घेराव व प्रदर्शन किया. शाम पांच बजे प्रबंधन ने मधु कोड़ा को वार्ता के लिए बुलाया. वार्ता एक घंटा चली, लेकिन इसमें कोई नतीजा नहीं निकला. वार्ता खत्म होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने कहा कि प्रबंधन ने हमारी चारों मांगों में से कोई भी मानने से इनकार कर दिया. जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होंगी तब तक गुआ खदान में 4 जुलाई से अनिश्चितकालीन स्लो डाउन आंदोलन शुरू होगा. इसके बाद चरणबद्ध आंदोलन को तेज कर इसे मंजिल तक पहुंचायेंगे. वार्ता में गुआ खदान के सीजीएम कमल भाष्कर, महाप्रबंधक सीबी कुमार, महाप्रबंधक एनके झा के अलावे पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, मजदूर नेता रामा पांडेय, निर्मलजीत सिंह, रमेश गोप, राजेश कोड़ा, पंचम जॉर्ज सोय, दिलबाग सिंह आदि शामिल थे. इससे पहले प्रदर्शन के दौरान मधु कोड़ा ने कहा कि हमारी मांगों में गुआ खदान में भेजे गये एस-3 ग्रेड के 18 सेलकर्मियों को तत्काल वापस भेजना, समान कार्य का समान वेतन देना, सेवानिवृत्त सेलकर्मियों के आश्रितों को नौकरी के अलावे गुवा खदान में रिक्त पदों पर खदान से प्रभावित गांवों और बेरोजगारों को रोजगार देना है. मांग नहीं पूरी होने पर आंदोलन तेज होगा.

सभी खदानों में मैनपावर की कमी : मधु कोड़ा

मधु कोड़ा ने कहा कि सभी खदानें मैनपावर की भारी कमी से जूझ रही है. सारंडा की खनिज व वन संपदा लूटी जा रही है. नदी, नाला, खेत प्रभावित व बंजर हो रहे हैं. ऐसी स्थिति में यहां के बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिलेगा तो बाहरी को भी यहां रहने नहीं दिया जायेगा. सेल में 60 वर्ष तक अपने परिवार व बच्चों के साथ अपनी सेवा देकर सेलकर्मी सेवानिवृत्त हो जाते हैं. उनके आश्रित को भी रोजगार नहीं मिलता. सेल प्रबंधन का जुल्म निरंतर बढ़ रहा है. नियुक्ति को खत्म करने के लिये एमडीओ लाने का प्रयास हुआ.

अनिश्चितकालीन चक्का जाम होगा : रामा पांडेय

मजदूर नेता रामा पांडेय ने कहा कि गुआ की भूमि आंदोलन व शहीदों की भूमि है. सेल प्रबंधन से उंगली टेढ़ा कर हम घी निकालना जानते हैं. यदि हमारी मांगें पूरी नहीं हुई तो 4 जुलाई से खदान में अनिश्चितकालीन चक्का जाम होगा. मजदूर नेता दिलबाग सिंह ने कहा कि गुआ के लोगों का हर आंदोलन सफल रहा है. आज से हमारी यह नयी लड़ाई प्रारम्भ हुई है जो बिना मुकाम तक पहुंचे खत्म नहीं होगी.

घेराव और प्रदर्शन कार्यक्रम में ये थे शामिल

पंचम जार्ज सोय, अंतर महाकुड़, निर्मलजीत सिंह, जिप सदस्य देवकी कुमारी, मनोज मुखर्जी, राजेश कोड़ा, नरेश दास, रमेश गोप, जय सिंह नायक, विश्वजीत तांती, मंगल सिंह पूर्ति, कुल बहादुर, मुखिया पद्मिनी लागुरी, मुखिया चांदमुनी लागुरी, पद्मा केसरी, पंसस भादो टोप्पो, पंचायत प्रतिनिधि आदि हजारों मौजूद हैं. आंदोलन को लेकर सीआईएसएफ और झारखंड पुलिस की काफी संख्या में तैनाती की गई है, ताकि किसी तरह का हंगामा न हो.

लक्ष्य निर्धारित कर शिक्षा ग्रहण करें बच्चे : डॉ अनिल

संवाददाता । चाईबासा

कुकड़ू स्थित शहीद निर्मल महतो उच्च विद्यालय में बुधवार को श्रीचरण महतो मेमोरियल उलगुलान फाउंडेशन, हेड़ेमुली के तत्वावधान में गुरुवंदन-शिष्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड अधिवद्य परिषद के अध्यक्ष डॉ. (प्रो) अनिल कुमार महतो, अति विशिष्ट अतिथि में डीडीसी प्रभात कुमार बारदियार, विशिष्ट अतिथि चांडिल की एसडीएम शुभ्रा रानी, सम्मानित अतिथि समाजसेवी कार्तिक महतो और विशेष आमंत्रित सदस्य जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो शामिल हुए. कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. इसके बाद कार्यक्रम में वर्ष 2024 में मैट्रिक व इंटर परीक्षा में विद्यालय स्तर में टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया. वहीं, बच्चों के माता-पिता को भी शॉल और साड़ी आदि देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता जैक के सदस्य सह श्रीचरण महतो मेमोरियल उलगुलान फाउंडेशन, हेड़ेमुली के सचिव डॉ.अरुण कुमार महतो ने किया.

कार्यक्रम में जैक अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार महतो ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं और बगीचे के फूल हैं. इन्हें संवारना हम सबों की जिम्मेवारी है. शिक्षा से ही समग्र समाज का विकास होता है. चांडिल की एसडीएम शुभ्रा रानी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह के कार्यक्रम करने से बच्चों का हौसला बढ़ता है. बच्चे अपने लक्ष्य को तय करके शिक्षा ग्रहण करें.

कार्यक्रम को जिप उपाध्यक्ष मधुश्री महतो, डीडीसी प्रभात कुमार बारदीयार, समाजसेवी कार्तिक महतो समेत कई वक्ताओं ने भी संबोधित किया. इस अवसर पर जिक्टा के मुख्य संरक्षक अरुण कुमार सिंह, डॉ. गुरुचरण महतो, निरंजन महतो, प्राचार्य उपेन चन्द्र महतो, बरुन कुमार महतो, डॉ. छूटूलाल गोप, सुनील कुमार महतो, आशुतोष प्रधान, डॉ.बरुण कुमार महतो आदि उपस्थित थे.

कार्यक्रम का शुभारंभ करते जैक के अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार महतो व अन्य.

ब्रीफ खबरें

सर्प के डंसने से युवक गंभीर, अस्पताल में भर्ती

किरीबुरू । किरीबुरु थाना अन्तर्गत बराईबुरु गांव निवासी संतोष दास, पिता बाबूराम दास को मंगलवार को विषैले सांप ने डंस लिया. घटना के बाद परिजनों ने बिना देर किये उसे सेल अस्पताल, किरीबुरु में भर्ती कराया. यहां चिकित्सकों द्वारा इलाज किया जा रहा है. वह खतरे से बाहर बताया जा रहा है. बताया जा रहा है कि संतोष सांप को पकड़ सुरक्षित स्थान पर हटाने की कोशिश कर रहा था तभी सांप ने उसे डंस लिया.

महिला से बात करने पर पति व अन्य ने दुकानदार को पीटा

किरीबुरू । प्रोस्पेक्टिंग के दुकानदार गौतम पान को एक विवाहित महिला मित्र के साथ बातचीत करना महंगा पड़ गया. महिला मित्र के पति व अन्य लोगों ने उक्त दुकानदार की बुधवार की दोपहर जमकर धुनाई कर दी. इस पिटाई से युवक का सिर फट गया. उसे गंभीर चोटें आयी हैं. घटना की खबर पाते ही किरीबुरु थाना प्रभारी मुनाजीर हसन घटनास्थल पर पहुंचे. उन्होंने दुकानदार को सेल अस्पताल किरीबुरु पहुंचाया. वहां उसका इलाज जारी है.

आज चाईबासा में तीन घंटे बाधित रहेगी विद्युत आपूर्ति

चाईबासा । विद्युत आपूर्ति अवर-प्रमंडल चाईबासा (शहरी) के फीडर में रिपेयरिंग को लेकर गुरुवार को विद्युत आपूर्ति ठप रहेगी. 3 घंटे तक विद्युत शहर में नहीं रहेगी. विद्युत शक्ति उप केंद्र - चाईबासा के 11 केवी बड़ी बाजार फीडर में शहीद पार्क चौक से पुलिस लाइन एवं 11 केवी एयर फीडर में ढिबरी मार्केट से दुम्बीसाय तक लाइन मरम्मत तथा रख रखाव (जम्पर , पेड़ की डाली छंटाई, ट्रांसफार्मर, एबी स्वीच, कनेक्टर इत्यादि) करने के कारण विद्युत आपूर्ति सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक बाधित रहेगी.

बोरिंग कर ठेकेदार ने नहीं लगाया चापाकल

चक्रधरपुर । पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से पंचायत स्तर पर 10 चापाकल लगाना है. इस काम में चक्रधरपुर प्रखंड की गुलकेड़ा पंचायत के गुईगांव, मतकमहातु एवं गुटूसाई टोला में अनियमितता बरती गई है. ठेकेदार ने आधा-अधूरा कार्य कर छोड़ दिया है. इससे स्थानीय ग्रामीणों में विभाग के प्रति नाराजगी व्याप्त है. ग्रामीणों ने बताया कि लगभग एक महीने पहले गुलकेड़ा पंचायत के कई गांवों में पानी के लिए बोरिंग की गई थी, लेकिन ठेकेदार ने कार्य को आधा-अधूरा छोड़ दिया है. इससे ग्रामीणों को पानी नहीं मिल रहा है. ग्रामीणों ने बताया कि बोरिंग करने के बाद चापाकल नहीं लगाया गया है. साथ ही चबूतरा का भी निर्माण नहीं कराया गया है. ठेकेदार द्वारा बरती गई लापरवाही को लेकर कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री सदस्य विजय सिंह सामड ने बुधवार को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यालय पहुंचकर बोरिंग किये गये स्थान पर चापाकल लगाने व चबूतरा का निर्माण कराने से संबंधित पत्र अधिकारियों को सौंपा है. मौके पर कांग्रेस के प्रखंड उपाध्यक्ष आर्यन हांसदा, महासचिव सुखलाल जारिका, चम्बरु मेलगांडी, पितवास महाली, पानसिंह हेम्ब्रम, प्रकाश पूर्ति समेत अन्य मौजूद थे.

किरीबुरु-मेघाहातुबुरु में भारी वर्षा और कोहरे से भरा मौसम

- यह मौसम देख शहर में आये नये लोग हैं परेशान

संवाददाता । किरीबुरू

सारंडा की सबसे ऊंची चोटी पर बसा किरीबुरु-मेघाहातुबुरु शहर में भारी वर्षा और कोहरे मौसम नजारा है. शहर का यह हाल देख यहां स्थानांतरित होकर आये नये पुलिसकर्मी, बैंककर्मी, केन्द्रीय विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकायें आदि विभागों के अधिकारी व कर्मचारी परेशान हैं. इनकी परेशानी की मुख्य वजह किरीबुरु में पिछले एक सप्ताह से निरंतर वर्षा एवं 24 घंटे घने कोहरे का प्रकोप रहना है. कुछ लोगों का कहना है कि ऐसा खराब मौसम कहीं भी नहीं देखा. शायद उन्हें अपने घरों के गीले कपडे. सुखाने के लिये बड़ाजामदा, गुआ आदि शहरों में जाना होगा. उल्लेखनीय है कि यह सिर्फ उनकी समस्या नहीं है, बल्कि यह समस्या सभी लोगों की है. यहां के स्थायी निवासी इस मौसम के आदी हो चुके हैं. वे घरों में आग, हीटर या रुम हीटर जलाकर कपड़ा सुखाते हैं. लेकिन जो नये आये हैं वे यहां 24 घंटे कोहरे से ढका मौसम व घरों में कैद जिंदगी को देख परेशान हो जाते हैं. किरीबुरु-मेघाहातुबुरु शहर में वर्षा का मौसम बाहरी लोगों को एक-दो दिन ही अच्छा लगता है. उसके बाद यहां से लोग भागने के लिये मजबूर हो जाते हैं.

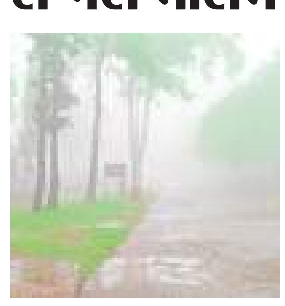

छात्राओं को अग्नि वीरांगना में बहाली की दी जानकारी

चाईबासा । महिला कॉलेज चाईबासा में 10 एयरमैन सेलेक्शन सेंटर पटना, बिहार की ओर से मोटिवेशनल स्पीच का आयोजन किया गया. इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों में एयरफोर्स में अग्निवीर में भर्ती प्रक्रिया की जानकारी प्रदान करना है. ये बातें रिक्रूटिंग ऑफिसर वीरेंद्र रेड्डी ने कही. उन्होंने बताया कि महिलाओं के लिए भी अग्नि वीरांगना शब्द का प्रयोग किया जाता है. इंटरमीडिएट के बाद भौतिक विज्ञान और गणित विषय वालों के साथ-साथ दूसरे संकाय के छात्र, जिनकी उम्र साढ़े 17 से 21 वर्ष के बीच है, वे आवेदन कर सकते हैं. इसके लिए सबसे पहले ऑनलाइन आवेदन करना है. इसकी तिथि 8 जुलाई से 28 जुलाई 2024 तक है. उन्होंने कहा कि ऑनलाइन परीक्षा ली जाएगी. तत्पश्चात शारीरिक परीक्षा ली जायेगी. फिर एप्टीट्यूड टेस्ट लिया जायेगा. मंच संचालन आईक्यूएसी समन्वयक डॉ अर्पित सुमन ने किया. स्वागत भाषण बीएड विभाग अध्यक्ष मोबारक करीम हाशमी ने किया. धन्यवाद ज्ञापन डॉ राजीव लोचन ने किया.

कार्यक्रम का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि.

न्यूज अपडेट

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा बाईहातु का बहुउद्देशीय भवन

किरीबुरू । छोटानागरा पंचायत के बाईहातु गांव में लगभग 10 वर्ष पूर्व से बन रहा बहुउद्देशीय भवन का निर्माण आज तक नहीं हो पाया. यह भवन भारी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है. ऐसी आशंका जताई जा रही है कि इस भवन का निर्माण करने वाला ठेकेदार व विभागीय अधिकारी मिलकर इस योजना का अधिकांश पैसा का बंदरबांट कर लिये हैं. यह भवन सिर्फ सरकारी भूमि को छेंकने का कार्य मात्र किया है. उक्त निर्माणाधीन भवन में झाड़ियां उग आई हैं. छोटानागरा पंचायत के ग्रामीणों ने बताया कि जब यह भवन बन रहा था. बाद ठेकेदार ने कार्य अधूरा छोड़ कर फरार हो गया. उक्त भवन अब यह खंडहर में तब्दील हो गया है.

दो महिला ने एसबीआई के समीप वृद्धा से 13 हजार छीने

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर शहर के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) चेकनाका पर पेंशन निकाल कर घर लौट रही एक वृद्ध महिला से पेंशन के 13 हजार रुपए छिनतई कर ली. इस छिनतई की घटना को दो महिलाओं ने बैंक के समीप ही अंजाम दिया. घटना बुधवार दोपहर लगभग 1.30 बजे की है. बताया जाता है कि खरसावां के लोसोदिकी जोजोकुडमा गांव निवासी 74 वर्षीय विष्णु महतानी अपने पुत्र जितेन्द्र महतो के साथ बुधवार को चक्रधरपुर स्थित भारतीय स्टेट बैंक पेंशन निकालने आई थी. बैंक से 13 हजार रुपए निकासी करने के बाद बैग में पैसा रखकर घर जाने के लिए बैंक से बाहर निकली. इसी दौरान दो महिला ने वृद्ध महिला का बैग छीन फरार हो गई.

वन महोत्सव पर महिला कॉलेज में चित्रांकन प्रतियोगिता

चाईबासा । वन महोत्सव 1 से 7 जुलाई तक मनाया जा रहा है. इस अवसर पर महिला कॉलेज चाईबासा में बीएड एनएसएस यूनिट की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है. वन महोत्सव के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं का विषय 'वनीकरण एवं पर्यावरण' संरक्षण रखा गया है. एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ अर्पित सुमन ने कहा कि सप्ताह भर छात्राओं को अपनी सृजनात्मकता को प्रकट करने का अवसर दिया जाएगा. छात्राएं पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग, भाषण और निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभा और पर्यावरण के प्रति अपनी चिंतन को प्रस्तुत कर पाएंगी.

अवैध कब्जा

अतिक्रमणकारियों ने तालाब के आस-पास की जमीन पर कब्जा कर बना लिया है मकान

नौ एकड़ में फैला ऐतिहासिक रानी तालाब सिमटा, जलकुंभियों से पटा

- तालाब के आसपास लोग फेंक रहे हैं कचरा

शंभू कुमार । चक्रधरपुर

चक्रधरपुर के राजबाड़ी रोड स्थित ऐतिहासिक रानी तालाब इन दिनों जलकुंभियों से भर गया है. जलकुंभियों के कारण रानी तालाब की स्थिति दयनीय हो गई है. अतिक्रमणकारियों द्वारा रानी तालाब के आसपास घर-मकान बना लिये जाने के कारण लगभग नौ एकड़ में फैला रानी तालाब सिमटता जा रहा है. वहीं रानी तालाब के आसपास कई लोगों द्वारा कचरा भी फेंके जाने के कारण कचरा का अंबार लग गया है. इससे रानी तालाब के पास से गुजरने वाले लोगों को बदबू का सामना करना पड़ता है.

रानी तालाब के जीर्णोद्धार को लेकर कई बार मांगें उठ चुकी हैं. साथ ही अधिकारियों द्वारा भी इसके जीर्णोद्धार को लेकर कई बार सर्वे किया जा चुका है. वर्ष 2020 में रानी तालाब के जीर्णोद्धार को लेकर मापी भी कराई गई थी. इसके बावजूद इस ओर ध्यान नहीं दिये जाने के कारण चक्रधरपुर की ऐतिहासिक धरोहर धीरे-धीरे विलुप्त होने के कागार पर आ गयी है.

चक्रधरपुर के राजबाड़ी रोड स्थित जलकुंभियों से पटा ऐतिहासिक रानी तालाब.

वर्षों से रानी तालाब की नहीं हुई सफाई

रानी तालाब में भरे जलकुंभियों व आसपास फेंके गये कचरों की वर्षों से साफ-सफाई नहीं की गई है. इसके कारण बरसात के मौसम में रानी तालाब का पानी सड़क पर आ जाता है. आसपास बने कई लोगों के घरों का गंदा पानी भी रानी तालाब में जाता है. इससे सड़क पर तालाब का गंदा पानी आने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है. इन दिनों बारिश का मौसम शुरू होने से एक बार फिर से स्थानीय लोग इसे लेकर चिंतित हैं.

मत्स्य पालन की कई बार बनी है योजना

चक्रधरपुर के राजबाड़ी रोड स्थित ऐतिहासिक तालाब में सौंदर्यीकरण के साथ-साथ मत्स्य पालन की भी कई बार योजना बनी है. आठ वर्ष पूर्व कौशल विकास मिशन के तहत मत्स्य किसान प्रशिक्षण केन्द्र की ओर से तालाब की साफ-सफाई कर मछली पालन की योजना बनी थी. युवाओं को प्रशिक्षण देकर मत्स्य पालन कराने की योजना थी, लेकिन यह योजना धरातल पर नहीं उतरी. इस योजना से स्थानीय बेरोजगार युवकों को लाभ होता

दुकानदारों का आरोप, बिना नोटिस के दुकानों व बोर्डों को तोड़ देती है नगर निगम की टीम

नगर निगम की मनमानी से दुकानदार परेशान

संवाददाता। हजारीबाग

शहर में नगर निगम की मनमानी से शहर के दुकानदार काफी डरे हुए हैं. बुधवार को नगर निगम की टीम शहर के विभिन्न स्थानों पर लगाए गए दुकानों के बोर्ड एवं सड़क पर खड़े वाहनों की जांच कर रही थी. इस दौरान डिस्ट्रिक्ट बोर्ड के पास दुकानदारों के बोर्डों को तोड़ा जा रहा था. एक पत्रकार सड़क के किनारे अपनी स्कूटी खड़ी कर खबर का संकलन करने लगा. नगर निगम के सहायक आयुक्त सड़क पर स्कूटी खड़ी देखकर आग बबूला हो गए और उन्होंने पत्रकार पर डंडा चला दिया.

पत्रकार ने खुद को पत्रकार कहा तब भी नगर सहायक आयुक्त नहीं माने और पत्रकार का कार्ड मांगने लगे, लेकिन उस वक्त पत्रकार के पास प्रेस कार्ड नहीं था, बहुत समझाने के बाद भी वह मानने को तैयार नहीं थे. इसी बीच एक वरिष्ठ पत्रकार की नजर पड़ी और वह जाकर नगर सहायक आयुक्त को समझाया. इसके बाद नगर आयुक्त माने और जाने को कहा.इस संबंध में सैकड़ों दुकानदारों ने बताया कि नगर निगम की मनमानी से हम दुकानदार परेशान हो गए हैं. न कभी नोटिस दिया जाता है और ना ही कभी कोई सूचना दी जाती जाती है. नगर निगम के कर्मचारियों के आदेश पर दुकानदारों ने बोर्ड लगाया था. दुकानदार मनोज कुमार, आशीष कुमार, नजीर अख्तर, मनोज कुमार ने बताया कि निगम के कुछ कर्मचारी हम दुकानदारों के बीच आते हैं और कुछ पैसे लेकर बोर्ड लगाने को कहते हैं. ऐसे में हम यह

नगर निगम की टीम ने बुधवार को शहर में दुकानों के बोर्डों हटाया.

नहीं समझ पाते हैं कि यह आदेश नगर सहायक आयुक्त का था, या फिर नगर निगम के कर्मचारियों का. दुकानदारों ने यह भी बताया कि सड़क के किनारे ठेला लगाकर हम अपना परिवार चलाते हैं. घर में एक गैस सिलेडर है जिस पर घर का चूल्हा जलता है, लेकिन नगर निगम ठेले पर कोयले का चूल्हा जलाने नहीं देता है. जो उसे कमीशन देता है उसका चूल्हा खूब जल रहा है. यह देखा भी जा सकता है कि जिस जगह से नगर निगम की टीम शहर में कार्रवाई के लिए निकलती है, उसी जगह दर्जनों चूल्हा जलते हैं, लेकिन उन लोगों पर नगर निगम कार्रवाई नहीं करता है. क्योंकि उक्त दुकानदार नगर निगम को पार्किंग के नाम पर महीने के 1500 रुपये से लेकर 2000 रुपये तक देते हैं.

दुकानदारों ने यह अभी बताया कि नगर निगम में जितने नए अधिकारी आते हैं, वे हम दुकानदारों को कुछ महीनों के लिए परेशान करते हैं, फिर बाद में शांत हो जाते हैं. अगर हम दुकानदार गलत तरीके से दुकान या फिर दुकान के बोर्ड लगाते हैं, तो हमें नोटिस देना चाहिए था, न कि सीधा तोड़फोड़ करनी चाहिए थी. हमने नगर निगम क्षेत्र में दुकान कमाने के लिए लगाई हैं, लेकिन इसकी मनमानी से हमारी दुकान चल नहीं पा रही हैं.

ग्राम सभा में सीसीएल कर्मी पर हमला, जिप पति का सिर फटा

संवाददाता। केरेडारी

अपर समाहर्ता हजारीबाग के निर्देशानुसार केरेडारी-टंडवा में प्रस्तावित सीसीएल चंद्रगुप्त ओसीपी परियोजना के अंतर्गत पड़ने वाले वन भूमि/गैरमजरूआ जंगल झाड़ भूमि के अनापत्ति प्रमाण पत्र को लेकर बुधवार को केरेडारी प्रखंड की पचड़ा पंचायत के सिझुवा रमनी टांड में आयोजित ग्राम सभा के दौरान विस्थापित होने वाले रैयतों के एक पक्ष ने सीसीएल कर्मी पर हमला कर दिया.

इस दौरान बचाव करने के लिए जिला परिषद प्रतिनिधि पति का सिर फट गया. घटनाक्रम के अनुसार, दो पक्ष में बंटकर रैयत एक कंपनी कीग्राम सभा शांति से संपन्न कराने में लगे थे, तो दूसरे पक्ष के सैकड़ो रैयत हाथ में तख्ती लिए सीसीएल चंद्रगुप्त परियोजना का पुरजोर विरोध कर रहे

चंद्रगुप्त कोल परियोजना में अनापत्ति प्रमाण पत्र को लेकर बुलाई गई थी ग्राम सभा

पचड़ा पंचायत के सिझुवा रमनी टांड में हुई ग्राम सभा के दौरान मौजूद लोग.

थे. इस दौरान सीसीएल कर्मी जहूर मियां द्वारा भीड़ का वीडियो बनाते देख सभा के सैकड़ो रैयत उस पर टूट पड़े. नोकझोंक के बाद लाठी-डंडे चलाने लगे. बचाव के लिए गए उतरे जिला परिषद के पति निरंजन साव का सिर भी रैयतो के डंडे से फट गया, जिससे वह खून से लथपथ हो गए. वहीं सिझुवा पचड़ा के रैयतों ने लगभग 3 बजे तक हाथ में तख्ती लिए सीसीएल परियोजना का विरोध करते दिखे. केरेडारी अंचल से पहुंचे सीआई मो. समीम ने अगले आदेश तक सभा को निरस्त कर दिया. इस संदर्भ में सीसीएल के जीएम अमरेश सिंह ने पूछे जाने पर बताया कि इस मामले को लेकर जनाकरी प्राप्त हुई है. सीसीएल कर्मी द्वारा केरेडारी थाने में आवेदन दिया जा रहा है. वहीं सुशी इंफ्रा प्रा.लि के जीएम ने बताया कि सभा को भंग करने के उद्देश्य से बाहरी गांव के ग्रामीणों सभा में उपस्थित होकर मारपीट की है. इसमें एक सीसीएलकर्मी को काफी चोट लगी है.

ब्रीफ खबरें

नाबालिग को भगाने के मामले में दो धराए

रामगढ़। रामगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत महतो टोला से एक नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर भगाने के मामले में पुलिस ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है. नई सराय के चूना भट्ठा के पास के रहने वाले मो. अल्ताब अंसारी उर्फ अल्ताफ अंसारी और इस्लाम उर्फ इस्लाम अंसारी को गिरफ्तार किया गया है. इस संबंध में रामगढ़ एसपी डॉ बिमल कुमार ने बताया कि नाबालिग लड़की के अपहरण के मामले में उसकी मां निराशो देवी ने प्राथमिक की दर्ज कराई थी. उसने आरोप लगाया था कि 26 जून को नई सराय के लड़कों ने उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर कहीं अन्यत्र ले गए हैं.

हिंदू संगठनों का 5000 पौधरोपण का संकल्प

हजारीबाग। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल की बैठक बुधवार को जिला संघ कार्यालय में हुई. इसमें मुख्य रूप से उपस्थित रहे विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह, संगठन मंत्री ने जिले भर के कार्यकर्ताओं को संगठन संबंधित कार्यक्रमों के बारे में संबोधित करते हुए जिलेभर के उपस्थित सभी प्रखंडों से आए कार्यकर्ताओं से अपने-अपने प्रखंडों में दो-दो सौ पौधरोपण करने का संकल्प लिया. संगठन के आगामी कार्यक्रमों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि सभी प्रखंडों में मासिक अभ्यास वर्ग अति अनिवार्य है. संगठन इस महीने जिले के समस्त 16 प्रखंडों में एक दिवसीय अभ्यास वर्ग लगाएगा.

कृषि योजनाओं का लाभ उठाएं किसान, बदल जाएगी जिंदगी : बादल

18.17 करोड़ की परिसंपत्ति बांटी, 18 को नियुक्ति पत्र

संवाददाता। रामगढ़

झारखंड सरकार किसानों की जिंदगी बदलने के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही हैं. किसान इसका भरपूर लाभ उठाएं. रामगढ़ में किसान मेला सह प्रदर्शनी एवं नियुक्ति चयन सह परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम में यह बात कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने कही. वह मंगलवार देर शाम रामगढ़ पहुंचे और कई घंटे किसानों के बीच बिताए. यहां उन्होंने 18.17 करोड़ की परिसंपत्ति का वितरण किया. साथ ही 18 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी दिया. इस दौरान उन्होंने टाउन हॉल परिसर में किसानों द्वारा लगाए गए मेले का भी आनंद उठाया.

उनके साथ रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी, बढ़कागांव विधायक अंबा प्रसाद, जिला परिषद अध्यक्ष सुधा चौधरी, निदेशक विकास कुमार, रामगढ़ डीसी चंदन कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे. मंत्री बादल पत्रलेख ने कहा कि रामगढ़ जिले में जिस प्रकार से गोट कोऑपरेटिव परियोजना का संचालन, किसानों को विभिन्न उपकरण आदि उपलब्ध कराने के तहत कार्य किए जा रहे हैं, वह सराहनीय है.

मौके पर उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित होने के लिए

किसान मेला सह प्रदर्शनी एवं नियुक्ति चयन सह परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम में मौजूद बादल पत्रलेख व अन्य.

डीएमएफटी से संचालित हो रही गोट बैंक परियोजना

डीसी चंदन कुमार ने सभी किसानों को जिला प्रशासन द्वारा डीएमएफटी के माध्यम से संचालित की जा रही गोट बैंक परियोजना की पूरी रूपरेखा की जानकारी दी. उन्होंने सभी से गोट बैंक परियोजना के साथ-साथ सरकार की अन्य योजनाओं से जुड़कर लाभान्वित होने की अपील की.

कुल 20 योजनाओं की परिसंपत्तियों का वितरण

बादल पत्रलेख द्वारा किसानों के विकास को लेकर कुल 20 योजनाओं में 18 करोड़ 17 लाख 42 हज़ार 285 रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया. वहीं उनके द्वारा जिला स्तर पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल रामगढ़ एवं कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण आत्मा रामगढ़ में विभिन्न पदों पर नियुक्त किए गए कुल 18 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया.

आवेदन देने की अपील की. मौके पर उन्होंने विगत वर्षों में राज्य सरकार द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियां के प्रति भी सभी को जानकारी दी. उन्होंने किसानों के लिए झारखंड फसल राहत योजना विभिन्न परियोजना की सभी को जानकारी दी.

रामगढ़ के 9621 किसानों का कर्ज हुआ माफ : उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान भी राज्य सरकार ने प्रत्येक राज्यवासी के कल्याण के लिए कार्य किया है. झारखंड फसल राहत योजना के तहत रामगढ़ जिले के 9621 किसानों को कर्ज माफी का लाभ मिला है. उन्होंने आने वाले समय में राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले विभिन्न विकास कार्यों को लेकर भी सभी को जानकारी दी. उनके द्वारा जिला प्रशासन रामगढ़ द्वारा विभिन्न स्तरों पर नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए किया जा रहे कार्यों की भी सराहना की गई. उन्होंने कहा कि आने वाले समय में राज्य सरकार का निर्णय है कि ग्राम स्तर पर लोगों को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए शिविर लगाया जाएगा.

395 छात्र-छात्राओं के बीच हुआ साइकिल का वितरण

रामगढ़। चितरपुर प्रखंड मुख्यालय परिसर में बुधवार को कल्याण विभाग की उन्नति का पहिया योजना के तहत आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों के बीच साइकिल का वितरण किया गया. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी व विशिष्ट अतिथि रामगढ़ जिप अध्यक्ष सुधा देवी, चितरपुर प्रमुख द्रौपती देवी, आजसू के केंद्रीय सचिव अमृतलाल मुंडा, 20 सूत्री अध्यक्ष जकाउल्लाह, चितरपुर सीओ दीपक मिंज, उप प्रमुख अरशद उल्लाह आदि मौजूद रहे. इस दौरान प्रखंड अंतर्गत 8 विद्यालयों के लगभग 395 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया गया. मौके पर रिसोर्स शिक्षक पावेल कुमार, बीईईओ बिनोद तिवारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी रविंद्र महतो इत्यादि उपस्थित थे.

रामगढ़ विधानसभा में नहीं रुकेंगे विकास कार्य: सुनीता

रामगढ़। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के चितरपुर प्रखंड के मारंगमरचा व चितरपुर दक्षिणी पंचायत में बुधवार को डीएमएफटी योजना से लगभग 50 लाख रुपये की लागत से हो रहे पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया. पीसीसी सड़क मारंगमरचा पंचायत में मंडई से लेकर लखैया पैयान तक व चितरपुर दक्षिणी पंचायत में भोला पान दुकान से स्व. हाजी कलीम के घर तक बनेगी, जिसका शिलान्यास मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी व विशिष्ट अतिथि आजसू के केंद्रीय सचिव अमृतलाल मुंडा द्वारा संयुक्त रूप से शिलापट्ट का अनावरण कर व नारियल फोड़कर कर किया गया. मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि रामगढ़ विधानसभा में विकास का कार्य किसी भी हाल में नही रुकेगा.

छावनी बोर्ड मीटिंग में 14 नक्शे पास

कैंटोनमेंट बोर्ड की मीटिंग में 18 एजेंडे को मिली मंजूरी

बुधवार को छावनी परिषद बोर्ड की बैठक आयोजित की गई.

संवाददाता। रामगढ़

लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद चार महीने के अंतराल पर बुधवार को छावनी परिषद बोर्ड की बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में ब्रिगेडियर संजय कांडपाल की अध्यक्षता में 18 एजेंडे पास किए गए. सबसे महत्वपूर्ण यह रहा कि 14 नक्शे पास हुए, चार मकानों के म्यूटेशन हुए और शहर में बनाए गए दामोदर बैडमिंटन हॉल को संवेदक को 5500 रुपए प्रति माह की दर से सौंपने का निर्णय लिया गया. इसके अलावा छावनी अस्पताल परिसर में डीएमएफटी फंड से एक्श-रे मशीन लगने की खुशी भी सार्वजनिक की गई.

बैठक में फरवरी से मई माह से अब तक आय-व्यय का ब्योरा, ऑन लाइन 14 मकान नक्शा, मकान म्यूटेशन के 4 आवेदन को पास किया गया. छावनी सार्वजनिक अस्पताल में एक्स-रे मशीन के टेंडर को भी मंजूरी दी गई. वर्ष 2021 से 24 के लिए सभी मकानों का एसेसमेंट कराने का निर्णय लिया गया. पुराने बस स्टैंड कैंपस से

खास बातें

- संवेदक को सौंपा जाएगा दामोदर बैडमिंटन हॉल
- सब्जी मंडी से अवैध दुकानों को हटाने का निर्देश

अवैध दुकानें हटाने और सब्जी विक्रेताओं को न्यू बस स्टैंड कैंपस के न्यू वेजिटेबल वेंडिंग जोन में शिफ्ट कराने के प्रस्ताव को पारित किया गया. इस कार्य के लिए रोजाना सुबह 6 से 11 बजे तक अवैध दुकानें हटाने और सब्जी दुकानें शिफ्ट करने की कार्रवाई की जाएगी ताकि, वेंडिंग जोन में सब्जी दुकानें लगाई जा सके. बोर्ड मीटिंग में छावनी सार्वजनिक अस्पताल में दवाइयों की खरीदारी के साथ बेडमिंटन हॉल के मेंटेनेंस के साथ उसे संचालित करने के लिए आवंटित करने का निर्णय लिया गया. विकास कार्य पीसीसी पथ, नाली, वॉल पेंटिंग आदि के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई. मीटिंग के दौरान बोर्ड सचिव सीईओ अनंत आकाश ने प्रस्तावों की जानकारी दी.

उपायुक्त ने किया सदर अंचल प्रखंड कार्यालय का निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त नैंसी सहाय.

संवाददाता। हजारीबाग

अंचल कार्यालय के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कार्यालय का भ्रमण कर भूमि हस्तांतरण, अवैध जमाबंदी, म्यूटेशन, आगत-निर्गत पंजी, नीलाम पत्रवाद, लगान निर्धारण के मामले, जिला से आए पत्रों के कंप्लायंस,कैशबुक, आवंटन पंजी एवं भूमि से संबंधित अन्य मामलों की जांच की. जांच के क्रम में कैश बुक, सीएल पंजी, जन शिकायत आदि महत्वपूर्ण पंजियों के अद्यतन न होने पर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी जताई एवं इसपर नाजिर एवं प्रधान लिपिक पर शो कॉज करते हुए अन्य को कार्यप्रणाली व्यवस्था में सुधार लाने की सख्त चेतावनी दी. प्रखंड कार्यालय में आकस्मिक अवकाश पंजी, आगत निर्गत पंजी, सूचना अधिकार पंजी, अंकेक्षण पंजी, वाहन लॉग बुक, जनशिकायत पंजी, पेंशन पंजी, सर्विस बुक,सैरात पंजी एवं बंदोबस्त पंजी की अद्यतन स्थिति आदि की जांच उपायुक्त द्वारा की गई.

डीएवी बरकाकाना में वन महोत्सव का आयोजन

रामगढ़। डीएवी पब्लिक स्कूल बरकाकाना में पांच दिनों तक चलने वाले वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत नर्सरी से द्वादश तक के छात्रों और शिक्षकों ने हरित परिधान धारण किया. बच्चों ने मानव श्रृंखला बनाकर 'डीएवी' और 'वन महोत्सव' लिखा. इस कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिका श्वेता यादव ने किया. वर्ग दशम की सगुण ने वन महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डाला. वर्ग सप्तम की हरसिमरत कौर और वर्ग चतुर्थ की श्रेया ने प्लास्टिक का परित्याग करते हुए कपड़े का झोला बनाकर प्राचार्य को भेंट किया. बच्चों ने 'आओ मिलकर हम वृक्ष लगाए, धरती मां का करें उपकार' गीत पर मनमोहक प्रस्तुति दी. क्षेत्र के प्रसिद्ध पर्यावरणविद् उपेंद्र पांडे ने प्लास्टिक के प्रयोग से होने वाली हानियों और उनसे बचने के उपायों पर चर्चा की. प्राचार्य मोहम्मद मुस्तफा माजिद ने बच्चों को पर्यावरण सुरक्षा और प्लास्टिक परित्याग की शपथ दिलाई.

वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही में रेलवे को 8114 करोड़ की कमाई

संवाददाता। रामगढ़

भारतीय रेल ने चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के प्रथम तिमाही में ही 8114 करोड़ की कमाई कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है. अप्रैल से जून 2024 तक माल ढुलाई से 6789.98 करोड़ तथा यात्री यातायात से 1171.10 करोड़ सहित अन्य सभी स्रोतों से कुल 8114.33 करोड़ रुपये की प्रारंभिक आय रेलवे को प्राप्त हुई है. पिछले वर्ष के जून माह तक प्राप्त प्रारंभिक आय 7516.57 करोड़ रुपये के तुलना में 7.95 प्रतिशत अधिक है. मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि चालू वित्त वर्ष के प्रथम तिमाही में पूर्व मध्य रेल द्वारा लगभग 6.07 करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया. जो पिछले वर्ष के इसी अवधि के दौरान पूर्व मध्य रेल से यात्रा किए गए 5.48 करोड़ यात्री की तुलना में 10.75

खास बातें

- माल ढुलाई से 6789 .98 करोड़ रुपये की कमाई
- समर स्पेशल ट्रेन व यात्रियों के जुर्माने से भी मोटी कमाई

प्रतिशत अधिक है. यात्री यातायात से प्रथम तिमाही में 1171.10 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई. यह आय पिछले वर्ष के इसी अवधि में प्राप्त आय 1013.49 करोड़ की तुलना में 15.55 प्रतिशत अधिक है. अप्रैल से जून माह तक कुल 216 समर स्पेशल ट्रेन द्वारा 1625 फेरे लगाए गए. जिनसे 181.59 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ. प्रथम तिमाही में कुल 10.47 लाख बिना टिकट या बिना उचित प्राधिकार के साथ यात्रा करने वाले यात्री पकड़े गए. जिनसे जुर्माने के रूप में कुल 68.55 करोड़ रुपये की राजस्व की प्राप्ति हुई .

मुआवजा लेकर मकान नहीं खाली करने वालों पर चलाया बुलडोजर

चौपारण। प्रखंड में सिक्स लेन का निर्माण कार्य का प्रगति पर है, लेकिन जीटी रोड के पिपरा में एन एच 19 के कई रैयत निर्धारित मुआवजे की राशि को लेने के बाद भी मकान खाली नहीं कर रहे थे, जिससे सिक्स लेन के चौड़ीकरण के निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही थी. इस पर सीओ सजंय यादव ने संज्ञान लेते हुए बुधवार को अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर चलाकर कई अतिक्रमित मकानों को ध्वस्त किया गया. इस संबंध में सीओ ने बताया कि रैयतों को मकान खाली करने को लेकर नोटिस भी भेजा गया, लेकिन वे मकान खाली नहीं कर रहे थे. बुधवार को पिपरा में 7 से 8 मकानों पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया गया.

कार्यक्रम सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह

दसवीं और बारहवीं के टॉपर हुए सम्मानित

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड के नवभारत जागृति केंद्र की ओर से संचालित सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल के दसवीं और बारहवीं बोर्ड के टॉपर विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न, मेडल एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया. प्राचार्या रीना पांडेय ने कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों को भी सम्मानित किया. उन्होंने कहा कि हमारे विद्यालय के टॉपरो ने ये सिद्ध कर दिया कि उनके अंदर प्रतिभा की कमी नहीं है. विद्यालय परिवार छात्र-छात्राओं के बेहतर परिणाम पर खुशी जाहिर कर रहा है. कार्यक्रम में दसवीं के टॉपर सक्षम राज सिंह, विवेक कुमार सिंह,

स्मृति चिह्न, मेडल एवं प्रमाणपत्र के साथ विद्यार्थी.

कल्पना कुमारी, आदर्श प्रसाद, सृष्टि वर्मा, तनिष्क सिन्हा, समीर कुमार एवं मीनू पासवान उपस्थित थे. वहीं बारहवी के टॉपर आनंद प्रशांत, गौरी कुमारी, अलिशा राज, संजना कुमारी एवं नितेश कुमार गुप्ता उपस्थित थे. इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने अपने विचार प्रकट करते हुए अन्य छात्रों को बेहतर पढ़ाई करने की सलाह दी. प्राचार्य रीना पांडेय ने कहा कि कड़ी मेहनत, लगन, सही दिशा निर्देश से ही बच्चों को सफलता मिली है. प्राचार्य ने अभिभावकों एवं छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं दी. अभिभावकों ने कहा, अनुशासन एवं शिक्षा के मामले में यह विद्यालय हजारीबाग जिले में नंबर वन है. कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक अमित पांडेय, भोला सिन्हा, आशीष पांडेय, राजीव रंजन, पवन कुमार, राकेश रंजन, अमृता मेशी, जया वर्मा सहित अन्य शिक्षक एवं शिक्षिका मौजूद रहे.

खास बातें

- स्मृति चिह्न, मेडल, प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया
- प्राचार्या ने अभिभावकों को भी सम्मानित किया

महज तीन दिनों में ही बदल गया सत्ता हस्तांतरण का समीकरण, सोनिया-हेमंत की बातचीत के बाद

ऐसे लिखी गई सत्ता हस्तांतरण की पटकथा

- एक जुलाई से ही सीएम प्रोजेक्ट भवन जाना बंद किया, दो दिनों के कई घोषित कार्यक्रम टले
- सीएम चंपाई और हेमंत की मुलाकात में ही सत्ता हस्तांतरण पर बनी गयी थी सहमति, शिबू सोरेन और पार्टी के कारण भारी मन से चंपाई हुए तैयार

कौशल आनंद । रांची

झारखंड में सत्ता हस्तांरित होगा. इसकी पटकथा एक जुलाई को ही लिखी जा चुकी थी. एक जुलाई को जब कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और हेमंत सोरेन की टेलिफोनिक बातचीत हुई थी, उस बातचीत में ही कमान हेमंत को अपने हाथ में लेकर विधानसभा चुनाव में जाने की सहमति बनी. इसके बाद अचानक उसी दिन सारे विधायकों को तीन जुलाई को विधायक दल की बैठक बुलाने का मैसेज दे दिया गया.

30 जून तक खुद चंपाई को भी नहीं थी जानकारी : 30 जून को भोगनाडीह में हूल दिवस और परिसपंत्ति वितरण का कार्यक्रम तय था. इसमें मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन सहित पूर्व सीएम हेमंत और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी शामिल हुए. खुद अपने हाथों से हेमंत सोरेन ने लाभुकों को सरकारी मंच से परिसंपत्ति वितरण किया. 30 जून तक सारा मामला ठीक था. इस दिन तक इतनी जल्दी सत्ता हस्तांतरण जैसी कोई बात नहीं थी. मगर एक जुलाई के बाद अचानक से सत्ता के समीकरण बदलने शुरू हो गए. एक जुलाई को चंपाई सोरेन प्रोजेक्ट भवन नहीं गए. वे जमशेदपुर में रहे और एक निजी कॉलेज का उदघाटन किया. उसी दिन रांची में सत्ता हस्तांतरण की पटकथा लिखी जा रही थी. चंपाई

चंपाई को मनाने के लिए हेमंत को करनी पड़ी मशक्कत : मिली जानकारी के अनुसार आसानी से कुर्सी छोड़ने के लिए सीएम चंपाई तैयार नहीं हुए. इसके लिए हेमंत सोरेन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी है. मगर पार्टी के एक दिग्गज, वरिष्ठ नेता होने के कारण अंततः गुरुजी और और पार्टी संगठन का सम्मान करते हुए सीएम की कुर्सी छोड़ने को तैयार हो गए. चंपाई सोरेन दो जुलाई को सीएम के साथ आधे घंटे के मुलाकात के दौरान ही इस बात को लेकर सहमति बन चुकी थी. 3 जुलाई को हुई बैठक केवल गठबंधन दलों के विधायकों को विश्वास में लेने और उनकी सहमति लेने के लिए बुलाई गयी थी.

हेमंत के नेतृत्व में ही इंडी गठबंधन विधानसभा चुनाव में जाने का मन बनाया : सत्ता हस्तांतरण की पटकथा केवल रांची से नहीं लिखी गयी. इसमें दिल्ली दरबार यानि कि कांग्रेस आलाकमान की भी दखल थी. रांची सहित दिल्ली से भी सत्ता हस्तांतरण को लेकर रणनीति बन रही थी. सोनिया गांधी और हेमंत सोरेन की बातचीत इसी कड़ी का हिस्सा था. कांग्रेस नेतृत्व ने लोकसभा चुनाव परिणाम का आकलन किया था, जिसमें चुनाव प्रचार अभियान में हेमंत के नहीं रहने का भी बड़ा कारण बताया गया. इसलिए झारखंड में फिर से हेमंत सोरेन को कमान अपने हाथ में लेते हुए उनके नेतृत्व में ही चुनाव में जाने को लेकर कांग्रेस भी सहमति प्रदान की. इसके बाद तेजी से महज दो दिनों में झारखंड के सत्ता समीकरण बदलने शुरू हो गए. सीएम के घोषित कई अहम कार्यक्रम टाल दिए गए.

हेमंत को कमान अपने हाथ में लेने के बड़े कारण

- सीएम रहते हुए वे न केवल योजनाओं को लांच कर सकते हैं बल्कि पूरे राज्य का दौरा भी कर सकते हैं.
- दौरे के लिए सरकारी खर्च पर वे हेलिकॉप्टर इस्तेमाल कर सकते हैं.
- लोकसभा चुनाव में हेमंत की कमी महसूस हुई, जिसे कांग्रेस ने भी स्वीकार किया
- 2019 के चुनाव में हेमंत सोरेन अपने दम पर न केवल झामुमो को 30 सीट दिलाए बल्कि गठबंधन को पूर्ण बहुमत दिला कर अपनी बदौलत मुख्यमंत्री बने
- कांग्रेस हेमंत के चेहरे को कैसे कराकर विधानसभा चुनाव की नैया पार कर सकती है. जैसे 2019 में कांग्रेस को 16 सीट जीती.
- अधिकांश योजनाएं जो राज्य में संचालित हैं, वह हेमंत सोरेन द्वारा ही लायी गयी है. जिसका प्रचार-प्रसार वे आसानी से कर सकते हैं.

2019 के बाद तीसरी बार बदलेगा कैबिनेट का स्वरूप

रांची ब्यूरो । रांची

2019 के विधानसभा चुनाव के बाद तीसरी बार कैबिनेट का स्वरूप बदलेगा. 2019 में हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री बनने पर झामुमो कोटे से चंपाई सोरेन, जोबा मांझी, जगरनाथ महतो, हाजी हुसैन अंसारी और मिथिलेश ठाकुर को मंत्री बनाया गया था. लेकिन कोरोना काल में हाजी हुसैन अंसारी के निधन के बाद उनके पुत्र हफीजुल हसन और लंग्स ट्रांसप्लांट के बाद निधन होने पर जगरनाथ महतो की जगह उनकी पत्नी बेबी देवी को मंत्री बनाया गया था. वहीं कांग्रेस कोटे से रामेश्वर उरांव, आलमगीर आलम, बन्ना गुप्ता और बादल पत्रलेख मंत्री बने. राजद कोटे से सत्यानंद भोक्ता मंत्री बने.

हेमंत की गिरफ्तारी के बाद चंपाई बने सीएम : 31 जनवरी 2024 को लैंड स्कैम मामले में गिरफ्तार होने पर हेमंत सोरेन को इस्तीफा देना पड़ा. उनकी जगह चंपाई सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनी. तब झामुमो ने जोबा मांझी की जगह दीपक बिरुआ और हेमंत सोरेन की जगह बसंत सोरेन को मंत्री बना दिया. वर्तमान में चंपाई कैबिनेट में झामुमो कोटे से बसंत सोरेन, मिथिलेश ठाकुर, हफीजुल हसन, दीपक बिरुआ और बेबी देवी मंत्री हैं.

अब तीसरी बार बदलेगा कैबिनेट का स्वरूप : हेमंत सोरेन के दोबारा सीएम बनने के बाद तीसरी कैबिनेट का स्वरूप बदलेगा. अब सवाल है कि किसका किसका पत्ता कटने वाला है. किसको किसको मंत्री बनाया जा सकता है. वर्तमान में चंपाई कैबिनेट में सीएम समेत कुल 10 मंत्री हैं. इनमें झामुमो कोटे से सीएम के अलावा पांच मंत्री हैं. जबकि कांग्रेस कोटे से तीन और राजद कोटा से एक मंत्री हैं. विधानसभा सदस्यों की संख्या के लिहाज से झारखंड में सीएम के अलावा कैबिनेट में 11 मंत्रियों की जगह होती है. कांग्रेस विधायक आलमगीर आलम के इस्तीफे के बाद कांग्रेस कोटे से एक विधायक को मंत्री बनाया जाना है. जानकारी के अनुसार हेमंत के नये मंत्रिमंडल में नये चेहरो को भी मैका मिल सकता है.

हेमंत के बाहर आते ही सत्ता परिवर्तन की शुरू हो गई थी सुगबुगाहट

पांच महीने के कार्यकाल में चंपाई सरकार ने खेले कई मास्टर स्ट्रोक

रांची । हेमंत सोरेन के जमानत मिलते ही प्रदेश में सत्ता परिवर्तन की सुगबुगाहट शुरू हो गई थी. इसके बाद सीएम चंपाई सोरेन ने भी अपने तय कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया था. दो जुलाई को उपराजधानी दुमका के पुलिस लाइन मैदान में सीएम को कई योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करना था. फूलो झानो आशीर्वाद योजना के तहत 25 हजार से ज्यादा महिलाओं के बीच 24 करोड़ रु. का ऋण बांटने थे. लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण होना था. इस कार्यक्रम के लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली गई थी. लेकिन उनकी अनुपस्थिति में मंत्री बसंत सोरेन के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन हुआ. इसके बाद तीन जुलाई को होने वाले नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को भी स्थगित कर दिया गया. बहरहाल चंपाई सोरेन से अपने कार्यकाल में कई मास्टर स्ट्रोक भी खेले.

चंपाई सोरेन के मास्टर स्ट्रोक

- **जातीय जनगणनाः** सीएम चंपाई सोरेन ने बिहार की तरह झारखंड में भी जातीय सर्वेक्षण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी. विधानसभा चुनाव से पहले इस तरह के फैसले को मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है. हालांकि हेमंत सोरेन ने भी जेल जाने से पूर्व इस इस पर अपनी सहमति दे दी थी. लेकिन कैबिनेट की बैठक में इस पर अंतिम फैसला नहीं लिया जा सका था.
- **200 यूनिट तक बिजली माफः** झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कुछ दिन पूर्व बिजली बिल माफी को लेकर बड़ा फैसला लिया. उन्होंने हर माह 200 यूनिट बिजली मुफ्त करने की घोषणा कर दी. कुछ दिन पहले कैबिनेट से इसका प्रस्ताव पारित कर दिया गया. अगस्त माह के बिजली बिल में इसका प्रभाव देखने को मिलेगा. सरकार के इस निर्णय से 41,44,634 उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलेगा.
- **मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना लागूः** मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने आयुष्मान भारत योजना से वंचित लाभुकों के लिए मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना की शुरुआत की. इससे तकरबीन 33 लाख लोग लाभान्वित होंगे. हालांकि इसका लाभ उन्हीं लोगों को मिलेगा जो राशनकार्डधारी हैं. स्वास्थ्य सचिव ने इस संबंध में संकल्प पत्र जारी कर दिया है.
- **मुख्यमंत्री बहन बेटी मई-कुई प्रोत्साहन योजनाः** सीएम चंपाई सोरेन ने मुख्यमंत्री बहन बेटी मई-कुई प्रोत्साहन योजना की शुरुआत की. इसके तहत 21 से 50 वर्ष की महिलाओं के बैंक खाते में एक हजार रुपये की सहायता राशि हस्तांतरित की जाएगी. इसे भी कैबिनेट से हरी झंडी मिल चुकी है.
- **मुख्यमंत्री अस्पताल संचालन योजनाः** सीएम चंपाई सोरेन ने हाल ही में मुख्यमंत्री अस्पताल संचालन योजना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. इसके तहत सदर अस्पताल को 75 लाख रुपये, अनुमंडल अस्पताल को 50 लाख, रेफरल अस्पताल को 10 लाख, प्राथमिक उपचार केंद्र को 5 लाख और स्वास्थ्य केंद्र को 2 लाख रुपये सालाना दिए जाएंगें.
- **अबुआ आवास योजनाः** सीएम चंपाई सोरेन ने कुछ माह पहले अबुआ आवास योजना की शुरुआत की. इसके तहत साढ़े 4 लाख लाभुकों को तीन कमरे का आवास दिया जाएगा. इनमें से कई लोगों को दूसरी किस्त की राशि दी जा चुकी है. हालांकि इस स्कीम की मंजूरी हेमंत सोरेन ने अपने कार्यकाल में दी थी.

हेमंत सोरेन का सियासी सफर

प्रवीण कुमार । रांची

हेमंत सोरेन 38 साल की उम्र में पहली बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने. हेमंत सोरेन ने 2003 में छात्र राजनीति में कदम रखा था. अपने राजनीतिक सफर के दौरान उन्हें दुमका और बरहेट विधानसभा में असाधारण कार्य करने को लेकर 2019 में चैंपियंस ऑफ चेंज अवार्ड से सम्मानित भी किया गया. यह अवार्ड 20 जनवरी 2020 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने दी थी. झारखंड की राजनीति का एक अमिट लकीर के रूप में विरासत में मिली राजनीति को सही साबित किया. झारखंड आंदोलन के अग्रणी शिबू सोरेन की दूसरी संतान के रूप में हेमंत का जन्म 10 अगस्त 1975 को हुआ था. अपने बड़े भाई दुर्गा सोरेन की मृत्यु के बाद अपनी उच्च शिक्षा बीच में ही छोड़ छात्र जीवन से राजनीति में उतर आए थे. 2019 विधानसभा में झामुमो की बड़ी जीत हासिल करने के बाद महागठबंधन के साथ मिलकर राज्य की सत्ता संभाली. कोरोना काल में अपने कार्यों से पूरे देश को प्रभावित किया. प्रवासी मजदूरों को लेकर किए गये कामों से उनकी एक अलग पहचान पूरे देश में बनी जो शायद देश के अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री की नहीं बन सकी. बहुमत की सरकार रहने के बाद भी 2022 में कांग्रेस के तीन विधायकों इरफान अंसारी, नमन विक्सल कोनगाड़ी और राजेश कच्छप के पास पैसा मिलना से सरकार डगमगाने लगी, जिसे हेमंत सोरेन ने अपनी सूझबूझ के साथ संभाला. इसके 2023 में जमीन घोटाले में उनका नाम आने के बाद 31 जनवरी 2024 को ईडी द्वारा उन्हें गिरफ्तार किया गया.

तीसरी बार हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री पद की शपथ ले रहे हैं

- हेमंत पहली बार विधानसभा चुनाव 2005 में दुमका विधानसभा से लड़े, लेकिन उन्हें स्टीफन मरांडी चुनाव हार गाये.
- 24 जून 2009 से 4 जनवरी 2010 तक राज्यसभा के सदस्य रहे
- 23 दिसंबर 2009 को दुमका विधानसभा से विधायक बने
- 2010 में भाजपा-झामुमो गठबंधन सरकार में वे उपमुख्यमंत्री रहे-
- 13 जुलाई 2013 को कांग्रेस के समर्थन से राज्य के नौंवे मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार शपथ ली कांग्रेस के समर्थन से
- 2014 को विधानसभा चुनाव झामुमो ने हेमंत के नेतृत्व में लड़ा, राज्य की दूसरी बड़ी पार्टी बनी झामुमो
- 23 दिसंबर 2014 को को चुनाव में हार के कारण पद से हटे-
- 2014 में हेमंत सोरेन नेता प्रतिपक्ष बनाए गए
- 23 दिसंबर 2019 को दूसरी बार मुख्यमंत्री बने
- 31 जनवरी 2024 में जमीन घोटला में आरोपों के कारण आपने पद से इस्तीफा देना पड़ा

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष दिन ख़ुशनुमा होगा और पराक्रम में वृद्धि होगी. कार्य की सिद्धि होगी. दिल के बदले दिमाग का प्रयोग करें. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में कोई नया विचार क्रियान्वित हो सकता है.

वृषभ डूबा हुआ धन मिलने से मन खुश होगा. कुटुम्ब का सहयोग होगा. आंख में कोई परेशानी होगी. गलतफहमी से विवाद हो सकता है. भावनाओं पर अंकुश आवश्यक है. हितशत्रुओं से सावधान रहें. कारोबार ठीक चलेगा.

मिथुन समय अनुकूल है. आय में वृद्धि होगी. कोई बड़ा कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश शुभ फल देगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें. कार्य होगा, बस भरपूर प्रयास करें.

कर्क धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होगा. खर्च में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. आय में वृद्धि होगी. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा. व्यस्तता रहेगी.

सिंह आय में वृद्धि होगी, जिससे पराक्रम बढ़ेगा. सट्टे, जुए व लॉटरी से दूर रहें. रोजगार में वृद्धि होगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भाग्य का सहारा रहेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. चोट व रोग से बचें.

कन्या माता का आशीर्वाद लेकर कार्य करें. व्यक्ति के उकसावे में नहीं आएं. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. आय बनी रहेगी.

तुला ससुराल से शुभ समाचार मिलेगा. धर्म कर्म में मन लगेगा. शिक्षा में सुधार होगा. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पुरानी लेनदारी वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. जल्दबाजी न करें.

वृश्चिक मौसमी बीमारियों से बचें. शारीरिक पीड़ा हो सकती है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. शत्रुओं का पराभव होगा. आर्थिक नीति में बदलाव हो सकता है. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. तत्काल लाभ नहीं मिलेगा.

धनु दांपत्य जीवन सुखद रहेगा. अनहोनी की आशंका रह सकती है. कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी मामलों की बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पूजा-पाठ आदि पर व्यय होगा.

मकर मौसमी बीमारियों से बचें. यदि बहुत जरूरी नहीं हो तो ऋृण नहीं लें. जुबान पर नियंत्रण रखें. पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है. वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें. कारोबार ठीक चलेगा.

कुंभ समय अनुकूल है. शिक्षा में कोई बदलाव हो सकता है. दांपत्य जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा. कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी. आय में वृद्धि होगी. नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा.

मीन माता के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें. आपके कार्य और प्रभाव से सुख में वृद्धि होगी. विवेक का प्रयोग करें. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. लंबी यात्रा की योजना बन सकती है. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं.

यातायात नियमों का पालन करें आज से चलेगा अभियानः एसपी

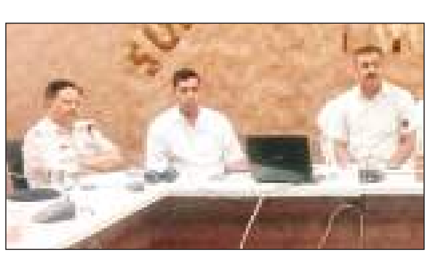

लातेहार । एक बार फिर जिले में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जायेगा. विगत कुछ महीने से जिले में सड़क दुर्घटनाओं मे बेहतहाश वृद्धि हुई है. इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाने का निर्णय लिया है. एसपी अंजनी अंजन ने इस आशय की जानकारी पुलिस मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दी. उन्होंने बताया कि जिले में सड़क दुर्घटना के मामलों में कमी लाने के उद्देश्य से एक बार फिर सघन वाहन चेकिंग अभियान शुरू किया जा रहा है. गुरुवार से जिले के सभी थाना क्षेत्र में पुलिस की टीम और परिवहन विभाग के द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया जाएगा. इसे लेकर एसपी ने बुधवार को जिले के पुलिस अधिकारियों और परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ मीटिंग भी की है. बैठक के बाद एसपी ने बताया कि पुलिस के द्वारा गत जनवरी माह में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया था. उस दौरान जिले में काफी हद तक सड़क दुर्घटना के मामले में कमी आ गई थी. परंतु चेकिंग अभियान में कमी आने के बाद दुर्घटना के मामलों में अचानक बढ़ोतरी होने लगी. इसीलिए लोगों के जीवन रक्षा और दुर्घटना से बचने के उद्देश्य से पुलिस के द्वारा चार जुलाई से पूरे जिले में वाहन चेकिंग अभियान आरंभ किया जायेगा. उन्होंने लोगों से सड़क सुरक्षा व यातायात के नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की. कहा कि दुपहिया वाहन चालक बिना हेलमेट के वाहन नहीं चलाया. इसके अलावा ट्रिपल लोडिंग नहीं करें. चार पहिया वाहन चालक सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य रूप से करें.

झारखंड में वाहन चोर गिरोह सक्रिय

हर दिन हो रही है आठ वाहनों की चोरी

सौरभ सिंह । रांची

झारखंड में वाहन चोर गिरोह सक्रिय है. वाहन चोरी की घटनाएं कम होने के बजाये लगातार बढ़ ही रही हैं. राज्य के सभी जिलों में वाहन चुरानेवाला गिरोह सक्रिय है और हर दिन दिन औसतन आठ वाहनों पर हाथ साफ कर रहा है. बीते 30 दिनों की बात करें तो राज्य के अलग-अलग जिलों से 233 वाहनों की चोरी हुई है. इनमें बाइक, स्कूटी के अलावा कार, पिकअप वैन, ट्रक और हाइवा तक शामिल हैं. लेकिन पुलिस अब तक वाहन चोर गिरोह के सरगना का पता नहीं लगा पायी है. नतीजतन शहर से प्रतिदिन वाहनों की चोरी हो रही है.

वाहन चोर गिरोह के सदस्य पहले वाहन चालकों की रेकी करते हैं, फिर वाहन चुरा कर शहर के आसपास के ग्रामीण इलाकों या दूसरे जिले के ग्रामीण इलाकों में खपा दिया करते हैं. या तो ग्रामीण क्षेत्र में रहनेवाले भोलेभाले ग्रामीणों के हाथ फर्जी कागजात बना कर बेच दिया करते हैं या वैसे वाहन कटिंग गैराजवालों के बेच दिया करते हैं, जहां से वाहनों की कटिंग कर पार्ट-पुर्जे अगल-अगल कर ऑटो पार्टस की दुकानों की मार्फत बेच दिया जता है.

बीते 30 दिनों में 233 वाहनों की हुई चोरी

बोकारो	:	66	गढ़वा	:	14	चतरा	:	11
साहिबगंज	:	20	रामगढ़	:	02	सरायकेला	:	18
खूंटी	:	04	सिमडेगा	:	02	कोडरमा	:	05
पलामू	:	05	लातेहार	:	02	रांची	:	01
गोड्डा	:	03	हजारीबाग	:	33	देवघर	:	04
चाईबासा	:	03	दुमका	:	33	कुल	:	235
गुमला	:	04	जामताड़ा	:	05	——————-		

सार्वजनिक स्थानों से सबसे ज्यादा चोरी

बता दें कि वाहन चोर गिरोह के सदस्य सार्वजनिक स्थानों को अपना निशाना बनाते हैं. सार्वजनिक स्थानों जैसे अस्पताल, बैंक, नर्सिंग होम, बाजार, मॉल आदि जगहों से सबसे अधिक बाइक की चोरी होती है. उक्त संस्थान जिन क्षेत्रों में स्थित हैं, वहां पर संबंधित थाना के पुलिसकर्मियों की तैनाती की गयी है. साथ ही पीसीआर और बाइक दस्ता को भी इन स्थानों पर गश्त लगाने को कहा गया है. संबंधित थाना के गश्ती दल को सुबह 10 बजे से दो बजे के बीच वहां तैनात रहने की हिदायत दी गयी है. लेकिन गश्ती दल या पीसीआर थोड़े समय के लिए वहां तैनात रहते हैं, फिर वहां से हट जाते हैं.. ऐसे में बाइक चोर हाथ साफ कर वहां से निकल जाते हैं.

पुलिस को भी है जानकारी

जानकारी के अनुसार, पूरे राज्य में बाइक चोरों का संगठित गिरोह सक्रिय है. लेकिन कई बार गिरोह के सदस्यों की बजाये नये युवक भी बाइक चोरी कर उसे कम कीमत पर बेच देते हैं, ताकि उनका अपना खर्च निकल सके या फिर नशा करने के लिए उनके पास पैसे आ जाये. चोरी करने के बाद गिरोह के सदस्य नंबर प्लेट बदल कर वाहन के जाली कागजात खुद घरों में बनाकर बेच देते हैं. पुलिस को भी ऐसे संगठित वाहन चोर गिरोह के बारे में जानकारी है. इसके बावजूद अब तक वो कुछ कर नहीं पायी है.

20 अगस्त को होगा अंतिम प्रकाशन : उपायुक्त

खूंटी । जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने समाहरणालय सभागार में बुधवार को मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 को लेकर सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. बैठक के बारे में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने बताया कि एक जुलाई को 2024 को अहर्त्ता तिथि मानते हुए राज्य में मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का निर्धारण किया गया है. पुनरीक्षण कार्यक्रम में दो चरणों में प्री-रिविजन एक्टिविटी और रिविजन एक्टिविटी होगी. प्री-रिविजन एक्टिविटी कें लिए 24 जुलाई तक की अवधि निर्धारित है. 25 जुलाई को एकीकृत मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन किया जायेगा. दावों और आपत्तियों का निपटान 19 अगस्त जाएगा. 20 अगस्त .2024 को एकीकृत मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा.

अंडर 17 बालिका वर्ग में चंदवा ने खिताब जीता

लातेहार । जिला स्टेडियम में खेले जा रहे सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता के अंडर-17 बालिका वर्ग के खिताब में चंदवा ने बालूमाथ को 4-0 से हरा कर खिताब पर कब्जा जमाया. टूर्नामेंट के दूसरे दिन खेले गये पहले मैच में महुआडांड़ ने बरवाडीह को 3-0 से हराया. दूसरे मैच में महुआडांड़ ने गारू को 1-0 से हराया. तीसरे मैच में चंदवा ने बारियातू को 3-0 गोल से हराया. पांचवें मैच में मनिका ने हेरहंज को 1-0 से हराया. पहले सेमीफाइनल मैच में बालुमाथ ने महुआडांड़ को हराया कर फाइनल में प्रवेश किया. जबकि दूसरे सेमी फाइनल में चंदवा ने मनिका को हरा कर फाइनल में प्रवेश किया. चंदवा ने एकतरफा मैच में बालूमाथ को 4-0 से हरा दिया. इसके पूर्व सर्व शिक्षा अभियान के अतिरिक्त कार्यक्रम पदाधिकारी अनूप माइकल केरकेट्टा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं फुटबॉल कीक कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया.

लाचार मां ने बेटे के इलाज के लिए लगाई गुहार

गारू (लातेहार) । गारू प्रखंड के मायापुर पंचायत की मसोमात चिंता देवी ने अपने आठ वर्षीय पुत्र का इलाज कराने की गुहार प्रशासन व आम नागरिकों से की है. शुभम संदेश संवाददाता को अपनी व्यथा सुनाते हुए चिंता देवी ने कहा कि उसका बेटा कुसुम का फल तोड़ने के लिए पेड़ में चढ़ा था और फल तोड़ने के क्रम में गिर गया. पेड़ से गिरने के बाद उसके मुंह में काफी चोटें आयी हैं और कई दांत टूट गये. वह कुछ भी खाने व बोलने में असमर्थ हैं और काफी पीड़ा से गुजर रहा है. यह घटना चार दिन पहले की है. हालांकि उसका प्राथमिक उपचार किया गया है, लेकिन जख्म बढ़ते ही जा रहा है. उसने जिला और प्रखंड तथा स्थानीय समाजसेवियों से पहल कर उसका इलाज कराने की गुहार लगाया है.

अच्छी खबर

पिछले साल 50.32 लाख रुपये में हुई थी नाशपाती बागान की नीलामी

नेतरहाट की नाशपाती से सरकार को प्रति वर्ष होती है लाखों की आमदनी

- इस साल अभी तक नहीं हो पायी है नीलामी
- पांच हजार से अधिक पौधे हैं नेतरहाट के बगान में

आशीष टैगोर । लातेहार

जिले की पहाड़ी नगरी नेतरहाट अपनी नैसर्गिक खुबसूरती के लिए जानी जाती है. उच्चें- नींचे पर्वतों की श्रृखंलाओं के बीच डूबता और उगता सुर्ख लाल सूरज लोगों को अपना मुरीद बनाता है. नेतरहाट की आबोहवा सालों भर खुशगवार रहती है. बताया जाता है कि नेतरहाट की जलवायु नाशापती के फलों के काफी उपयुक्त है. नेतरहाट की नाशपाती बागान से सरकार को प्रति वर्ष लाखों रूपये की आमदनी होती है. पिछले साल नाशपाती बगान की नीलामी 50 लाख 32 हजार रुपये में की गयी थी. यहां डक्कन समेंत नाशपाती के कई बागान हैं. नाशपाती बागान में भी सैलानी घूमने जाते हैं और पेड़ों से ताजे नाशपाती तोड़ कर सुखद अनुभव करते हैं.

पांच हजार से अधिक नासपाती के पौधे हैं

कृषि विभाग के द्वारा वर्ष 1982-83 में प्रयोग के तौर पर यहां नाशपाती के पौधे लगाये गये थे और यह प्रयोग काफी सफल रहा था. इसके बाद वर्ष 1999 में नाशपाती की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए वृहत रूप में 450 एकड़ भूमि पर नाशपाती के पौधे लगाये गये. वर्ष 2004-05 में इस बगान का विस्तारीकरण किया गया. एक अनुमान के अनुसार यहां पांच हजार से अधिक नासपाती के पेड़ हैं. विस्तारीकरण के बाद नेतरहाट राज्य का सबसे बड़ा नाशपाती उत्पादक क्षेत्र बन गया. प्रति वर्ष जुलाइ व अगस्त महीने में प्रति दिन कई सौ क्विंटल नाशपाती के फल पेड़ों से टुटते हैं. यहां की नाशपाती की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय स्तर की है. यही कारण है कि इसकी मांग पड़ोसी राज्य बंगाल और बिहार के अलावा महाराष्ट्र एवं दिल्ली में भी खूब है.

रांची से होती है नाशपाती बागान की नीलामी

प्रति वर्ष रांची स्थित संयुक्त कृषि निदेशक कार्यालय से नाशपाती बागान की नीलामी की जाती है. जिला कृषि पदाधिकारी अमृतेश कुमार सिंह ने बताया कि अभी तक नाशपाती बागान की नीलामी इस वर्ष नहीं हो पायी है. यह प्रक्रिया में है. कुछ ही दिनों में नीलामी की जायेगी. यहां यह बता दें कि पिछले वर्ष 50 .32 लाख रुपये में नाशपाती बागान की नीलामी हुई थी. जबकि साल 2022 में नाशपाती बागान की नीलामी 50 लाख में की गयी थी. वर्ष 2020-21 में 44 .20 लाख रूपये में नीलामी हुई थी. 2019-20 में कोरोना संक्रमण के कारण नाशपाती बागान की नीलामी नहीं हो पायी थी. वर्ष 2018-19 में नाशपाती बागान की नीलामी 46 लाख रुपये में हुई थी. वर्ष 2014-15 में 5 .65, वर्ष 2015-16 में 14 .85 और वर्ष 2017-18 में नासपाती बागान की नीलामी 27 .60 लाख रुपये में हुई थी.

हादसों की जिम्मेदारी किसकी

हादसों से सबक नहीं सीखने का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में सैकड़ों लोगों की मौत हो गयी. ये हादसे प्राकृतिक नहीं हैं. इन्हें रोका जा सकता था. समय रहते अतीत में हुए हादसों से सीख हासिल कर रणनीति बनायी जाती तो डेढ़ सौ से ज्यादा लोगों की जान बचायी जा सकती थी. अब भी सबक हासिल करने की जरूरत है, ताकि भविष्य में लोगों को बेमौत नहीं मरने दिया जाए. उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक सत्संग के समापन के बाद मची भगदड़ में 120 से अधिक लोगों के मरने की घटना ने पूरे देश को विचलित कर दिया. हाथरस के पास एक खेत में कथित हरि बाबा का एक दिवसीय सत्संग चल रहा था. जब बाबा का काफिला जाने लगा तो सेवादारों ने करीब पचास हजार से अधिक श्रद्धालुओं को रोक दिया. गर्मी व उमस वाली भरी दोपहर में सत्संग सुनने के बाद श्रद्धालु घर जाने को बेताब थे. फिर भगदड़ मच गई और जो गिरा, वह उठ न सका. लोगों की चीख-पुकार को सुनने के लिए वहां पुलिस-प्रशासन की कोई व्यवस्था नहीं थी. नजदीकी जिला एटा के अस्पतालों के बाहर लगे लाशों के अंबार हृदयविदारक थे. चारों तरफ करुण क्रंदन और अपनों को तलाशने की बेबसी थी. मरने वालों में अधिकतर महिलाएं थीं, वहीं कुछ पुरुष व बच्चे भी शामिल हैं. हादसा बड़े आयोजन में सुरक्षा उपायों की अनदेखी पर सवाल उठाता है. सवाल यह भी है कि 17 साल पहले पुलिस की नौकरी छोड़कर कथावाचक बने बाबा में ऐसा क्या सम्मोहन था कि वहां मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश व हरियाणा तक से हजारों श्रद्धालु जुटे थे. अब जांच, मुआवजे तथा कार्रवाई की बात कही जा रही है. सवाल उठता है कि इतना बड़ा आयोजन बिना पुख्ता इंतजाम के किसकी अनुमति से किया जा रहा था? क्या सुरक्षा मानकों का पालन किया गया? क्या इतने बड़े आयोजन की सुरक्षा का जिम्मा पुलिस-प्रशासन का नहीं होता? जाहिर है मौतों के बढ़ते आंकड़ों के साथ ही घटना पर लीपापोती की कोशिश भी की जाती रहेगी. निस्संदेह, ऐसे बाबाओं की दुकान बिना राजनेताओं के वरदहस्त के चलनी संभव नहीं है. हाल के दिनों में भीड़भाड़ वाले धार्मिक आयोजनों में भगदड़ में लोगों के मरने के मामले लगातार बढ़े हैं. सवाल उठना स्वाभाविक है कि भीड़ के बीच होने वाले हादसों को कैसे रोका जाए. दो साल पहले माता वैष्णो देवी परिसर में हुई भगदड़ में बारह श्रद्धालुओं की मौत हुई थी. अप्रैल 23 में बनारस की भगदड़ में 24 लोग मरे थे. इंदौर में पिछले साल रामनवमी के दिन बावड़ी की छत गिरने से पैंतीस लोग मर गये थे. इसी तरह 2016 में केरल के कोल्लम के एक मंदिर में आग लगने से 108 लोगों की मौत हुई और दो सौ से अधिक घायल हुए थे. पंजाब के अमृतसर में दशहरे के मौके पर रावण दहन देख रहे साठ लोगों के ट्रेन से कुचलकर मरने की घटना को नहीं भूले हैं. इसे रोकने को नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने भी कुछ गाइड लाइन्स जारी की थी, जिसमें राज्य सरकार, स्थानीय अधिकारियों, प्रशासन व आयोजकों को दिशा-निर्देश दिए गए थे. इनका पालन शायद ही होता है.

> सवाल यह भी है कि 17 साल पहले पुलिस की नौकरी छोड़कर कथावाचक बने बाबा में ऐसा क्या सम्मोहन था कि वहां मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश व हरियाणा तक से हजारों श्रद्धालु जुटे थे.

सुभाषित

अतितृष्णा न कर्तव्या तृष्णां नैव परित्यजेत्।
शनैः शनैश्च भोक्तव्यं स्वयं वित्तमुपार्जितम्॥

बहुत अधिक इच्छाएं करना सही नहीं है और इच्छाओं का त्याग कर देना भी सही नहीं है. अपने उपार्जित (कमाए हुए) धन के अनुरूप ही इच्छा करनी चाहिए. वह भी एक बार में नहीं, बल्कि धीरे-धीरे. तभी इच्छा सार्थक हो पायेगी. अन्यथा इच्छा अधूरी ही रह जायेगी.

लोकतंत्र के लिए यह चुप्पी टूटनी चाहिए

संविधान कहता है कि देश में संसद ही एकमात्र संवैधानिक संरचना है, जिसे कानून बनाने का अधिकार है. वही संविधान, उतने ही स्पष्ट शब्दों में यह भी कहता है कि संसद द्वारा बनाए हर कानून की वैधता जांचने का अधिकार जिस एकमात्र संवैधानिक संरचना को है, वह है न्यायपालिका. न संसद को अधिकार है कि वह न्यायपालिका का अधिकार छीने, न न्यायपालिका को अधिकार है कि वह संसद के अधिकार पर बंदिश लगाए.

• देश-काल

कुमार प्रशांत

जिसे जनता ने बहुमत नहीं दिया, उसने अपनी सरकार बना ली, जिसे देश ने स्वीकार नहीं किया, वह देश को अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति दिलाने के बहाने इटली घूम आया, ताकि दुनिया को बता सके कि मैं वहीं हूं, जहां था. रात-दिन वही पिछला माहौल बनाने में सारी सरकारी मशीनरी झोंकी जा रही है, जो अब कहीं बचा नहीं है. देश ने जिस 'गोदी मीडिया' को गोद से उतार दिया है, वह अपने लिए 'फेयर एंड लवली' खोजता, नई जोड़- तोड़ में लग गया है. कितना शर्मनाक है यह देखना कि कल तक यानी तीन जून की रात तक हर संभव हथियार से स्वतंत्र मीडिया की हत्या करने में जो जुटे थे, प्रधानमंत्री की खैरख्वाही में लोटपोट हुए जा रहे थे, वे ही मीडिया-व्यापारी चार जून की शाम से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लोकतंत्र की नींव बताते हुए पता नहीं किसे, क्यों संबोधित कर रहे हैं. अवसरवादिता आप गिरगिट से सीखेंगे कि गिरगिट आपसे, यह समझना कठिन है. जिन्हें याद हो, उन्हें याद होगा कि ऐसा ही लिजलिजा माहौल 1977 के आम चुनाव के बाद भी बना था. कायर व स्वार्थी लोग तब भी बहादुरी का तमगा धारण कर सबसे पहले सड़क पर उतरे थे. जिन्हें लोगों ने इस तरह खारिज कर दिया था जिस तरह देश के लोकतांत्रिक इतिहास में कभी, किसी को खारिज नहीं किया था, फिर भी लगातार यह तिकड़म की जा रही थी कि इस अस्वीकृति को कैसे स्वीकृति का जामा पहनाया जाए. जो तब कांग्रेस ने और इंदिरा गांधी ने किया था, वही सब आज भारतीय जनता पार्टी व नरेंद्र मोदी कर रहे हैं. तब इमर्जेंसी घोषित की गई थी; आज अघोषित इमर्जेंसी से देश जूझ रहा है. इतिहास बताता है कि जो कायर थे, वे कायर ही रहेंगे.

ऐसे माहौल में आज देश में कोई जयप्रकाश नहीं हैं. वह नैतिक अंकुश नहीं है जो पक्ष-विपक्ष दोनों को उनकी मर्यादा बताए भी और उसे लागू करने के हालात पैदा भी करे. 1977 में इंदिरा गांधी को हटा कर जयप्रकाश ने जिस सरकार को दिल्ली सौंपी थी, उस सरकार को पहले दिन ही यह भी बता दिया था कि सिर्फ एक साल का समय है आपके पास : 'इस एक साल में मैं कुछ बोलूंगा नहीं, आप अपना काम करिए, लेकिन आप मेरी गहरी निगरानी में हैं, यह कभी भूलिएगा नहीं. एक साल बाद मैं आपका मूल्यांकन भी करूंगा और आगे का रास्ता भी बताऊंगा.' जिन्हें पता था वे समझ रहे थे कि यही वह भूमिका थी, जिसकी जमीन बनाने में, 30 जनवरी 1948 को गोली खाने से पहले तक गांधी लगे थे. इतिहास इस तरह भी खुद को दोहराता है. हिंदुत्ववादियों ने गांधी को वह करने का मौका नहीं दिया; जयप्रकाश किसी हद तक वह काम कर पाए. 1977 की पराजय के बाद जयप्रकाश बिना बुलाये इंदिरा गांधी के घर पहुंचे थे और उन्हें प्यार से समझाया था कि हार-जीत लोकतंत्र के खेल का हिस्सा है. लेकिन लोगों की सच्ची सेवा कर तुम अपना पुराना मुकाम फिर से हासिल कर सकती हो. वैसा ही हुआ. दूसरी तरफ जनता पार्टी के एक साल के कामकाज का, एक शब्द में जयप्रकाश का मूल्यांकन था : निराशाजनक! उन्होंने जनता पार्टी के तब के अध्यक्ष चंद्रशेखर व तब के प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई को एक खुला पत्र लिखा, जिसका लब्बोलुआब यह था कि देश में उभरा आशा का ज्वार, आप सबके करतबों से निराशा के भाटे में बदलने लगा है. उन्होंने मोरारजी देसाई को यह भी लिखा था कि उन्हें प्रधानमंत्री की कुर्सी खाली कर देनी चाहिए, ताकि कोई दूसरा उपयुक्त व्यक्ति सामने लाया जा सके. जयप्रकाश इससे आगे बात नहीं ले जा सके. मौत की लक्ष्मण-रेखा कौन पार कर सका है!

1977 का अनुभव बताता है और आज 2024 का माहौल भी यही बता रहा है कि जो भी सरकार, जैसे भी बनी है, उस पर पहले दिन से ही नजर रखने तथा उसके बेजा इरादों पर अंकुश लगाने की जरूरत है. यह अंकुश सदन के भीतर भी लगे तथा सदन के बाहर भी, तभी इस अंधी गली को पार करना संभव है. संविधान कहता है कि देश में संसद ही एकमात्र संवैधानिक संरचना है, जिसे कानून बनाने का अधिकार है. वही संविधान, उतने ही स्पष्ट शब्दों में यह भी कहता है कि संसद द्वारा बनाए हर कानून की वैधता जांचने का अधिकार जिस एकमात्र संवैधानिक संरचना को है, वह है न्यायपालिका. न संसद को अधिकार है कि वह न्यायपालिका का अधिकार छीने, न न्यायपालिका को अधिकार है कि वह संसद के अधिकार पर बंदिश लगाए. फिर न्यायालय कैसे चुप रह सकता है कि यूएपीए जैसा कानून उसने कैसे संवैधानिक मान लिया है? कितने ही आला लोग इस कानून के तहत सालों से जेलों में बंद हैं. उन्हें दोषमुक्त करना तो दूर, उन्हें अदालतें जमानत देने से भी इंकार कर रही हैं.

यूसुफ पठान क्रिकेट के बहुत आला खिलाड़ी नहीं रहे हैं. अब तो उनका वह खेल भी समाप्त हो चुका है. पता नहीं, ममता बनर्जी ने क्यों यूसुफ पठान को राजनीति में उतारा और यूसुफ पठान ने क्यों राजनीति में उतरना कबूल किया! राजनीति का यह खेल न तो बहुत सम्मानजनक है, न बहुत अहम. लेकिन बहुत सारे लोग यह खेल खूब खेल रहे हैं तो ममता बनर्जी व यूसुफ पठान को भी यह खेलने का अधिकार तो है ही. तो यूसुफ पठान ने यह खेल खेला और चुनाव जीत कर अब वे सांसद भी बन गए हैं. वडोदरा में रहने वाले इस मुस्लिम-परिवार का, बंगाल से भाजपा को हरा कर संसद में पहुंचना संघ-परिवार को रास नहीं आया. कोई यह बताना चाह रहा है कि चुनाव का नतीजा भले जैसा भी रहा हो, हमारी हैसियत में कोई फर्क नहीं आया है. मुसलमान आज भी हमारे निशाने पर हैं, तो यह चुपचाप पी जाना वाला मामला नहीं है. इंडिया गठबंधन को और भारतीय समाज को हर स्तर पर इसकी भर्त्सना करनी चाहिए तथा यूसुफ पठान किस राजनीतिक दल से जुड़े हैं, इसका ख्याल किये बगैर उनके साथ खड़ा होना चाहिए.चुप्पी लोकतंत्र को कायर व गूंगा बनाती है. यह चुप्पी हर वक्त और हर मामले में टूटनी चाहिए; तोड़ी जानी चाहिए. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

धर्म का मूल

प्रत्येक धर्म के मूल में करुणा, प्रेम, अनुकम्पा, निःस्वार्थ व्यवहार, जीवन का आदर, सह-अस्तित्व जैसे जीवन के आवश्यक मूल्य निहित हैं. दया, परोपकार, सहिष्णुता वास्तव में हमारे ही अस्तित्व को सुनिश्चित बनाए रखने के लिए हैं. चूंकि जीने की इच्छा प्राणीमात्र की सबसे बड़ी और सर्वाधिक प्रबल जिजीविषा होती है, अतः धर्म का प्रधान लक्ष्य अस्तित्व को कायम रखने का उपाय ही होता है. प्रत्येक जीवन के प्रति आदर के लिए कर्म और पुरुषार्थ ही धर्म है. यदि जीवन में मूल्यों के प्रति आस्था न होती, मात्र अपना जीवन-स्वार्थ ही सबकुछ होता तो क्या संभव था कि कोई किसी दूसरे को जीवित भी रहने देता? लोग एक दूसरे को समाप्त कर देते और खुद भी समाप्त हो जाते. जीवन मूल्य ही हैं, जो मनुष्य की मनुष्यता को जीवित और सशक्त बनाये रखते हैं. जीवन मूल्य ही हैं, जो मनुष्य को मनुष्यता की चोटि से गिरने नहीं देते. वस्तुतः जीवन मूल्यों का आदर करना हमारा अपना ही जीवन संरक्षण है. भारतीय समाज में जीवन-मूल्यों का प्रमुख स्रोत धर्म रहा है और धर्म ही जीवन मूल्यों के प्रति अटल आस्था उत्पन्न करता है. प्रत्येक धर्म में कुछ नैतिक आदर्श होते हैं, धर्मोपदेशक महापुरुषों और संतों से लेकर कबीर, तुलसीदास तथा रहीम के नीति काव्य तक व्याप्त नीति साहित्य मानव मूल्यों की प्रतिष्ठा के प्रत्यक्ष प्रयास हैं. इन आदर्श जीवन मूल्यों के विरुद्ध दुष्कर्मों को अध्यात्म-दर्शन में पाप कहा जाता है. किंतु आज चाहे कैसी भी अनैतिकता हो, उसे पाप शब्द मात्र से सम्बोधित करना, लोगों को गाली प्रतीत होता है. हालांकि वैसी बात नहीं है. सदाचार से पतन को पाप संज्ञा देना उन्हें अतिशयोक्ति लगता है. यह सोच आज की हमारी सुविधाभोगी मानसिकता के कारण है. किन्तु धर्म-दर्शन ने गहन चिंतन के बाद ही इन्हें पाप कहा है. वस्तुतः हिंसा, झूठ, कपट, परस्पर वैमनस्य, लालच आदि सभी, 'स्व' और 'पर' के जीवन को, बाधित और विकृत करने वाले दुष्कृत्य ही है, जो अंततः जीवन विनाश के ही कारण बनते है. अतः दर्शन की दृष्टि से ऐसे दूषणों को पाप माना जाना उपयुक्त और उचित है. हम हज़ारों वर्ष पुरानी सभ्यता एवं संस्कृति के वाहक है. हमारी सभ्यता और संस्कृति ही हमारे उत्तम आदर्शों और उत्कृष्ट जीवन मूल्यों की परिचायक है. यदि वास्तव में हमें अपनी सभ्यता संस्कृति का गौरवगान करना है तो सर्वप्रथम ये आदर्श, परंपराएं, मूल्य, मर्यादाएं हम प्रत्येक के जीवन का, व्यक्तित्व का अचल और अटूट हिस्सा होना चाहिए. संस्कृति का महिमामण्डन तभी सार्थक है जब हम इस संस्कृति प्रदत्त जीवन-मूल्यों पर हर हाल में अडिग स्थिर बनकर रहें.

आर्थिक नीति के क्षेत्र में आमसहमति जरूरी

• आर्थिकी

रंजीत के. पटनायक

भारत की भू-आर्थिक और भू-राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं बढ़ रही हैं और इसके साथ ही एक ऐसा बदलाव आया है जो नेहरूवादी युग के दौरान बनाए गए लंबे समय से चले आ रहे समय द्वारा परीक्षित पदों और गठबंधनों को चुनौती देता है और जो गणतंत्र के पहले 75 वर्षों में मजबूत हुआ है. भारत के पदों में यह बदलाव संभवतः बेंजामिन नेतन्याहू के इजरायली शासन के साथ बढ़ती निकटता में सबसे अच्छी तरह से देखा जा सकता है, जिस पर गाजा में निरंतर और अथक नरसंहार का आरोप लगाया गया है. भारत में आंतरिक रूप से इस गहरे नीतिगत बदलाव पर पूर्ण सहमति नहीं है.विदेश नीति, भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र के क्षेत्रों में आम सहमति की आवश्यकता शायद कम महसूस की जाती है, जिनमें से सब देश में चर्चा का विषय नहीं हैं. आम नागरिक या छात्र आम तौर पर विदेश नीति, व्यापार संबंधों या राजनीतिक झुकाव और अर्थशास्त्र के साथ उनके अंतर्संबंधों की बारीकियों में शामिल नहीं होते हैं. फिर भी, इस बदलाव के महत्व को रेखांकित करने की आवश्यकता है. साथ ही भारत में स्पष्ट रूप से चल रहे पुनर्रेखण पर बहस या आम सहमति की कमी भी है. यह वैश्विक मामलों में एक कठिन समय में आया है.गौर करें कि पिछले महीने जारी की गई 2023-24 की रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की वार्षिक रिपोर्ट में भू-राजनीतिक तनाव, भू-आर्थिक विखंडन और इससे होने वाली अक्षमताओं पर जोर दिया गया है, जो एक ऐसी दुनिया में आती है जहां वैश्वीकरण पीछे हटता हुआ दिखाई देता है. 30 मई, 2024 की आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट (भाग 1: मूल्यांकन और संभावनाएं, पिछले वर्ष की तुलना में अधिक बार) में 'भू-राजनीतिज् और 'भू-अर्थशास्त्र' शब्द 16 बार दिखाई देते हैं, जो इस बात का संकेत है कि भू-राजनीति की मांगों और आवश्यकताओं के संदर्भ में राजनीति द्वारा अर्थशास्त्र को कैसे बाधित किया जा रहा है. जोर (या कुछ लोग इसे बहुत जोर कह सकते हैं) हमें बताता है कि मुद्दों का एक पूरा दायरा, जैसे कि बाहरी क्षेत्र जिसमें व्यापार, पूंजी प्रवाह और मुद्रा की चाल, कच्चे तेल की कीमतें और उनकी चाल, वैश्विक वित्तीय बाजार, वैश्विक मुद्रास्फीति और विदेशी मुद्रा बाजार शामिल हैं, वैश्विक स्तर पर इतने गहराई से जुड़े हुए हैं कि वैश्वीकरण के सिद्धांतों से हटकर वैश्वीकरण के युग में जाने से बड़ी नई और गंभीर आर्थिक चुनौतियां आएंगी.अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रथम उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ के अनुसार, 'हम देखते हैं कि पहले से ही व्यापार और निवेश प्रवाह भू-राजनीतिक रेखाओं के साथ पुनर्निर्देशित किए जा रहे हैं.' स्टैनफोर्ड इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक पॉलिसी रिसर्च में अपने मई 2024 के भाषण ('भू-राजनीति और वैश्विक व्यापार और डॉलर पर इसका प्रभाव') में उन्होंने कहा कि व्यापार तनाव बढ़ने के बाद 2017 और 2023 के बीच अमेरिकी आयात में चीन की हिस्सेदारी में आठ प्रतिशत अंकों की गिरावट आई है और चीन के निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी में लगभग चार प्रतिशत अंकों की गिरावट आई है. यूक्रेन के साथ संघर्ष और उसके बाद रूस पर प्रतिबंधों के बाद रूस और पश्चिम के बीच सीधा व्यापार ध्वस्त हो गया.'भू-अर्थशास्त्र' शब्द का पहली बार इस्तेमाल एडवर्ड लुटवाक ने 1990 में किया था. लुटवाक ने तर्क दिया कि शीत युद्ध की वैचारिक प्रतिद्वंद्विता की जगह दुनिया भर में आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने ले ली है, जिसमें व्यापार और वित्त सैन्य शक्ति पर हावी हो जाते हैं. भू-अर्थशास्त्र ज्ञान की एक शाखा के रूप में भू-राजनीति से उभरा है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध राजनीतिक संबंधों द्वारा निर्देशित होते हैं. पुरानी अंग्रेज़ी कहावत को उद्धृत करते हुए, 'व्यापार झंडे का अनुसरण करता है और झंडा व्यापार का अनुसरण करता है', जिसका पहली बार उपनिवेशों के संदर्भ में उपयोग किया गया था जब इसे 1894 में ई. कोबहम ब्रेवर ने गढ़ा था, लेकिन अब इसका उपयोग राजनीति और अर्थशास्त्र के सह-आंदोलन को उजागर करने के लिए किया जाता है. फिर भी, जैसा कि कुछ लोग तर्क देंगे, उपनिवेशवाद का अंतर्निहित बोझ अपरिवर्तित है, वैश्विक व्यापार नई कब्ज़ाकारी शक्ति के रूप में है जिसमें भारत भी हिस्सा चाहता है !आरबीआई द्वारा प्रकाशित 2022-2023 के दौरान भारत के विदेश व्यापार के आंकड़ों से इसकी पुष्टि होती है. अमेरिका और चीन को छोड़कर अन्य देशों के साथ भारत का विदेशी व्यापार 2022-23 के दौरान कुल विदेशी व्यापार का 58.38 प्रतिशत था, जिसमें से विदेशी व्यापार में यूरोपीय संघ की हिस्सेदारी 21.70प्रतिशत और ओपेक देशों की 33.4 प्रतिशत थी. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> 30 मई, 2024 की आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट (भाग 1: मूल्यांकन और संभावनाएं, पिछले वर्ष की तुलना में अधिक बार) में 'भू-राजनीतिज् और 'भू-अर्थशास्त्र' शब्द 16 बार दिखाई देते हैं, जो इस बात का संकेत है कि भू-राजनीति की मांगों और आवश्यकताओं के संदर्भ में राजनीति द्वारा अर्थशास्त्र को कैसे बाधित किया जा रहा है.

संविधान बदलने का मुद्दा भ्रम या हकीकत

• सामयिकी

अजय कुमार कुशवाहा

लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम आने के बाद न्यूज़ चैनलों, अख़बारों और मीडिया वेबसाइटों पर लेख और खबरें प्रकाशित-प्रचारित हुई कि विपक्षी दलों ने 'आरक्षण और संविधान' पर भ्रम फैलाकर वोटों का ध्रुवीकरण कर दिया है. ऐसी ख़बरें भाजपा नेताओं के बयानों के हवाले से भी चलीं और मीडिया में बैठे भाजपा के कुछ शुभचिंतक पत्रकारों ने अपनी ओर से भी चलाई. लेकिन सच क्या है? आरक्षण खत्म होने और सविधान बदलने की बात क्यों फैली? यह सिर्फ विपक्ष द्वारा फैलाया गया भ्रम था या सचमुच बीजेपी ऐसा करना चाहती है? इसका जवाब आपको भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारों की कार्यप्रणाली, उनके नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बयानों से मिल जायेगा. दरअसल, आरक्षण खत्म करने और संविधान को बदलने को लेकर बीजेपी और संघ के नेताओं के बयान कई बार सामने आ चुके हैं. उन्ही बयानों को आधार बनाकर विपक्ष ने इस बार जनता को आगाह करते हुए अपने पक्ष में वोट करने की अपील की और उसे इसका फायदा भी मिला. आरक्षण खत्म करने के मामलों की बात करें तो इसका सबसे बड़ा उदाहरण यूपी की 69 हजार शिक्षक भर्ती है, जिसमें आरक्षण के प्रावधानों का जमकर उल्लंघन हुआ. शिक्षक भर्ती में भाजपा सरकार का रवैया और उसकी आरक्षण विरोधी मानसिकता खुल कर सामने आई. इस भर्ती में पिछड़े वर्गों से उनका 27 प्रतिशत आरक्षण पाने का हक़ छीन लिया गया. ओबीसी और दलित वर्गों के अभ्यर्थियों ने न्याय पाने की आस में संघर्ष किया, लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिल पाया. न्याय पाने के लिए पिछड़े वर्ग से आने वाले अभ्यर्थियों ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, स्वतंत्रदेव सिंह, आशीष पटेल, ओमप्रकाश राजभर, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह समेत कई नेताओं के कार्यालय और आवासों पर प्रदर्शन किया, लेकिन कोई भी आरक्षण की विसंगति को दूर करवाकर अभ्यर्थियों को न्याय दिलाने में सफल नहीं हो पाया. प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष रहे बिबेक देबराय ने अगस्त 2023 में एक लेख लिखा था कि अब 'धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, समानता, न्याय और बंधुत्व जैसे शब्दों का कोई मतलब नहीं है. संविधान औपनिवेशिक विरासत है. इसलिए इसे हटाकर नया संविधान लिखा जाना चाहिए.' संविधान और आरक्षण के खिलाफ कुतर्क करने, संविधान के उपबंधों को सार्वजनिक मंच से चुनौती देने, संविधान बदलने और धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की जगह हिन्दू राष्ट्र बनाने का आह्वान करने वाले तथाकथित संतों, महंतों, बाबाओं और कथावाचकों के मंचों पर जाकर भाजपा के लोग उनका महिमामंडन करते हैं कि नहीं? उनको समाज के लिए आदर्श बताकर उनके यहां नतमस्तक रहते हैं कि नहीं?पिछड़ों और दलितों के मन में आरक्षण के ख़त्म हो जाने का डर संविधान के उपबंधों और आरक्षण के खिलाफ जहर उगलने वाले ये तथाकथित संत -महंत और कथावाचक भाजपा के मंचों पर भी मिलते हैं, निष्ठावान कार्यकर्ता की तरह प्रचार भी करते हैं. जीत पर खुश होते हैं और हार पर छटपटाते भी हैं. क्यों छटपटाते हैं? क्योंकि उन्हें पता है कि भाजपा उनके एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है. 2014 में नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद ऐसा हुआ भी. तमाम संस्थाएं कमजोर कर दी गईं. धर्मनिरपेक्ष मूल्यों की जगह हिंदुत्व के मूल्यों को बढ़ावा मिला और उसे ही थोपा जाने लगा. चलिए अगर मान भी लेते हैं कि भाजपा के नेता संविधान बदलने नहीं, बल्कि संविधान के संशोधन की बात कर रहे थे तो संविधान के संशोधन की बात चुनावी भाषणों में क्यों की जा रही थी? संविधान संशोधन चुनावी मुद्दा है क्या? यह आखिर किसको खुश करने के लिए किया जा रहा था? संविधान संशोधन तो जरूरत के हिसाब से होने वाली एक सामान्य प्रक्रिया है. उसका चुनावी भाषणों में क्या काम? दरअसल बीजेपी की यह कोशिश अपने उन समर्थक वर्गों को खुश करने की थी, जिन्हें समानता के सिद्धांत से चिढ़ है! आरक्षण की व्यवस्था से चिढ़ है! और असमानता वाली उस व्यवस्था की चाह जहां वर्ण और जाति के आधार कुछ लोगों को वर्चस्व और विशेषाधिकार मिलता है.एक तरफ ऐसी स्थिति और दूसरी तरफ विपक्षी दलों कांग्रेस- सपा आदि का सामाजिक न्याय और भागीदारी दिलाने का वादा, जातिगत जनगणना कराने का वादा, पीडीए का नारा और सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखकर टिकट वितरण. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> आरक्षण खत्म करने के मामलों की बात करें तो इसका सबसे बड़ा उदाहरण यूपी की 69 हजार शिक्षक भर्ती है, जिसमें आरक्षण के प्रावधानों का जमकर उल्लंघन हुआ. शिक्षक भर्ती में भाजपा सरकार का रवैया और उसकी आरक्षण विरोधी मानसिकता खुल कर सामने आई. इस भर्ती में पिछड़े वर्गों से उनका 27 प्रतिशत आरक्षण पाने का हक़ छीन लिया गया.

मीडिया में अन्यत्र

लंबित जनगणना आखिर कबतक?

नई सरकार के समक्ष लंबित कई प्राथमिकताओं में से एक यह भी है कि हर दशक होने वाली जनगणना को तत्काल अंजाम दिया जाए. दशकीय जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया. अब महामारी का असर न्यूनतम हुए दो वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन जनगणना के मोर्चे पर कोई प्रगति होती नहीं दिख रही है.जनगणना के पहले राज्यों को जिलों, तहसीलों और कस्बों आदि की प्रशासनिक सीमाओं को बंद करने का आदेश दिया जाता है, लेकिन इसे नौ बार टाला जा चुका है. ताजा जानकारी के मुताबिक जनगणना कराने को लेकर अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है. जनकल्याण और मुफ्त उपहारों को लेकर सार्वजनिक तौर पर जबरदस्त बहसों तथा जाति जनगणना की मांगों के बीच यह अस्वाभाविक ही है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार ने इस महत्त्वपूर्ण काम को प्राथमिकता नहीं दी, जबकि 150 सालों में पहली बार यह काम स्थगित हुआ, वह भी बिना किसी स्पष्ट समय सीमा के. चूंकि ताजा जनगणना डिजिटल रूप में होनी है और इसमें आंकड़ों को इलेक्ट्रॉनिक स्वरूप में भरना है इसलिए इसे अंजाम देना उतना कठिन और समय खपाऊ नहीं होगा, जितना कि अतीत में होता रहा है.

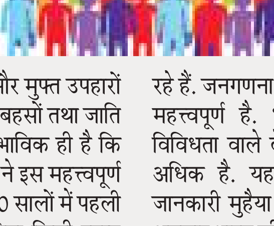

दुनिया के सबसे बड़े चुनावों के इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से होने के बाद डिजिटल जनगणना से भारत की सूचना प्रौद्योगिकी शक्ति की प्रतिष्ठा और बढ़ेगी. इसके बजाय भारत फिलहाल उन 120 देशों में शामिल है, जिन्होंने महामारी का हवाला देकर जनगणना की कवायद को रोक रखा है. कई अन्य देशों मसलन चीन, बांग्लादेश और नेपाल ने महामारी के दौरान भी जनगणना की है. भारत उन 44 देशों में शामिल है, जिन्होंने अब तक जनगणना नहीं की है. ऐसा करने वाले अन्य देशों में यमन, म्यांमार, यूक्रेन, श्रीलंका, अफगानिस्तान तथा सब-सहारा अफ्रीका के देश शामिल हैं, जो किसी न किसी तरह के संकट से जूझ रहे हैं. जनगणना जैसी गहन जनांकिकीय कवायद अत्यंत महत्त्वपूर्ण है. भारत जैसे आर्थिक और सांस्कृतिक विविधता वाले देश में तो इसकी आवश्यकता और भी अधिक है. यह आबादी के आकार जैसी बुनियादी जानकारी मुहैया कराता है. संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार भारत की आबादी चीन से अधिक हो चुकी है और 1.4 अरब लोगों के साथ हम दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाले देश बन चुके हैं. विडंबना यह है कि भारत सरकार के पास आबादी को लेकर कोई नई आधिकारिक जानकारी नहीं है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

बनाम/विपरीत/विलोम

रहिमन ओछे नरन सों बैर भली ना प्रीत. काटे चाटे स्वान को दुहुं भांति विपरीत. रहीम कवि कहते हैं कि ओछे लोगों से न दुश्मनी अच्छी होती है और न ही दोस्ती. इसलिए कि कुत्ता चाहे काट ले या चाट ले, दोनों हालत में विपरीत ही होता है. यानी उसका प्रभाव उल्टा ही होता है. विपरीत संस्कृत भाषा मूल तत्सम विशेषण शब्द है. हिंदी शब्द सागर के अनुसार विपरीत उसे कहते हैं, जो मेल में या अनुरूप न हो, जो विपर्यय के रूप में हो, उलटा, विरुद्ध हो उसे विपरीत कहते हैं. विपरीत का मतलब जैसा होना चाहिए उससे उलटा हो. संज्ञा पुल्लिंग के रूप में विपरीत काव्य शास्त्र का एक अर्थालंकार का नाम है. किसी की इच्छा या हित के विरुद्ध, प्रतिकूल, अनिष्ट साधने में तत्पर, रूठा हो, मिथ्या, असत्य, दुःखद, नाटकों में प्रतिकूल अभिनय करनेवाला विपरीत ही होता है. विपरीत का भाव देनेवाला एक शब्द है बनाम, जिसका प्रयोग सहज ढंग से लोग किया करते हैं. जैसे रीमा बनाम अजय का मामला अदालत में है. जैसे भारत बनाम पाकिस्तान क्रिकेट टूर्नामेंट लंदन में होनेवाला है. समानार्थ होने के बावजूद विपरीत के स्थान पर बनाम शब्द का प्रयोग नहीं किया जा सकता. दूसरी ओर स्थित रहनेवाला विपरीत होता है तो आम तौर पर प्रतिद्वंद्वी को बताने के लिए बनाम शब्द का प्रयोग किया जाता है. बनाम फारसी भाषा मूल का अव्यय शब्द है. इसका मतलब है किसी के नाम पर, किसी के विरुद्ध, किसी के प्रति. विरुद्ध का अर्थ है, कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का शत्रु है या वे एक-दूसरे के विचारों से सहमत नहीं हैं. ऐसा ही शब्द है विलोम. यह भी संस्कृत तत्सम विशेषण शब्द है. इसका सामान्य अर्थ है विपरीत, उलटा, उलटे क्रम में, लोमरहित, पानी निकालने का एक यंत्र तथा संगीत शास्त्र के अनुसार स्वरों का अवरोह. व्याकरण में विलोम शब्द का प्रयोग ऐसे शब्द के लिए होता है, जो दूसरे किसी शब्द का विपरीत अर्थ रखता हो.

आदर्श बहुओं के लिए शॉर्ट-टर्म पाठ्यक्रम

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

विश्वविद्यालयों को जब से आत्म निर्भर होने के लिए आदेश मिले हैं, वे सभी तभी से उन उपायों की खोज करने लगे हैं, जो उनके लिए कमाई का ज़रिया बन सकें. हाल ही ने राजधानी में स्थित एक विश्व-विद्यालय ने एक ऐसा क्रांतिकारी कदम उठाया है जिसका अनुकरण, मुझे लगाता है, अब सभी शिक्षण-संस्थाएं शीघ्र ही करना शुरू कर देंगी. इस विश्वविद्यालय ने एक बिलकुल नया पाठ्यक्रम आरम्भ करने की घोषणा की है, यह पाठ्यक्रम है, आदर्श बहू का पाठ्यक्रम. क्या आपको एक संस्कारी बहू चाहिए ? विश्वविद्यालय ने एक शॉर्ट टर्म कोर्स आदर्श बहू 'तैयार' करने के लिए किया है. विवि का मानना है कि यह कोर्स महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक पाइलट प्रोजक्ट होगा. तीन महीने का यह कोर्स अगले अकादमिक सत्र से आरम्भ होने जा रहा है. इसका मकसद है लड़कियों को ससुराल में अपने नए माहौल में खुद को आसानी से समायोजित करने के लिए शिक्षित करना, ताकि वे परिवार को जोड़ कर रख सकें. इस पाठ्यक्रम में मनोविज्ञान, समाजशास्त्र और शिक्षा से जुड़े मुद्दों का भी समावेश किया जाएगा. यह कोर्स तीन महीने का होगा और इसकी अच्छी-खासी फीस होगी. और हो भी क्यों न. हम देख रहे हैं कि आज छोटी छोटी बातों पर बहुओं के कारण झगड़े हो रहे हैं और परिवार में फूट पड़ रही है. इससे बचने के लिए यदि लड़कियों को प्रशिक्षित किया जा सके तो यह सौदा मंहगा नहीं है. हमारा देश वाद-विवाद प्रिय है. आप कोई कदम उठाएं उसमें अडंगा डालने वाले आपको न चाहते हुए भी मिल ही जाएंगे. इसी प्रकार कुछ ऐसे भी मिल जाएंगे जो न चाहते हुए भी आपके प्रयत्न की तारीफ़ किए बगैर नहीं रहेंगे. यही सब इस आदर्श बहू पाठ्यक्रम के सिलसिले में भी हो रहा है. लेकिन किसी भी विश्वविद्यालय को इसकी परवाह नहीं करनी चाहिए और अकादमिक खोल में मुंह छिपाए रहने की बजाय समाजोन्मुख हो जाना चाहिए. हम सब जानते हैं कि हर 'सास' एक आदर्श 'बहू' चाहती है. लेकिन हर बहू भी तो एक आदर्श सास चाहती है. अगर आप में से कोई महिला सास बनने जा रही है तो उसे अविलम्ब, बल्कि पहले से ही, उस नए, आदर्श सास वाले, कोर्स में प्रवेश के लिए, जो अभी बना नहीं है, आवेदन कर देना चाहिए. यह आपको एक 'आदर्श सास' बनाने में आपकी मदद करेगा. पर आदर्श बहू या आदर्श सास तक ही क्यों सीमित रहा जाए, अन्य कई दूसरे रिश्तों को भी आदर्श बनाने में विश्वविद्यालय, इसी प्रकार के पाठ्यक्रमों द्वारा आपकी मदद कर सकते हैं. जैसे एक कोर्स आदर्श दामाद का, एक कोर्स आदर्श ननद का, एक कोर्स आदर्श साले का, एक कोर्स आदर्श साली का, एक कोर्स आदर्श सलहज का, एक कोर्स आदर्श देवर का, एक कोर्स आदर्श ननदोई का... इत्यादि भी बनाए जा सकते हैं. इन पाठ्यक्रमों से समाज में समरसता निर्मित होगी और केवल स्त्री सशक्तीकरण ही नहीं होगा, जैसा कि आदर्श बहू के पाठ्यक्रम के लिए दावा किया गया है, बल्कि पूरे समाज का इनमें हित निहित होगा.

लाइफ लाइन

डॉ रजनी शर्मा
डीएमबीएस, बीएमबीएस

बारिश तपती धरती पर राहत का नाम है. पर यही बारिश अपने साथ-साथ इस मानसून में कई सारी बीमारियों को भी लेकर आती है. आइए, मानसून की प्रमुख बीमारियों और उनके होम्योपैथी बायोकेमिक चिकित्सा के बारे में जानकारी हासिल करें.

रिमझिम बारिश में त्वचा और बालों की करें देखभाल

फंगल इंफेक्शन, एग्जिमा, बालों का टूटना, रुसी...

बरसात के मौसम में त्वचा और बालों में कई तरह की परेशानियां/बीमारियां होने की आशंका रहती है. आजकल वातावरण में इतना प्रदूषण है कि बारिश का पानी उन धूल कणों से होकर गुजर कर जब शरीर पर लगता है तो त्वचा संबंधी बीमारियां और बालों से संबंधित समस्याएं मुख्य रूप से सभी को प्रभावित करती हैं.

- **त्वचा संबंधी बीमारियां**

मानसून में वातावरण में काफी नमी और उमस रहती है, जिसके कारण ऑयली स्किन वालों को बीमारियों का खतरा अधिक बढ़ जाता है. इसमें उनके चेहरे पर ब्लैकहेड्स वाइटहेड्स पिंपल रेसेस तथा चिपचिपापन लिए हुए कील मुहांसे हो जाते हैं. बारिश के पानी में हल्का-फुल्का भींगने से जब हम गीले हो जाते हैं और कपड़े नहीं बदलते हैं तब बारिश के रुकते ही उमस बढ़ती है जिसे पसीना आता है और इस स्थिति में स्क्रीन में बैक्टीरिया पनपता है जिसके कारण फंगल इन्फेक्शन, दाद, खाज-खुजली, रैशेज, लाल दाने, सूजन, घमौरियां पित्ती, एक्जिमा तथा त्वचा से संबंधित कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं. अगर ज्यादा देर बारिश के पानी में पैर गीले रहते हैं तो पैरों में फुट इन्फेक्शन हो जाता है जिसे एथलीट फुट कहते हैं. इस संक्रमण को से पैरों की त्वचा और नाखून संक्रमित हो जाते हैं. पैरों की उंगलियों के पोरों में दाने, फोफले, खुजली, रैशेज, सूजन इत्यादि समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं.

- **बालों की समस्याएं**

इस मौसम में काफी नमी होती है. इस कारण सर की त्वचा ऑयली हो जाती है. इस मौसम में बालों को देखभाल की आवश्यकता अधिक होती है. मौसम के उतार-चढ़ाव से बालों में नमी बनी रहती है और ऐसी स्थिति में धीरे-धीरे बाल कमजोर हो जाते हैं और टूटने लगते हैं. गर्मी के कारण पसीना और गंदगी का जमाव बालों के रोम छिद्रों को बंद कर देता है. नमी के कारण बालों में फंगल इंफेक्शन बढ़ जाता है. उसकी प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है, जिससे स्कैल्प पर रुसी भी जम जाती है. बारिश के मौसम में बाल कई बार गीले रह जाते हैं जिससे उनके क्यूटिकल्स नमी सोख लेते हैं और सूज जाते हैं. इस सूजन के कारण बाल कमजोर हो जाते हैं जिससे वह रुखे हो कर उलझते हैं और टूटने लगते हैं. सर पर अधिक नमी होने के कारण बार-बार शैंपू करने से भी बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं और बाल अत्यधिक डैमेज हो कर टूटने लगते हैं.

होम्योपैथी तथा बायोकेमिक दवाओं से निदान

होम्योपैथी चिकित्सा के माध्यम से मानसून में होने वाली त्वचा तथा बालों से संबंधित समस्याओं का निदान में सहायक दवा डल्कामारा, एकोनाइट, सेलेनियम, एसिड फॉस, मेजेरियम, नाइट्रिक एसिड, कैलिकार्ब, लाइकोपोडिम, फ्लोरिक ऐसिड, आर्सेनिक एल्बम, सीपिया, ग्रेफाइटिस, सल्फर, अर्टिका यूरेंस, अर्निका, रस टक्स, कार्बो भेज, कैलि ब्रोम, हिपर सल्फर, पल्साटिला, बेलाडोना, बर्बरिस एक्वाफोलियम, सरसापैरिल्ला, पेट्रोलियम, एलियम सीपा, नक्स वोमिका, कैलकेरिया कार्ब इत्यादि महत्वपूर्ण हैं.
बायोकेमिक दवाओं में नेट्रम म्यूर, कैल्केरिया फ्लोर, मैग्नीशियम फॉस, नेट्रम सल्फ, काली फॉस, कैल्केरिया फॉस, साइलीशिया आदि महत्वपूर्ण हैं.
त्वचा विकार के लिए बायोकेमिक कांबिनेशन 20 के रिपीटेड डोज दिए जाते हैं.
किसी भी प्रकार के दवाओं के सेवन से पूर्व कुशल चिकित्सक से अवश्य परामर्श लें.

अटेंशन डेफिशिएंट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) एक ऐसा उभरता हुआ रोग है जो भारतीय माता-पिता के माथे पर शिकन ला रहा. कई अध्ययनों में जाहिर हुआ है कि स्कूल जाने वाले भारतीय बच्चों का 5-8 प्रतिशत इस रोग से ग्रसित है. जितनी जल्दी इसकी पहचान होगी, बच्चा उतनी ही जल्दी इससे उबरेगा. आइए जाने कि एडीएचडी क्या है, इसके लक्षण क्या हैं और उससे निजात पाने के क्या रास्ते हैं-

क्या पल भर को स्थिर नहीं बैठता आपका बच्चा?

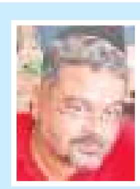

सिद्धार्थ सिन्हा
वरीय मनोचिकित्सक, रिनपास

धनबाद की सुनयना यादव की साढ़े तीन साल की बेटी आयुषी बुखार से पीड़ित थी. मां बेटी को दिखाने बालचिकित्सक के क्लीनिक में आई थीं और केबिन के बाहर लगी कुर्सी पर बैठ कर अपनी पारी का इंतजार कर रही थी. आयुषी बजाय मां की गोद या किसी कुर्सी पर बैठने के गैलरी में लगातार दौड़ रही थी तो कुसियों पर जंप भी कर रही थी. नजर में जो भी आता, उसे टच कर रही थी. शीशे के पार्टिशन से डॉक्टर आयुषी की गतिविधियों पर नजर रखे थे. नंबर आने पर जब सुनयना आयुषी के साथ डॉक्टर के केबिन में गई तो आयुषी ने डॉक्टर के किसी सवाल का जवाब नहीं दिया. बुखार के लिए आवश्यक दवाएं बताने के बाद उन्होंने आयुषी को चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट को दिखाने की सिफारिश की. कुछ जांच के बाद चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट ने बताया कि आयुषी अटेंशन डेफिशिएंट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) से पीड़ित है. इलाज के बाद आयुषी बिल्कुल स्वस्थ है और अपनी कक्षा की मेधावी छात्रा के रूप में पहचान रखती है.

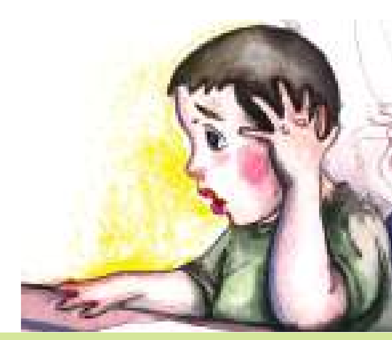

क्या है एडीएचडी

एडीएचडी एक न्यूरो डेवलेपमेंटल डिस्आर्डर है जिसमें बच्चा अपने व्यवहार को नियंत्रित नहीं कर पाता. बच्चे में इसके लक्षण तीन साल की उम्र में लक्षण दिखने लगते हैं. लड़कियों की तुलना में लड़कों में यह तीन गुना अधिक पाया जाता है. एडीएचडी से पीड़ित बच्चे लगातार शोर मचाते रहते हैं और पल भर को स्थिर नहीं रह पाते. बैठे होने पर भी बदन या हाथ और पैर को हिलाना या फिर पूरी बात को सुने बिना उत्तर देना इसके कुछ खास लक्षण हैं. इस बीमारी के कारण बच्चे किसी चीज पर फोकस नहीं हो पाते और उनकी पढाई इससे प्रभावित होती है. माता-पिता के साथ बदतमीजी करते हैं. ज्यादातर मामलों में समय के साथ यह समस्या ठीक भी हो जाती है, किंतु मामले में बड़ी उम्र में भी यह समस्या बनी रहती है. ऐसे कुछ मामलों में पीड़ित के अपराधिक प्रवृति के होने की आशंका भी बनी रहती है.

पहचानिए लक्षण

ध्यान केंद्रित नहीं कर पाना

एडीएचडी का इसका पहला लक्षण है किसी काम पर फोकस ना कर पाना या किसी टास्क को कंपलीट ना कर पाना या इसके अलावा डेली एक्टिविटीज को टाइम पर याद ना रख पाना. ऐसे बच्चों का पढ़ते समय या खेल में आसानी से ध्यान भंग हो जाता है.

हाइपरएक्टिविटी

एडीएचडी का दूसरा सबसे बड़ा लक्षण है हाइपरएक्टिविटी जो आसानी से पहचान में आ जाती है. ऐसे बच्चे अपनी जगह पर थोड़ी देर तक भी स्थिर बैठ सकते, बहुत उतावले से होते हैं. लगातार चलायमान रहते हैं जैसे कि शरीर में मोटर लगी हो. इन्हें जब देखिए, बहुत जल्दबाजी के मूड में नजर आते हैं.

धैर्य की कमी

एडीएचडी से ग्रसित बच्चों में धैर्य की कमी देखी जाती है. ये बच्चे अपने नंबर तक आने का इंतजार नहीं कर पाते और दूसरे के नंबर के बीच में ही बोल देते हैं या फिर दूसरे बच्चों के टास्क में आ जाते हैं.

यह भी हैं लक्षण

ऐसे बच्चों के सामने-सामने जब हम बात करेंगे तो ऐसा प्रतीत होगा जैसे वह आपकी बात सुन ही नहीं रहा है, समझी हुई बातों या कार्यों में गलती कर रहा है, महत्वपूर्ण सामान-कार्यों को भूल जाता है.

ये हो सकते हैं कारण

इसका एक कारण आनुवंशिक हो सकता है. परिवार में किसी को हो तो बच्चों में भी इस रोग के होने की आशंका रहती है. दिमाग में केमिकल का इनबैलेंस के कारण भी बच्चों में एडीएचडी हो सकती है. गर्भावस्था में मां अगर तनाव में रहती है तो तब भी बच्चे में यह समस्या देखी जा सकती है. इसके अलावा समय से पूर्व जन्मे यानी प्रीमेच्योर बच्चों में भी एडीएचडी की समस्या पाई जाती है. गर्भावस्था के दौरान मां का शराब या सिगरेट का सेवना करना या पौष्टिक आहार नहीं लेना भी इसका कारण हो सकता है.

यह है उपचार

विशेषज्ञों के मुताबिक इसका इलाज आसान है. मेडिकेसन, काउंसलिंग और दवाइयों की मदद से बच्चे के इस विकार को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है. उपचार का पहला कदम है इस बीमारी को समझना. इस दिशा में पैरेंट्स के साथ साथ स्कूल टीचर्स की भी महत्वपूर्ण भूमिका है. इस बीमारी को कम करने के लिये कई तरह की थेरेपी होती है जिसका उपयोग जरुरत के हिसाब से चिकित्सक करते हैं. कई बार ऐसे बच्चों को स्पेशल स्कूल में पढ़ाने की जरूरत हो सकती है. बच्चे को उसकी पसंद की किसी फिजिकली एक्टिविटी या स्पोर्ट्स में जरूर डालें ताकि उसका फोकस बढ़े. बच्चे को संगीत, चित्रकला क्राफ्ट या किसी ऐसी क्रियेटिव एक्टिविटी में व्यस्त करें जिससे उसका मन शांत रहे. ध्यान केंद्रित करने वाली पजल, सुडोकू या ऐसे गेम्स कराएं जिसमें बच्चा ध्यान केंद्रित कर सके. ध्यान रहे कि बच्चों के साथ मल्टीटास्कर ना बनें. बच्चे के साथ अगर किसी एक्टिविटी या पढ़ाई में इंवॉल्व हैं तो बस उसे ही करने दें.

झारखंड का औषधीय वृक्ष

पाचक, मूत्रकारक और मधुमेहनाशक है जामुन

औषधीय वृक्ष जामुन की लकड़ी गलती नहीं है. मैंने देखा है कि कुओं के पास एक जामन मोटा तना रहता था. उसी के पास से पानी निकालने का काम होता था. रस्सी से तना में दाग आ जाता था पर जल्दी गलता नहीं था. राजा महाराजा अपने कुंआ के नीचे एक विशेष ढंग से जामुन का तना का उपयोग करते थे जिससे पानी शुद्ध रहे और काई जैसी शैवाल से रक्षा हो. हिंदी में जामन या जामुन कहते हैं, संस्कृत में राजजम्बू, सुरभिपत्रा, फलेन्द्रा, लैटिन में युजनिया जाम्बोलेना, अंग्रेजी में जाम्बलट्री कहते हैं. जामुन कफ, पित्त, दाह, रुधिर विकार नाशक है.
जामुन के कई प्रकार हैं- गुलाब जामुन, फरेन्दजाम, कठजामन, नदी जामुन इत्यादि. पके जामन का फल रस या शर्बत पाचक और मूत्रकारक है, मूत्राल्पता में इसे देते हैं. इसके क्वाथ से मसूढ़ों से रक्त आना, क्षत, जिह्वा विदारण में देते हैं. मधुमेह नाशक गुण इसके बीज में रहता है. इसके चूर्ण को यदा-कदा हर एक को लेना चाहिए जिससे विकार होने की आशंका कम हो जाती है. इसके पत्तों में घाव (व्रण) ठीक करने का गुण होते हैं.
भारतीय संस्कृति में यह प्रचलन प्रचलित है कि मौसमी फलों का सेवन अवश्य करना चाहिए. जामुन के पेड़ गावों में औषधीय के रूप में पुरखो द्वारा लगाए मिल जाते हैं. दरअसल हमारे पुरखे जानते थे कि पेड़ होंगे तो हमारे बच्चे गाहे-बगाहे इसका सेवन कर ही लेंगे और स्वस्थ्य रहेंगे. इसके छाल में टैनीन नामक एक प्रकार का गोंद भी रहता है.
चूंकि यह जीवनदायिनी वृक्ष है अर्थात मधुमेह नाशक है इसलिए इसका संरक्षण और संवर्धन जरुरी है. झारखंड सरकार को चाहिए कि जामुन से होने वाले फायदे और पारंपरिक चिकित्सा पद्धति जो भगत लोग पारंपरिक रूप में उपयोग करते थे उस पर शोध करने की योजना पर काम करें.

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

(औषधीय पौधा के खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार)
तस्वीर : अनिल कुमार पाठक

योगनिद्रा दूर करता है तनाव

ऋषि रंजन
योग एक्सपर्ट

नींद हमारी जीवनशैली के बारे में बहुत जरूरी संकेत देती है. जब जीवनशैली खराब होती है, तो घंटों बिस्तर पर करवट बदलते समय गुजर जाता है. जबकि स्वस्थ खानपान और हेल्दी लाइफस्टाइल में आपको बिस्तर पर पड़ते ही गहरी नींद आ जाती है. अगर आप नींद की कमी, तनाव और कमजोर इम्युनिटी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं, तो योग निद्रा आपके लिए मददगार साबित हो सकती है. यह योग की एक ऐसी तकनीक है, जिसकी मदद से आप आठ घंटे की गहरी नींद ले पाते हैं. आइये जानते हैं योग निद्रा क्या है, इसे कैसे करें और योग निद्रा के क्या लाभ हैं :

- **क्या है योग निद्रा**

योग निद्रा एक ऐसी युक्ति है जिससे आप बिना सोए आराम की स्थिति का अनुभव कर सकते हैं तथा इसके साथ ही अपने इर्द–गिर्द के बारे में जागरूक रहते हैं. योग निद्रा आपको मस्तिष्क के पैरासिम्पेथेटिक नेटवर्क से जुड़ने में सहायता करता है जहां शरीर तथा दिमाग आराम तथा सुव्यवस्थित रखने में सहायता करता है.

- **कैसे करें योग निद्रा का अभ्यास**

सबसे पहले अपनी आंखें बंद कर लें और 10 से 20 बार गहरी सांस लें. अपनी सांस को नासिका छिद्रों या नॉस्ट्रिल्स में महसूस करें. इसके बाद अपनी श्वास को स्वाभाविक रहने दें. उन्हें गहरा या धीमा करने की कोशिश न करें. इस दौरान मन-मस्तिष्क को तमाम विचारों से दूर रखें.
अब अपने दिमाग को निम्न क्रम में अपने शरीर के अंगों पर घुमाएं. प्रत्येक भाग के बीच 3 सेकंड के लिए रुकें- दाहिना अंगूठा, इंडेक्स फिंगर, मिडल फिंगर, रिंग फिंगर, लिटिल फिंगर, हथेली, कलाई, फोर आर्म, एल्बो, ऊपरी बांह, कंधे, दाहिनी हिप, दाहिनी जांघ, घुटने, काफ, पिंडली, टखना, दाहिने पैर का अंगूठा, पर अपने दिमाग को ले जाएं. इसके बाद बाईं ओर भी इसी क्रम को दोहराएं. फिर पीछे जाएं. दाहिनी पीठ, बाईं पीठ, रीढ़, दाहिने कंधे का ब्लेड, बाएं कंधे का ब्लेड, गर्दन का पिछला भाग और सिर का पिछला भाग. फिर सामने की ओर जाएं – सिर के ऊपर, माथा, दाहिनी भौंह, बायीं भौंह, दाहिनी आंख, बायीं आंख, भौंहों के बीच में, दायां कान, बायां कान, दायां गाल, बायां गाल, दायां नथुना, बायां नथुना, ऊपरी होंठ, निचला होंठ, ठुड्डी, गर्दन, छाती, पेट. रिलैक्स करने के लिए दो-तीन बार इस अभ्यास को दोहराएं.

- **कब करें योग निद्रा का अभ्यास**

बेहतर स्वास्थ्य के लिए इसका अभ्यास किसी भी समय किया जा सकता है. वैज्ञानिक मानते हैं कि जब मांसपेशियां तनाव मुक्त होती हैं, तो खराब तरीके से हो रहा हार्मोनल स्राव भी कम हो जाता है. यह शरीर की सभी कार्य प्रणालियों पर प्रभावी ढंग से कार्य करता है. सोते समय इसका अभ्यास भी आवश्यक है.

- **योग निद्रा के लाभ :**

1. तंत्रिका तंत्र को नियंत्रित करने में निपुण
2. नींद की बेहतर गुणवत्ता
3. खुद से जुड़ने में सहायता
4. ध्यान में वृद्धि
5. दर्द से छुटकारा
6. तनाव को नष्ट करता है
7. रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि.

40 की उम्र में जरूरी हैं ये जांच

उम्र का चौथा दशक महिलाओं के लिए कई तरह की शारीरिक चुनौती के साथ आता है. ऐसे में सजगता की दरकार है. बीमारियों से बचने के लिए समय-समय पर कुछ टेस्ट जरूर करानी चाहिए ताकि बीमारी का शुरुआती दौर में पता लग जाए-

उम्र के चौथे दशक के बाद महिलाओं के स्वास्थ्य में विशेष सजगता की दरकार होती है. जिम्मेदारियों में उलझी और अपनों की देखभाल में व्यस्त महिलाएं अपनी छोटी-मोटी समस्याओं की अनदेखी करती जाती हैं. लेकिन उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति सर्तकता बरतनी चाहिए क्योंकि वे स्वस्थ रहेंगी तो परिवार स्वस्थ रहेगा. आइए जानें कि चालीस वर्ष की उम्र के बाद महिलाओं को किन टेस्ट को विशेषज्ञों की सलाह से कराना चाहिए

- **डेक्सा स्कैन टेस्ट**

मेनोपॉज का दौर महिलाओं के लिए कई तरह की शारीरिक समस्याएं लेकर आता है जिसमें हड्डियों का क्षय प्रमुख है. इससे हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, खासकर रीढ़ की हड्डी, पैर की लंबी हड्डियां, कलाई की हड्डी आदि. इन सब में फ्रेक्चर की आशंका बढ़ जाती है. इसे ऑस्टियोपोरोसिस कहते हैं. इसके लिए डेक्सा स्कैन टेस्ट करवा सकते हैं. इस टेस्ट से बोन डेन्सिटी का पता चलता है.

- **मैमोग्राफी टेस्ट**

2022 में, दुनिया भर में लगभग 2.3 मिलियन महिलाओं में स्तन कैंसर का निदान किया गया जिनमें 670,000 महिलाओं की मृत्यु हो गई. हर 14 सेकंड में, दुनिया में कहीं न कहीं एक महिला को स्तन कैंसर का निदान किया जाता है. ब्रेस्ट कैंसर की जितनी जल्दी पहचान होगी, इससे उबरने की संभावना उतनी ही बढ़ जाएगी. इसलिए विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि मैमोग्राफी टेस्ट कराना चाहिए. 40 की उम्र के बाद इसे हर साल करवाना चाहिए. स्त्री रोग विशेषज्ञ के परामर्श से क्लिनिकल ब्रेस्ट एग्जामिशन कराया जा सकता है.

- **पैप स्मीयर टेस्ट**

सर्वाइकल कैंसर भारतीय महिलाओं को होने वाला दूसरा बड़ा कैंसर है. पहले नंबर पर ब्रेस्ट कैंसर है. हालांकि इसकी स्क्रीनिंग तो 21 की उम्र से ही शुरू

हो जानी चाहिए लेकिन 40 की उम्र के बाद भी इससे बचाव के लिए पैप स्मीयर टेस्ट अवश्य कराना चाहिए.

- **आरए फैक्टर टेस्ट**

महिलाओं में आर्थराइटिस की समस्या भी देखने को मिलती है. उन्हें जोड़ों में दर्द रहता है. इसके लिए भी स्क्रीनिंग टेस्ट करवाना चाहिए. आरए फैक्टर टेस्ट करवा सकते हैं. ये टेस्ट करवाने से आर्थराइटिस के रिस्क के बारे में पता चलता है.

- **विटामिन डी व विटामिन बी12 टेस्ट**

महिलाओं में पोषण की कमी पाई जाती है. उनमें विटामिन डी और विटामिन बी12 की कमी मिलती है. शाकाहारी लोगों में विटामिन बी12 की कमी ज्यादा होती है. उन्हें इसका टेस्ट करवाना चाहिए.

- **हृदय व शुगर टेस्ट**

महिलाओं में मेनोपॉज के बाद हृदय रोग का खतरा बढ़ जाता है. इसलिए 40 वर्ष के बाद मॉनिटरिंग बेहद जरूरी है. कम से कम तीन महीने में एक बार अपने नजदीकी क्लिनिक में जाकर बीपी, ईसीजी या टीएमटी टेस्ट करा सकते हैं. इसी तरह शुगर टेस्ट और एचबीए1सी टेस्ट भी करवा सकते हैं. लिपिड प्रोफाइल टेस्ट भी कराएं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

आईसीसी टी20 क्रिकेट रैंकिंग : हार्दिक पंड्या बने नंबर वन ऑलराउंडर

एजेंसी। नयी दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी हार्दिक पंड्या, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह को टी20 रैंकिंग में फायदा हुआ है। हार्दिक संयुक्त रूप से दुनिया के नंबर-1 ऑलराउंडर बन गए हैं. वहीं कुलदीप यादव की टॉप-10 गेंदबाजों में एंट्री हो गई है. जसप्रीत बुमराह ने 12 स्थान की छलांग लगाई है. अर्शदीप सिंह करियर के सर्वश्रेष्ठ रैंक पर पहुंच गए हैं. आईसीसी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी. हार्दिक पंड्या दो पायदान ऊपर चढ़कर श्रीलंका के स्टार वानिंदु हसरंगा के साथ नंबर-1 ऑलराउंडर बन गए हैं. टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग के शीर्ष 10 में और भी बदलाव हुए हैं. मार्कस स्टोइनिस, सिकंदर रजा, शाकिब अल हसन और लियाम लिविंगस्टोन एक-एक स्थान ऊपर चढ़ गए हैं. मोहम्मद नबी चार स्थान नीचे खिसककर शीर्ष पांच से बाहर हो गए हैं.जसप्रीत बुमराह की 12वें नंबर पर

टी20 बॉलिंग रैंकिंग में एनरिक नॉर्खिया सात पायदान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं. 675 रेटिंग अंकों के साथ शीर्ष पर काबिज आदिल राशिद से ठीक पीछे हैं. टी20 विश्व कप में 15 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहने वाले भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 12 पायदान ऊपर चढ़कर 12वें नंबर पर है.

हार्दिक पंड्या दो पायदान ऊपर चढ़कर श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा के साथ नंबर-1 पर

हार्दिक पंड्या.

जसप्रीत बुमराह.

अर्शदीप सिंह 13वें स्थान पर

कुलदीप यादव गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष दस में शामिल हो गए हैं. वे तीन पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर हैं. टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले अर्शदीप सिंह चार पायदान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। तबरेज शम्सी पांच पायदान ऊपर चढ़कर शीर्ष 15 में पहुंच गए हैं. बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष दस में बहुत अधिक बदलाव नहीं हुआ, केवल एक मामूली बदलाव हुआ है. दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम बल्ले दो पायदान नीचे आ गएय

टी20 विश्व चैंपियन टीम इंडिया बारबडोस से स्वदेश रवाना

- भारत पहुंचने पर पीएम नरेंद्र मोदी करेंगे सम्मानित
- विजयी टीम के सम्मान में मुंबई में एक रोड शो भी होगा

भाषा। ब्रिजटाउन (बारबडोस)

टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम श्रेणी चार के तूफान के कारण तीन दिन यहां फंसे रहने के बाद अंततः बुधवार को ग्रांटली एडम्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से विशेष विमान के जरिए दिल्ली के लिए रवाना हो गयी. एयर इंडिया के विशेष विमान एआईसी24 डब्ल्यूसी (एयर इंडिया चैंपियंस 24 विश्व कप) ने स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग चार बजकर 50 मिनट पर उड़ान भरी और गुरुवार को भारतीय समयानुसार सुबह लगभग छह बजकर 20 मिनट पर दिल्ली पहुंचेगा. भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने विमान के उड़ान भरने से पहले ट्रॉफी के साथ तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, घर आ रहे हैं. विमान में भारतीय टीम, उसका सहयोगी स्टाफ, खिलाड़ियों के परिवार और कुछ भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारी तथा भारतीय मीडिया के कुछ सदस्य सवार हैं. इस विशेष उड़ान का इंतजाम बीसीसीआई ने किया है. यहां पहुंचने के कुछ ही घंटों के भीतर खिलाड़ियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सम्मानित करेंगे. आईसीसी ट्रॉफी के 11 साल के सूखे को खत्म करने वाली विजयी टीम के सम्मान में मुंबई में एक रोड शो आयोजित करने की भी योजना है. तूफान बेरिल अब जमैका की ओर बढ़ रहा है

दो जुलाई को अमेरिका के न्यू जर्सी से उड़ान भरने वाला बोइंग 777 विमान स्थानीय समयानुसार रात लगभग दो बजे बारबडोस पहुंचा था.

ब्रीफ खबरें

प्रज्ञानानंदा ने बोगडान डेनियल से ड्रॉ खेला

बुकारेस्ट। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को यहां सुपरबेट क्लासिक टूर्नामेंट के छठे दौर में रोमानिया के कम रैंकिंग वाले डीएक बोगडान डेनियल से ड्रॉ खेलकर अंक बांटने पड़े. ईरानी-फ्रांसिसी ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरोजा ने अमेरिक के वेस्लो सो को पराजित किया. भारत के डी गुकेश ने फ्रांस के मैक्सिम वाचियर से बाजी ड्रॉ करायी. प्रज्ञानानंदा ने कई चाल चली पर रोमानियाई खिलाड़ी डटकर सामना करता रहा.

अभय-वेलावन को युगल स्क्वाश में शीर्ष वरीयता

जोहोर (मलेशिया)। अभय सिंह और वेलावन सेंथिलकुमार की भारतीय जोड़ी को गुरुवार से यहां शुरू हो रही एशियाई युगल स्क्वाश चैंपियनशिप के पुरुष युगल में शीर्ष वरीयता दी गई है. अभय मिश्रित युगल में दिग्गज जोशना चिनप्पा के साथ खेलेंगे. यह जोड़ी 15 टीमों में तीसरी वरीयता प्राप्त है. रथिका सुथांथिर सीलन व पूजा आरती आर की महिला युगल जोड़ी को पांचवीं वरीयता मिली है.

एशियाई चैंपियनशिप में पंकज की विजयी शुरुआत

रियाद। दिग्गज क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने यहां 2024 एशियाई बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में शानदार शुरुआत करते हुए ऑन्ग फियो और युटापोप पाकपोज को हराया. एशियाई बिलियर्ड्स खिताब की हैट्रिक बनाने के इरादे से उतरे 38 साल के आडवाणी ने म्यांमार के फियो को 4-2 से हराने के बाद कड़े मुकाबले में थाईलैंड के पाकपोज को 4-3 से रोमांचक शिकस्त दी.

चैंपियंस ट्रॉफी : भारत-पाक मैच एक मार्च को!

नयी दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने चैंपियंस ट्रॉफी के अस्थायी कार्यक्रम में अपनी टीम का चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ मैच अगले साल एक मार्च को रखा है. हालांकि बीसीसीआई ने अभी तक इस पर सहमति नहीं दी है. आईसीसी बोर्ड के एक सीनियर सदस्य ने बुधवार को पीटीआई को यह जानकारी दी. टूर्नामेंट अगले साल 19 फरवरी से नौ मार्च तक खेला जायेगा, जिसमें 10 मार्च 'रिजर्व डे' होगा.

यूरो 2024 मेरिह डेमिरल के दो गोल से तुर्की क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

तुर्की ने ऑस्ट्रिया को 2-1 से हराया

एजेंसी। लेपजिग (जर्मनी)

पहले ही मिनट में गोल और फिर अंतिम लम्हों में शानदार बचाव करते हुए तुर्की ने मंगलवार को यहां ऑस्ट्रिया को प्री क्वार्टर फाइनल में 2-1 से हराकर यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के अंतिम आठ में जगह बनायी. मेरिह डेमिरल ने तुर्की की ओर से दोनों गोल दागे, जिसमें सिर्फ 57 सेकेंड में किया गोल भी शामिल है. गोलकीपर मर्ट गुनोक ने इसके बाद इंजरी टाइम में शानदार बचाव करते हुए तुर्की की जीत सुनिश्चित की.

गुनोक ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के चौथे मिनट में क्रिस्टोफ बोमगार्टनर के हैडर से लगाए शॉट को दाईं ओर गोता लगाते हुए नाकाम किया. ऑस्ट्रिया की ओर से मैच का एकमात्र गोल दूसरे हाफ में माइकल ग्रेगोरिश ने किया. ऑस्ट्रिया ने गोल करने के 21 मूव बनाए, लेकिन तुर्की सिर्फ छह मूव बनाने के बावजूद जीत दर्ज करने में सफल रहा. तुर्की की टीम अब शनिवार को क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड से भिड़ेगी.

नीदरलैंड ने रोमानिया को 3-0 से हराया

म्यूनिख। नीदरलैंड ने यूरो 2024 के प्री क्वार्टर फाइनल में टूर्नामेंट का अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को यहां रोमानिया को 3-0 से हराकर 16 वर्षों में पहली बार यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. कोडी गाकपो ने 20वें मिनट में नीदरलैंड को बढ़त दिलाई, जिसके बाद स्थानापन्न खिलाड़ी डोनयेल मालेन ने दो गोल और दागकर नीदरलैंड को 2008 के बाद के पहली बार टूर्नामेंट क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया. नीदरलैंड ने शुरुआत में गोल करने के कुछ मौके गंवाए जबकि कप्तान वर्जिल वान डिक का शॉट भी गोल पोस्ट से टकरा गया. टीम ने हालांकि इसके बाद वापसी करते हुए जीत दर्ज की. नीदरलैंड की टीम अब क्वार्टर फाइनल में शनिवार को तुर्की से भिड़ेगी जिसने अंतिम 16 के एक अन्य मुकाबले में ऑस्ट्रिया को 2-1 से हराया.

विंबलडन 2024

पहले दौर में ही बाहर हुईं पिछली चैंपियन वोंद्रोसोवा

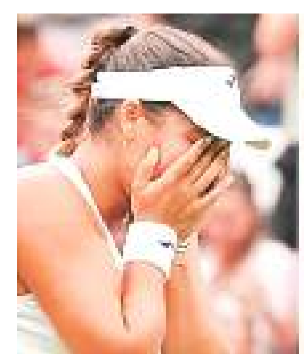

एजेंसी। लंदन

मार्केटा वोंद्रोसोवा 1994 से विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर से बाहर होने वाली पहली महिला गत चैंपियन खिलाड़ी बनीं. ऑल इंग्लैंड क्लब पर 12 महीने पहले खिताब जीतकर सभी को हैरान करने वाली वोंद्रोसोवा को जेसिका बोजास मनेइरो ने 6-4, 6-2 से हराया. वोंद्रोसोवा पिछले साल घास के कोर्ट पर होने वाले इस ग्रैंडस्लैम को जीतने वाली पहली गैर वरीयता प्राप्त महिला खिलाड़ी बनीं थी. वोंद्रोसोवा ने हालांकि मंगलवार को एक अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम कराया. वर्ष 1964 में शुरू हुए खेल के ओपन युग में इससे पहले सिर्फ एक बार विंबलडन की गत चैंपियन महिला खिलाड़ी को अगले साल पहले दौर में शिकस्त झेलनी पड़ी थी. वहीं, एंडी मरे ने पुरुष एकल में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया. वह सिर्फ युगल में चुनौती पेश करेंगे. वह विंबलडन में अंतिम बार अपने बड़े भाई जेमी के साथ उतरेंगे. छठे वरीय आंद्रे रूबलेव को मंगलवार को हार का सामना करना पड़ा जबकि दूसरे दिन महिला एकल विजेताओं में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ईगा स्वियातेक, 2022 की चैंपियन एलेना रिबाकिना और पांचवीं वरीय जेसिका पेगुला शामिल रहीं. पुरुष वर्ग मे सात के बार चैंपियन नोवाक जोकोविच, एलेक्जेंडर ज्वेरेव और ह्यूबर्ट हुरकाज ने अगले दौर में जगह बनाई.

पराग्वे को हराने के बाद भी बाहर हुआ कोस्टा रिका

एजेंसी। ऑस्टिन (अमेरिका)

फ्रांसिस्को कैल्वो और जोसिमार अलसोसेर के शुरुआती सात मिनट में दागे गोल से पराग्वे को 2-1 से हराने के बावजूद कोस्टा रिका कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर हो गया. कोस्टा रिका ग्रुप डी में चार अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा. कोलंबिया और ब्राजील ने 1-1 से ड्रॉ खेला. कोलंबिया सात अंक के साथ शीर्ष पर रहा जबकि ब्राजील ने पांच अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया. पराग्वे अपने शुरुआती दो मैच गंवाकर पहले ही बाहर हो गया था. कोस्टा रिका की टीम 1997, 2011 और 2016 के बाद चौथी बार ग्रुप चरण से बाहर हुई. टीम 2001 और 2004 में क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी. कैल्वो ने तीसरे मिनट में जोसेफ मोरा के क्रॉस पर गोल दागा जबकि चार मिनट बाद अलसोसेर ने गोल करके कोस्टा रिका को 2-0 से आगे कर दिया. कोस्टा रिका की टीम इसके बाद गोल की तरफ कोई शॉट नहीं लगा सकी. पराग्वे ने दूसरे हाफ में अधिकांश समय गेंद पर कब्जा बनाए रखा और 55वें मिनट में रेमन सोसा ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल किया.

कोलंबिया और ब्राजील ने 1-1 से ड्रॉ खेला, दोनों क्वार्टर फाइनल में

कोपा कप

एजेंसी। सेंटा क्लारा (अमेरिका)

डेनियल मुनोज के पहले हाफ के इंजरी टाइम में दागे गोल की मदद से कोलंबिया ने ब्राजील को 1-1 से बराबरी पर रोककर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप डी में शीर्ष पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. ब्राजील की टीम भी दूसरे स्थान पर रहते अंतिम आठ में जगह बनाने में सफल रही. राफिन्हा ने 12वें मिनट में ब्राजील को बढ़त दिलाई, लेकिन मुनोज ने पहले हाफ के इंजरी टीम में गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया, जिसके बाद दोनों ही टीमें गोल करने में नाकाम रहीं. इस ड्रॉ से कोलंबिया ने अपने अजेय अभियान को 26 मैच तक पहुंचाया. कोलंबिया की टीम तीन मैच में दो जीत और एक ड्रॉ से सात अंक के साथ शीर्ष पर रही. ब्राजील ने एक जीत और दो ड्रॉ से पांच अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया. पराग्वे (शून्य अंक) को 2-1 से हराने के बावजूद कोस्टा रिका (चार अंक) की टीम तीसरे स्थान पर रहते हुए टूर्नामेंट से बाहर हो गयी. कोलंबिया शनिवार को क्वार्टर फाइनल में पनामा से भिड़ेगा, जबकि ब्राजील का सामना इसी दिन उरूग्वे से होगा.

अर्जेंटीना की ओलंपिक फुटबॉल टीम में मेस्सी को जगह नहीं

एजेंसी। ब्यूनस आयर्स

लियोनेल मेस्सी इस महीने के अंत में पेरिस में शुरू होने वाले ओलंपिक में अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम का हिस्सा नहीं होंगे. कोच जेवियर माशेरानो ने मंगलवार को घोषित टीम में विश्व कप विजेता टीम के चार सदस्यों को जगह दी, जिसमें स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज और डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी शामिल हैं. इस साल चोटों से जूझ रहे 37 वर्षीय मेस्सी अभी कोपा अमेरिका में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं. टीम का लक्ष्य 2021 में जीते गए महाद्वीपीय खिताब का बचाव करना है. अर्जेंटीना ने 2021 में कोपा अमेरिका जीतने के बाद 2022 में विश्व कप भी जीता था. मेस्सी ने अपने एकमात्र ओलंपिक अभियान में 2008 में बीजिंग में टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद की थी. ओलंपिक पुरुष फुटबॉल टूर्नामेंट अंडर-23 टीम के लिए होता है, लेकिन प्रत्येक टीम में तीन अधिक उम्र के खिलाड़ियों को खिलाने की अनुमति दी जाती है. वर्ष 2004 और 2008 में खिलाड़ी के तौर पर ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले माशेरानो कोपा अमेरिका खत्म होने के बाद गोलकीपर गेरोनिमो रूली, ओटामेंडी और अल्वारेज को टीम में शामिल करेंगे. हाल ही में रिवर प्लेट से मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुए मिडफील्डर क्लॉडियो एचेवेरी भी टीम में शामिल होंगे.

बातचीत सात जुलाई से शुरू हो रहा है पेरिस डायमंड लीग, नीरज चोपड़ा नहीं खेलेंगे

पेरिस डायमंड लीग मेरे कैलेंडर का हिस्सा नहीं थी : नीरज

भाषा। सारब्रकेन (जर्मनी)

ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने बुधवार को स्पष्ट किया कि रविवार को होने वाली पेरिस डाइमंड लीग इस साल कभी उनके प्रतियोगिता कैलेंडर का हिस्सा नहीं थी. यह बयान उस मीडिया रिपोर्ट के बाद आया है जिसमें कहा गया था कि चोपड़ा ने जांघ में मामूली चोट के कारण इस प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया है जो पिछले कुछ महीनों से उन्हें परेशान कर रही थी. इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने एक्स पर कहा कि जब उन्होंने अपना नाम प्रतियोगिता के लिए भेजा ही नहीं तो नाम वापस लेने का सवाल ही नहीं उठता. टोक्यो ओलंपिक चैंपियन चोपड़ा ने लिखा, सभी को नमस्ते. बस स्पष्ट करने के लिए: पेरिस डाइमंड लीग इस सत्र में मेरे प्रतियोगिता कैलेंडर का हिस्सा नहीं थी, इसलिए मैंने इससे नाम वापस नहीं लिया है. मैं ओलंपिक खेलों के लिए तैयार होने पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं.

नीरज पेरिस ओलंपिक में एक और पदक जीतने की सर्वश्रेष्ठ स्थिति में : स्पेंसर मैके

विजयनगर (कर्नाटक)। इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) में स्ट्रेंथ एंड कंडिशनिंग कोच स्पेंसर मैके का कहना है कि भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने के लिए शारीरिक रूप से सर्वश्रेष्ठ स्थिति में हैं. भारत का यह 26 साल का एथलीट पिछले दो महीनों से जांघ की चोट से परेशान है जिससे वह रविवार को होने वाली पेरिस डायमंड लीग में भी हिस्सा नहीं ले रहा है और सीधे ओलंपिक के लिए रवाना होगा. टोक्यो में 2021 में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने से पहले कोहनी की चोट के लिए आईआईएस में रिहैबिलिटेशन करने वाले चोपड़ा के बारे में मैके ने पीटीआई वीडियो से साक्षात्कार में कहा, वह शारीरिक रूप से बेहतर स्थिति में है और पूरी तरह से तैयार है. उनकी पुरानी चोटों और हाल की चोट अब बीती बात है. जब ओलंपिक फाइनल शुरू होगा, तब नीरज देश के लिए एक और पदक जीतने के लिए शानदार स्थिति में होंगे.

गिल की अगुआई वाली टीम पहुंची हरारे

भाषा। हरारे

कप्तान शुभमन गिल की अगुआई और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के मार्गदर्शन में युवा भारतीय क्रिकेट टीम छह जुलाई से जिंबाब्वे के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए यहां पहुंच गई.

जिंबाब्वे क्रिकेट द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में टीम को अपने सामान के साथ हवाई अड्डे से बाहर निकलते देखा गया. टीम मंगलवार को मुंबई से रवाना हुई थी, जबकि अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप टीम के साथ रिजर्व खिलाड़ी के रूप में जुड़े हुए गिल ब्रेक के बाद न्यूयॉर्क से यहां पहुंचे, जिंबाब्वे क्रिकेट ने मंगलवार रात एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, हम टी20 विश्व कप चैंपियन भारत का स्वागत करते हैं. श्रृंखला के दौरान भारत के लिए पदार्पण करने वाले शीर्ष क्रम के युवा बल्लेबाज रियान पराग ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि उनका बचपन से ही इस तरह (राष्ट्रीय टीम के साथ) यात्रा करने का सपना था. पराग ने कहा, भारत की जर्सी पहनने और टीम के साथ यात्रा करने का अनुभव अलग होता है. असम से आने के कारण मेरा सपना भारत के लिए खेलना था. मैं वाकई बहुत खुश हूं. जब मैं अपना पहला मैच खेलूंगा तो जिंबाब्वे के साथ मेरा एक खास रिश्ता होगा.

ब्रीफ खबरें

हिरासत से महाराष्ट्र के थाने का आरोपी फरार

पटना । जिले के खुसरूपुर से आरोपी की गिरफ्तारी के लिए महाराष्ट्र पुलिस 30 जून को खुसरूपुर थाने पहुंची. जहां से महाराष्ट्र के कुरुंदवाड थाने में दर्ज मामले में गिरफ्तार आरोपी पुलिस हिरासत से फरार हो गया. जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र पुलिस ने आरोपी बैकुंठपुर निवासी अमरकांत मिश्रा की गिरफ्तारी में मदद के लिए एक प्रतिवेदन दिया था. प्रतिवेदन के आधार पर खुसरूपुर थाने के सहयोग से छापामारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर थाने लाया गया.

मालदीव गए मजदूर की हो गई मौत

बेतिया । बेतिया जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के निवासी रोजी रोटी के लिये पहले तो एजेंट का हाथ पैर पकड़ा. मोटी रकम लेकर एजेंट ने उसे मालद्वील भेज दिया. वह वहां मजदूरी करने लगा. इसी बीच स्वास्थ्य ने उसके साथ दगा कर दिया और वह बीमार रहने लगा. इस बार बीमार पड़ा तो उसे इलाज तक नसीब नहीं हो सका. बीमारी की खबर मिलते हीं परिजनों ने एजेंट को बार-बार फोन पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसके कान पर जू तक नहीं रेंगा और वहीं मजदूर की मौत हो गई. मालदीव से मजदूर का शव पहुंचते ही इलाके में कोहराम मच गया तो परिजनों ने एजेंट पर लापरवाही का आरोप लगाया है.

तीन साल की बच्ची की गोली मारकर हत्या

पटना । पटना में एक तीन साल की बच्ची की गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है. दानापुर के रूपसपुर थाना अंतर्गत राम जयपाल नगर के अर्पण बैंक कॉलोनी के रहने वाले एमआर हरिओम कुमार की तीन वर्षीय पुत्री अनुष्का कुमारी दरवाजा पर खड़ी थी, इसी दौरान अज्ञात बदमाशों ने उसे गोली मार दी और फरार हो गए. बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. बच्ची की मौत के बाद मां और परिजनों में कोहराम मचा है. मृतका के पिता हरिओम कुमार ने स्थानीय थाना में अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध नये कानून के तहत मामला दर्ज कराया गया है.

सम्राट ने सरयू में स्नान के बाद उतार दिया मुरेठा

- उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मंगलवार को दल-बल के साथ पटना से अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए थे

संवाददाता ।पटना

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रण पूरा होने पर बुधवार को अपना मुरेठा (पगड़ी) उतार दिया. सम्राट चौधरी ने अयोध्याधाम में रामलला के चरणों में बुधवार सुबह सरयू स्नान के बाद अपना मुरेठा अर्पित कर दिया. सिर पर बंधा संकल्प का मुरेठा (पगड़ी) उतारने के उद्देश्य से उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मंगलवार को दल-बल के साथ पटना से अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए थे. उन्होंने कहा था कि जंगलराज और अराजकतावादियों को सत्ता से हटाने का संकल्प लेते हुए सिर पर मुरेठा बांधा था. उन्होंने कहा था कि 28 जनवरी, 2024 को उस संकल्प की सिद्धि हो गई. उन्होंने सरस सलिला सरयू के पवित्र जल में स्नान कर प्रभु श्रीराम के चरणों में मुरेठा अर्पित करने और केशदान की घोषणा की थी.

सीवान जिले में गंडकी नदी पर बना पुल गिरा

- पुल के गिरने से इस मार्ग पर परिचालन बाधित हो गया है

संवाददाता ।पटना

बिहार में पुलों के गिरने का सिलसिला लगातार जारी है. इस बीच सीवान जिले में गंडकी नदी पर बना पुल बुधवार सुबह धंस कर गिर गया. महाराजगंज अनुमंडल के देवरिया पंचायत के पड़ाइन टोलो के पास गंडकी नदी पर बने पुल का एक पिलर पहले बारिश के कारण धंस गया और फिर भरभराकर गिर गया. पुल के गिरने से इस मार्ग पर परिचालन बाधिक हो गया है. इस पुल के ध्वस्त होने से करीब एक दर्जन गांवों में आवागमन बाधित है. इलाके के लोग खासे परेशान हैं कि अब जबतक पुल का निर्माण नहीं होगा उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा. इससे पहले भी सीवान में एक पुल ध्वस्त हो चुका है. इसके साथ मानसून की शुरूआत से अब तक आधा दर्जन से अधिक पुलों के गिरने की घटना बिहार में हो चुकी है.

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अंतर्गत नियुक्ति पत्र बांटा गया

बिहार में 9888 अभ्यर्थियों को सौंपा गया नियुक्ति पत्र

- कार्यक्रम के दौरान कुल 75 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया
- 2005 से हम लोगों ने काम करना शुरू किया तो इन सब चीजों पर भी कार्य शुरू हुआ
- 2013 में एरियल फोटोग्राफी का काम शुरू किया गया

संवाददाता ।पटना

मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में नियुक्त पत्र देते सीएम.

सीएम नीतीश कुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अंतर्गत 9888 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया. इसमें 353 विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, 758 विशेष सर्वेक्षण कानूनगो, 742 विशेष सर्वेक्षण लिपिक एवं 8,035 विशेष सर्वेक्षण अमीन शामिल हैं.

मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रूप से 20 और राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने पांच अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान किया. कार्यक्रम के दौरान कुल 75 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया. बाकी अभ्यर्थियों को सभी जिलों में प्रभारी मंत्रियों की ओर से नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अंतर्गत बुधवार को जो नियुक्ति पत्र वितरित किया गया है, यह बहुत अच्छा है. यह नियुक्ति पत्र वितरण का काम हमलोगों ने बहुत पहले सोचा था. मुझे खुशी है कि बुधवार को 9888 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया है.

सीएम ने कहा कि सभी जगह जमीन का झगड़ा होता है, किसका है ये तय नहीं है. जमीन को लेकर झगड़ा के चलते विवाद और हत्याएं होती हैं. 60 फीसद मामला इससे जुड़ा होता है. सीएम ने आगे कहा कि 2005 से हम लोगों ने काम करना शुरू किया तो इन सब चीजों पर भी कार्य शुरू हुआ. हम लोगों ने सोचा है कि जमीन से संबंधित विवाद खत्म हो. एक-एक चीज तय हो जानी चाहिए. यह तय हो जानी चाहिए कि जमीन किसकी है. इसके लिए बिहार में भूमि सर्वेक्षण कार्य शुरू किया गया. 2013 में एरियल फोटोग्राफी का काम शुरू किया गया. हमारी इच्छा है कि जमीन विवाद समाप्त हो और समाज में शांति का माहौल रहे. उन्होंने कहा कि नवनियुक्त अभ्यर्थियों से कहा कि उम्मीद है कि आप सभी मन लगाकर सर्वेक्षण कार्य को तेजी से पूरा करेंगे. अपर मुख्य सचिव और मंत्री से सीएम ने कहा कि जुलाई 2025 तक कार्य पूरा करें. उन्होंने कहा कि भूमि सर्वेक्षण संबंधी कार्य जितना जल्दी पूर्ण हो जाएगा तो भूमि विवाद समाप्त हो जाएगा.

3 वर्ष की बच्ची के साथ दुष्कर्म कर नदी के किनारे फेंका, मचा कोहराम

संवाददाता ।नवादा

नवादा जिले के नारदीगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में तीन वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया है. घटना के बाद थाना को लिखित आवेदन देकर परिवार के लोगों ने न्याय की गुहार लगाई है. बच्ची के चाचा ने कहा कि मेरी भतीजी जो 3 वर्ष की है उसके साथ किसी अज्ञात लोगों ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है. उन्होंने बताया कि रात में घर में हम लोग सभी सोए हुए थे. इस दौरान किसी ने देर रात मेरी बच्ची को उठा कर ले गया. फिर अचानक नींद खुला तो बच्ची नहीं थी.

इधर-उधर काफी खोजबीन किया तो बुधवार को जानकारी मिली कि नदी के किनारे मुंह बांधकर मेरी बच्ची को फेंका दिया गया है. जब हमलोग पहुंचे तो देखा कि बच्ची के प्राइवेट पार्ट से काफी खून बह रहा था. उसके बाद इस घटना की जानकारी पुलिस को दिया. फिर पुलिस मौके पर पहुंची ओर बच्ची को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जहां बच्ची की मेडिकल जांच भी की जा रही है. अवर निरीक्षक कमलेश कुमार ने बताया कि बच्ची के साथ दुष्कर्म करने की घटना का मामला सामने आया है. परिवार के लोगों ने दुष्कर्म की बात कही है. सूचना मिलते ही हम लोगों ने बच्ची को अस्पताल में लाकर इलाज करवा रहे हैं. मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद खुलासा होगा. परिवार के लोगों ने बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना की बात कही हैं.

नवादा में इंस्टाग्राम ने ली नाबालिग की जान

पटना । नवादा जिले में जहां इंस्टाग्राम ने एक नाबालिग लड़की की जान ले ली. आरोप है कि लड़की के इंस्टाग्राम को एक लड़के ने हैक कर लिया था, जिससे वो काफी परेशान रहती थी. लड़की की मौत के बाद मृतक के परिवार ने लड़के के परिवार के साथ मारपीट की घटना को भी अंजाम दिया है. लड़की के घर वालों ने मृतका के शव को लड़के के घर के पास ले जाकर फेंक दिया था. इसके बाद पुलिस ने उसके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा. यह घटना नवादा जिले के वारसलीगंज थाना क्षेत्र के धन बीघा गांव की है, जहां एक लड़की ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली. इसके बाद मृतक के परिजन के द्वारा हत्या का खुलासा किया गया है. मामला बुधवार का है.

कोसी एक्स. की कपलिंग टूटी कई ट्रेनों का आवागमन प्रभावित

संवाददाता ।पटना

पूर्णिया से हटिया जा रही कोसी एक्सप्रेस बुधवार को हादसे का शिकार होने से बच गयी. पटना जंक्शन पर पहुंचने के ठीक पहले कोसी एक्सप्रेस की कपलिंग टूट गयी और इसके जोरदार आवास से ट्रेन में सवार यात्री सहम गये. कोसी एक्सप्रेस पटना के राजेंद्र नगर टर्मिनल से सुबह 10:26 बजे खुली थी. ट्रेन धीमी गति से पटना जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या 10 की ओर बढ़ रही थी. अधिकांश कोचों में यात्री अपनी जगह से उठ चुके थे और कोचों के दरवाजे की ओर बढ़ चुके थे. ट्रेन प्लेटफार्म संख्या 10 के आउटर पर जैसे ही पहुंची वहां तेज आवाज के साथ रुक गई. ट्रेन की गति धीमी होने के कारण एक बड़ा रेल हादसा टल गया. बाद में करीब डेढ़ घंटे तक ट्रेन को आउटर पर रखा गया. कपलिंग टूटने की खबर सुनकर रेलवे के तकनीकी टीम ने वहां पहुंचकर कपलिंग को जोड़ा. इसके बाद ट्रेन को पटना जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या 10 पर ले जाया गया. दोपहर एक बजे तक ट्रेन पटना जंक्शन पर ही खड़ी रही.

कारोबार

जापान ने पहली बार जारी किए नए बैंक नोट

तोक्यो । जापान ने दो दशक में पहली बार बुधवार को नए बैंक नोट जारी किए. इनमें जालसाजी से निपटने के लिए '3-डी होलोग्राम' प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया गया है. पीएम फूमियो किशिदा ने 10,000 येन, 5,000 येन और 1,000 येन के नए नोट की अत्याधुनिक जालसाजी-रोधी विशेषताओं की प्रशंसा करते हुए इसे ऐतिहासिक करार दिया. बैंक ऑफ जापान में उन्होंने पत्रकारों से कहा, मुझे उम्मीद है कि लोगों को नए नोट पसंद आएंगे और वे जापानी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक होंगे.

एक्मे सोलर होल्डिंग्स ने दस्तावेज जमा कराए

नयी दिल्ली । नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी एक्मे सोलर होल्डिंग्स लि. ने आईपीओ के जरिए 3,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज जमा किए हैं. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दाखिल आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार, गुरुग्राम स्थित कंपनी के प्रस्तावित आईपीओ में 2,000 करोड़ रुपये के नए शेयरों की पेशकश होगी. इसमें एक्मे क्लीनटेक सॉल्यूशंस द्वारा 1,000 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी है.

व्रज आयरन का शेयर निर्गम मूल्य से 16% बढ़ा

नयी दिल्ली । व्रज आयरन एंड स्टील का शेयर निर्गम मूल्य 207 रुपये से 16 प्रतिशत उछाल के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ. बीएसई और एनएसई दोनों पर शेयर 15.94 प्रतिशत की उछाल के साथ 240 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ. बीएसई पर बाद में यह 21.71 प्रतिशत चढ़कर 251.95 रुपये पर पहुंच गया, जबकि एनएसई पर 21.73 प्रतिशत उछाल के साथ 252 रुपये पर रहा. कंपनी का बाजार मूल्यांकन 831 करोड़ रुपये रहा. व्रज आयरन एंड स्टील के आईपीओ को शुक्रवार को निर्गम के आखिरी दिन 119 गुना अभिदान मिला था. कंपनी का 171 करोड़ रुपये का आईपीओ पूरी तरह से नए शेयरों की पेशकश पर आधारित था.

मुंबईः बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण मंगलवार देर रात मुंबई के लोअर परेल में स्पॉट हुए.

इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों को अच्छे कारोबार की उम्मीद

ज्यादातर कंपनियां इस महीने से 100% उत्पादन शुरू करने जा रही हैं

भाषा ।नयी दिल्ली

बढ़ेगा कारोबार

- ओणम को लेकर उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है
- यूटिलिटी गाड़ियों का उत्पादन 10% तक बढ़ने की संभावना

देश में नई सरकार के गठन के साथ ही कारोबारी भी अपने कारोबार को लेकर उत्साहित हैं. खासकर इसमें इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियां अब आगामी सीजन को लेकर उत्पाद बनाने में जुट गई हैं. उन्हें आनेवाले समय में अच्छे कारोबार की उम्मीद है. यही वजह है कि स्मार्टफोन से लेकर रेफ्रिजरेटर, वियरेबल्स और टू-व्हीलर बनाने वाली कंपनियों ने उत्पादन की गति तेज कर दी है. उनका कहना है कि वे आगामी त्योहारी सीजन के लिए पिछले साल की तुलना में 20% तक अधिक इन्वेंट्री का उत्पादन कर रही हैं. उन्हें अच्छे मानसून और महंगाई में स्थिरता के कारण इस फेस्टिव सीजन मांग में सुधार की उम्मीद है. फेस्टिव सीजन के दौरान देश में सबसे ज्यादा खरीदारी होती है. ज्यादातर कंपनियों ने कहा कि वे इस महीने से 100% उत्पादन शुरू करने जा रही हैं. सितंबर में ओणम के लिए उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है. मौसम विभाग ने जून-सितंबर में सामान्य से अधिक मॉनसून रहने का अनुमान लगाया है.

गोदरेज अप्लायंसेज के बिजनेस हेड कमल नंदी ने कहा कि ग्रामीण भारत में पेंट-अप डिमांड है, जो मॉनसून से और बढ़ जाएगी. वहां के लोगों ने पिछले पांच साल में बहुत कुछ नहीं खरीदा है जबकि शहरों में प्रीमियमाइजेशन का चलन मजबूत बना हुआ है. इस साल त्योहारी सीजन में बिक्री कोविड के बाद से सबसे अच्छी होगी. इलेक्ट्रॉनिक्स और दोपहिया वाहनों में कम से कम एंट्री लेवल पर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है. इस दिवाली स्मार्टफोन की बिक्री 2021 के बराबर पहुंचने की उम्मीद है जब लॉकडाउन के कारण बढ़ी मांग से रिकॉर्ड बिक्री हुई थी.

भारत में गरीबी घटकर 8.5 प्रतिशत पर आई

नयी दिल्ली । आर्थिक शोध संस्थान एनसीएईआर के एक शोधपत्र में कहा गया है कि कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद भारत में गरीबी वित्त वर्ष 2011-12 के 21.2 प्रतिशत से घटकर 2022-24 में 8.5 प्रतिशत पर आ गई. नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लायड एकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के एक शोधपत्र में आईएचडीएस की हाल ही में पूरी हुई तीसरी शृंखला के आंकड़ों के साथ पहली और दूसरी शृंखला के आंकड़ों का भी इस्तेमाल किया गया है. शोधपत्र के अनुसार 2004-2005 और 2011-12 के बीच गरीबी में उल्लेखनीय कमी आई और यह 38.6 प्रतिशत से घटकर 21.2 प्रतिशत रह गई. महामारी से पैदा हुई चुनौतियों के बावजूद इसमें गिरावट का सिलसिला जारी रहा.

500 मेगावाट सौर क्षमता की निविदा लाएगी सेकी

- भारत में पहली बार इस पैमाने पर इस तरह की निविदा जारी होगी

संवाददाता । नयी दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेकी) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक आर पी गुप्ता ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक 500 मेगावाट सौर तापीय क्षमता के लिए निविदा जारी की जा सकती है. गुप्ता ने बुधवार को आईईएसए द्वारा आयोजित भारत ऊर्जा भंडारण सप्ताह-2024 के मौके पर संवाददाताओं से कहा कि भारत में पहली बार इस पैमाने पर इस तरह की निविदा जारी की जाएगी. गुप्ता ने नई सौर तापीय निविदाओं पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कहा, चालू वित्त वर्ष (2024-25) के अंत तक निविदा जारी हो सकती है. सौर तापीय निविदा हुई हैं, लेकिन इस पैमाने पर नहीं. उन्होंने कहा कि पहले की निविदाएं आकार में छोटी थीं और उनकी लागत भी बहुत अधिक थी. सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं की नीलामी के लिए केंद्र सरकार की नोडल एजेंसी है.

देश के शीर्ष 18 राज्यों का राजस्व का मामला

चालू वित्त वर्ष में 8 से 10% बढ़ने की उम्मीद : क्रिसिल

एजेंसी ।कोलकाता

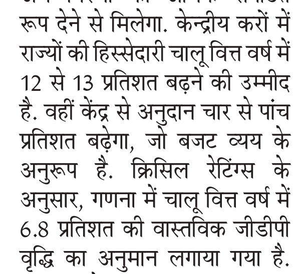

- बीते वित्त वर्ष 2023-24 में इन राज्यों के राजस्व में सात प्रतिशत की वृद्धि हुई थी

देश के शीर्ष 18 राज्यों का राजस्व चालू वित्त वर्ष 2024-25 में आठ से 10 प्रतिशत बढ़कर 38 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है. साख निर्धारित करने वाली एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में यह कहा गया. इन 18 राज्यों का भारत के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 90 प्रतिशत योगदान है.

बीते वित्त वर्ष 2023-24 में इन राज्यों के राजस्व में सात प्रतिशत की वृद्धि हुई थी. रिपोर्ट के अनुसार, यह वृद्धि मुख्य रूप से मजबूत जीएसटी संग्रह और केंद्र से वित्त के हस्तांतरण के कारण होगी, जो कुल राज्य राजस्व का करीब 50 प्रतिशत है. इसमें कहा गया कि शराब की बिक्री से प्राप्त राजस्व स्थिर रहने की संभावना है, लेकिन पेट्रोलियम उत्पादों पर लगाए गए बिक्री कर तथा 15वें वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित अनुदानों का संग्रह मामूली रहेगा. राज्यों के कुल राजस्व में शराब की बिक्री से हासिल राजस्व का योगदान 10 प्रतिशत है. क्रिसिल रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक अनुज सेठी ने कहा कि राजस्व वृद्धि को सबसे अधिक प्रोत्साहन समग्र राज्य जीएसटी संग्रह और बेहतर कर अनुपालन तथा अर्थव्यवस्था को अधिक संगठित रूप देने से मिलेगा. केन्द्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी चालू वित्त वर्ष में 12 से 13 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है. वहीं केंद्र से अनुदान चार से पांच प्रतिशत बढ़ेगा, जो बजट व्यय के अनुरूप है. क्रिसिल रेटिंग्स के अनुसार, गणना में चालू वित्त वर्ष में 6.8 प्रतिशत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया गया है. राजस्व में सतत वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए राज्यों को अपने राजस्व का विस्तार करने और संग्रह दक्षता में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा.

भारतीय शेयर बाजार — रिकॉर्ड हाई पर बंद हुआ सेंसेक्स और निफ्टी, 80,000 का स्तर छुआ

बैंक निफ्टी भी 900 अंकों की उछाल के साथ हुआ बंद

एजेंसी ।मुंबई

मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच घरेलू स्तर पर बैंकों एवं दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में तगड़ी लिवाली होने से बुधवार को सेंसेक्स कारोबार के दौरान पहली बार 80,000 के ऐतिहासिक मुकाम को छूने में सफल रहा. हालांकि बाद में यह कुछ नीचे आ गया. निफ्टी भी 162 अंकों की बढ़त के साथ अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया.

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स कारोबार की शुरुआत में पहली बार ऐतिहासिक 80,000 अंक के स्तर को पार कर गया. कारोबार के अंत में यह 545.35 अंक यानी 0.69 प्रतिशत उछलकर 79,986.80 पर बंद हुआ. एक समय यह 632.85 अंकों की छलांग के साथ 80,074.30 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था. इस तरह सेंसेक्स ने पिछले कुछ दिनों का अपना रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन जारी रखा है. सेंसेक्स ने 25 जून को पहली बार 78,000 का स्तर और 27 जून को 79,000 का स्तर पार किया था.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी 162.65 अंक यानी 0.67 प्रतिशत चढ़कर 24,286.50 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान यह 183.4 अंक बढ़कर 24,307.25 के नए शिखर पर पहुंच गया था. सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, पावर ग्रिड, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फाइनेंस और टाटा स्टील के शेयरों में सर्वाधिक तेजी दर्ज की गई. दूसरी तरफ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स और लार्सन एंड टूब्रो के शेयरों में गिरावट रही.

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुए जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में नुकसान देखा गया. यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे. मंगलवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.09 प्रतिशत बढ़कर 86.32 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया. शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 2,000.12 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिकवाली की. मंगलवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई सेंसेक्स मामूली 34.74 अंक गिरकर 79,441.45 और निफ्टी 18.10 अंक घटकर 24,123.85 पर बंद हुआ था.

ब्रीफ खबरें

केजरीवाल ने किया हाईकोर्ट का रुख

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख कर कथित आबकारी नीति घोटाले के सिलसिले में सीबीआई द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के मामले में जमानत का अनुरोध किया है. आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक को 26 जून को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धन शोधन मामले के सिलसिले में केजरीवाल वहां अब भी न्यायिक हिरासत में हैं.

भारत ने अपने नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया

अस्ताना (कजाखस्तान)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को यहां रूस के अपने समकक्ष सर्गेई लावरोव के समक्ष युद्ध क्षेत्र में रूसी सेना के लिए लड़ रहे भारतीय नागरिकों का मुद्दा उठाया और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया. जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने मंगलवार को यहां पहुंचे. जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से हमारी द्विपक्षीय साझेदारी और समकालीन मुद्दों पर व्यापक बातचीत हुई.

हैरिस का चुनाव जीतने की अधिक संभावना

वाशिंगटन। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस यदि राष्ट्रपति पद के चुनाव में खड़ी होती हैं तो राष्ट्रपति जो बाइडन की तुलना में उनके जीतने की संभावना अधिक है. 'सीएनएन' के एक हालिया सर्वेक्षण में यह कहा गया है. बाइडन (81) की देश के अगले राष्ट्रपति के रूप में स्वीकृति की रेटिंग पिछले सप्ताह अटलांटा में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप साथ हुई बहस में उनके निराशाजनक प्रदर्शन के बाद गिर गई है. राष्ट्रपति पद के चुनाव से पहले बाइडन और ट्रंप के बीच हुई पहली बहस के बाद से सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी में यह मांग उठ रही है कि बाइडन को पीछे हट जाना चाहिए.

भारतीय मूल की महिला को ठगी के जुर्म में कैद

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल की 33 वर्षीय एक महिला को 12 लोगों से 1,06,000 सिंगापुरी डॉलर से अधिक रकम ठगने के जुर्म में बुधवार को तीन साल कैद की सजा सुनायी गयी. जिला न्यायाधीश जॉन एनजी ने प्रिशिला शामनी मनोहरन नामक महिला पर 2000 सिंगापुरी डॉलर का जुर्माना भी लगाया. मनोहरन ने 2022 में ठगी का धंधा शुरू किया था. मनोहरन ने यह दावा कर एक व्यक्ति से 57,250 सिंगापुरी डॉलर की ठगी की कि उसके बेटे-बेटी की मृत्यु हो गयी है.

ऑस्कर विजेता लेखक रॉबर्ट टाउन का निधन

न्यूयॉर्क। 'चाइनाटाउन' फिल्म के लिए ऑस्कर पुरस्कार जीतने वाले अमेरिका के जाने माने लेखक एवं फिल्म निर्देशक रॉबर्ट टाउन का लॉस एंजिलिस में निधन हो गया. वह 89 वर्ष के थे. हॉलीवुड के प्रतिष्ठित लेखकों में से एक माने जाने वाले टाउन को 'चाइनाटाउन' के लिए ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. इसके अलावा उन्हें 'द लास्ट डीटेल', 'शैम्पू' और 'ग्रेस्ट्रोक' के लिए भी नामांकित किया गया था. 1997 में 'राइटर्स गिल्ड ऑफ अमेरिका' ने 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से उन्हें सम्मानित किया था.

हाथरस हादसा : जांच के लिए विशेषज्ञ समिति की नियुक्ति व जिम्मेदारों पर कार्रवाई का निर्देश देने की मांग

सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

एजेंसी। नयी दिल्ली

उत्तर प्रदेश के हाथरस में मची भगदड़ की घटना की जांच के लिए शीर्ष अदालत के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति गठित करने का अनुरोध करते हुए उच्चतम न्यायालय में बुधवार को एक याचिका दायर की गई. हाथरस में मंगलवार को एक सत्संग के दौरान मची भगदड़ की इस घटना में 121 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए. अधिवक्ता विशाल तिवारी द्वारा

दायर याचिका में इस घटना पर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने और लापरवाही बरतने के लिए अधिकारियों और अन्य लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने का उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया गया है. याचिका में सभी राज्य सरकारों को भी यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वे भगदड़ की इस प्रकार की घटनाओं से निपटने के लिए प्रखंड/तहसील से लेकर जिला स्तर तक राज्य में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की स्थिति की जानकारी दें. याचिका में न्यायालय से राज्यों को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वे किसी भी धार्मिक या ऐसे अन्य आयोजन के दौरान भगदड़ या अन्य घटनाओं को रोकने के लिए जनता की सुरक्षा के मद्देनजर दिशानिर्देश जारी करें, जहां बड़ी संख्या में लोग एकत्र होते हैं.

हाथरस जिले के फुलरई गांव में प्रवचनकर्ता बाबा नारायण हरि उर्फ साकार विश्व हरि 'भोले बाबा' के कार्यक्रम में मंगलवार को करीब ढाई लाख अनुयायी एकत्र हुए थे. उत्तर प्रदेश पुलिस ने सत्संग के आयोजकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है, जिसमें उन पर साक्ष्य छिपाने और

शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है. कार्यक्रम में ढाई लाख लोग एकत्र हुए थे, जबकि केवल 80,000 लोगों के ही एकत्र होने की अनुमति थी. याचिका में भगदड़ की घटना की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया गया है. समिति को ऐसी घटनाओं से बचने के लिए दिशा-निर्देश और सुरक्षा उपाय संबंधी सुझाव देने का निर्देश दिए जाने का आग्रह किया गया है. याचिका में कहा गया है, 'प्रथम दृष्टया, ऐसी घटना सरकारी प्राधिकारियों द्वारा जनता के प्रति जिम्मेदारी में चूक, लापरवाही और कर्तव्यहीनता की गंभीर स्थिति को दर्शाती है.' याचिका में आरोप लगाया गया है कि भारत में अतीत में भी ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें कुप्रबंधन, कर्तव्य के निर्वहन में चूक और लापरवाही के कारण बड़ी संख्या में लोगों की जान गई.

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में मंगलवार को एक सत्संग के दौरान हुई भीषण भगदड़ के एक दिन बाद बुधवार को घटनास्थल पर मौजूद पुलिस और लोग. इनसेट-पीड़ित का शव मिलने के बाद परिवार के सदस्य विलाप करते हुए.

हाथरस जिले में हुई भगदड़ की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 121 हुई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में हुई भगदड़ की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 121 हो गयी है. राज्य के राहत आयुक्त कार्यालय की ओर से बुधवार को यह जानकारी दी गई. राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं हैं. अधिकांश अनुयायियों की मौत दम घुटने के कारण हुई. हाल के वर्षों में हुई यह सबसे बड़ी त्रासदी है. कुछ लोगों का कहना है कि लोग प्रवचनकर्ता की कार के पीछे भागते समय कीचड़ में फिसल गए, जिससे भगदड़ मच गई. हाथरस जिले के फुलरई गांव में बाबा नारायण हरि द्वारा आयोजित सत्संग में शामिल होने के लिए लाखों अनुयायी पहुंचे हुए थे. बाबा नारायण हरि, साकार विश्व हरि भोले बाबा के नाम से भी लोकप्रिय हैं. राज्य के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने मंगलवार को इस हादसे में मरने वालों की संख्या 116 बताई थी जिनमें सात बच्चे, एक पुरुष और बाकी सभी महिलाएं हैं. राहत आयुक्त द्वारा जारी की गई ताजा सूची के अनुसार मृतकों की संख्या बढ़कर 121 हो गई है, जिनमें से 19 की पहचान अभी भी नहीं हो पाई है. अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं और लोगों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं.

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने उत्तर प्रदेश में भगड़द में लोगों की मौत पर संवेदना व्यक्त की

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को उत्तर प्रदेश में एक धार्मिक समागम में हुई भगदड़ में लोगों की जान जाने पर शोक व्यक्त किया. इस हादसे में 121 लोगों की मौत हुई है. भारत में रूसी दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर प्रदेश में हुई दुखद भगदड़ पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शोक संदेश भेजा : कृपया उत्तर प्रदेश में हुई दुखद दुर्घटना पर हार्दिक संवेदना स्वीकार करें.'

हाथरस की भगदड़ में साजिश का संदेह : मुख्यमंत्री

हाथरस (उप्र)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस में एक सत्संग में हुई भगदड़ की घटना की न्यायिक जांच कराने का निर्णय लिया है. मुख्यमंत्री ने बुधवार को हाथरस में संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी दी. उन्होंने घटना में साजिश की तरफ इशारा करते हुए कहा, 'यह हादसा था या कोई साजिश और अगर साजिश थी तो इसमें किसका हाथ है...इन सभी पहलुओं को जानने के लिए हम न्यायिक जांच भी कराएंगे जो उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश की अध्यक्षता में की जाएगी.' मुख्यमंत्री ने कहा, 'इसमें प्रशासन और पुलिस के सेवानिवृत अधिकारियों को रखकर घटना की तह में जाएंगे और जो भी इसके लिए दोषी होगा उन सभी को सजा दी जाएगी.' योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जाएगी ताकि भविष्य में होने वाले इस तरह के किसी भी बड़े आयोजन में उसे लागू किया जा सके. इन सभी चीजों को सुनिश्चित किया जाएगा.'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को भगदड़ स्थल का दौरा किया.

एनडीए के सहयोगी दलों के मंत्रियों को भी तरजीह

केंद्रीय कैबिनेट की समितियों के सदस्यों के नाम का ऐलान

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्रीय कैबिनेट की अलग-अलग समितियों के सदस्यों के नाम का एलान हो चुका है. एनडीए के सहयोगी दलों- जनता दल सेकुलर और जनता दल यूनाइटेड के कोटे से बनाए गए मंत्रियों को भी तरजीह दी गई है. सरकार इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है.

- **कैबिनेट नियुक्त करने वाली समिति:** पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह.
- **कैबिनेट कमेटी ऑन अकॉमोडेशन :** गृह मंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, आवासीय और शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, विशेष आमंत्रित सदस्य- डॉ. जितेंद्र सिंह.
- **आर्थिक मामलों की समिति:** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पंचायती राज और मत्स्यपालन मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह.
- **सुरक्षा मामलों की समिति:** पीएम मोदी, राजनाथ सिंह, अमित शाह, निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस. जयशंकर.
- **संसदीय मामलों की समिति:** नरेंद्र मोदी, राजनाथ सिंह, अमित शाह, निर्मला सीतारमण, ललन सिंह, स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा, सामाजिक न्याय मंत्री वीरेंद्र कुमार, नागर विमानन मंत्री किंजारापू राममोहन नायडू, आदिवासी मामलों के मंत्री जुएल ओरांव, संसदीय मामलों के मंत्री किरण रिजीजू और जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल शामिल हैं. समिति में कानून राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभारी) अर्जुन राम मेघवाल और कानून मंत्री एल मुरूगन विशेष आमंत्रित सदस्य हैं.

प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली पर छात्रों ने किया विरोध प्रदर्शन

एजेंसी। नयी दिल्ली

विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' के घटक दलों के छात्र सगठनों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' तथा कुछ अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ बुधवार को यहां जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया. उधर, कांग्रेस की युवा इकाई भारतीय युवा कांग्रेस ने भी इसी मुद्दे को लेकर अलग से विरोध प्रदर्शन किया. युवा कांग्रेस के कई कार्यकर्ताओं ने 'मोदी विरोधी' नारे लगाए और विरोध स्वरूप अपने सिर मुंडवाए. पिछले सप्ताह एनटीए कार्यालय में घुसने और उसके प्रवेश द्वार पर ताला और चेन लगाने के आरोप में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई थी. बीते एक जुलाई को तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) लागू हुए. वाम समर्थित ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ) सहित समाजवादी छात्र सभा और कांग्रेस की छात्र शाखा भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के सदस्यों ने मार्च निकाला. छात्र समूहों के मार्च का उद्देश्य राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को खत्म करने, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और प्रवेश परीक्षाओं के विकेन्द्रीकरण की अपनी मांगों को लेकर दबाव बनाना था.

तमिल अभिनेता विजय ने नीट का विरोध किया

चेन्नई। तमिझगा वेत्री कझगम (टीवीके) के संस्थापक और मशहूर तमिल अभिनेता विजय ने बुधवार को नीट परीक्षा का विरोध करते हुए इसके खिलाफ तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव का समर्थन किया, जिसमें राज्य को केंद्र सरकार द्वारा आयोजित इस मेडिकल प्रवेश परीक्षा से छूट देने की बात कही गई है. विजय ने कहा कि शिक्षा को राज्य की सूची में शामिल किया जाना चाहिए. उन्होंने दावा किया कि नीट के आने के बाद से तमिलनाडु के छात्र, विशेष रूप से निर्धन विद्यार्थी और ग्रामीण क्षेत्रों में पिछड़े वअति पिछड़े विद्यार्थी चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के अपने उद्देश्य में प्रभावित हुए हैं.

सोशल मीडिया मंच 'कू' होगा बंद संस्थापकों ने कहा 'अलविदा'

एजेंसी।नयी दिल्ली

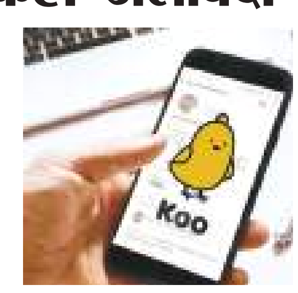

- कहा-कई बड़ी इंटरनेट कंपनियों, समूहों और मीडिया घरानों के साथ साझेदारी के लिए बातचीत से वांछित परिणाम नहीं निकले
- एक समय ऐसा था जब करीब 21 लाख लोग रोजना 'कू' का इस्तेमाल करते थे. मंच पर कई मशहूर हस्तियों के खाते भी हैं

सोशल मीडिया मंच 'ट्विटर' (अब एक्स) को एक समय टक्कर देने वाला घरेलू सोशल मीडिया मंच 'कू' अब बंद होने जा रहा है. इसके सह-संस्थापकों ने 'कड़े फैसलों' के बारे में जानकारी देते हुए एक भावुक 'नोट' लिखा और इसे 'अलविदा' कहा. लिंक्डइन पर एक पोस्ट में मंच के सह-संस्थापक अप्रमेय राधाकृष्ण और मयंक बिदावतका ने घोषणा की कि मंच जनता के लिए अपनी सेवाएं बंद कर देगा. कई बड़ी इंटरनेट कंपनियों, समूहों और मीडिया घरानों के साथ साझेदारी के लिए बातचीत से वांछित परिणाम नहीं निकले. उन्होंने लिखा है, 'हमने कई बड़ी इंटरनेट कंपनियों, समूहों तथा मीडिया घरानों के साथ साझेदारी की संभावना तलाशी, लेकिन इन वार्ताओं से वह परिणाम नहीं निकला जो हम चाहते थे.' दोनों ने कहा कि हालांकि वे ऐप को चालू रखना चाहते थे, लेकिन 'सोशल मीडिया ऐप को चालू रखने के लिए प्रौद्योगिकी सेवाओं की लागत अधिक है. इसलिए हमें यह कठिन निर्णय लेना पड़ा है.' एक समय ऐसा था जब करीब 21 लाख लोग रोजना 'कू' का इस्तेमाल करते थे. मंच पर कई मशहूर हस्तियों के खाते भी हैं. संस्थापकों ने कहा, 'हम 2022 में भारत में ट्विटर को पछाड़ने से बस कुछ ही महीने दूर थे...पूंजी होने पर हम उस लक्ष्य को दोगुना गति से हासिल कर सकते थे.' उन्होंने कहा कि हालांकि कंपनी में कोष की कमी से योजनाओं को अंजाम देना मुश्किल हो गया. इससे मंच की वृद्धि धीमी हो गई. दोनों ने कहा, 'छोटी पीली चिड़िया अंतिम अलविदा कहती है.'

विवाद | **कांग्रेस अध्यक्ष का आरोप, नरेंद्र मोदी ने विपक्ष को सदन से वाकआउट करने को मजबूर किया**

पीएम ने सदन में गलतबयानी की, झूठ बोलना उनकी आदत : खरगे

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए गलतबयानी की जिसके विरोध में विपक्ष को सदन से वाकआउट करना पड़ा. उन्होंने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि झूठ बोलना और लोगों को भ्रमित करना प्रधानमंत्री मोदी की आदत बन गई है. खरगे ने जब संवाददाताओं को संबोधित किया तो उनके साथ कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और 'इंडिया' गठबंधन के कई घटक दलों के नेता भी थे. राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया, 'हम सबने इसलिए वाकआउट किया क्योंकि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा पर जवाब देते हुए कुछ गलत बातें सदन में रखीं.' उनका कहना था, 'मैं सिर्फ इतना कहना चाहता था कि संविधान आपने नहीं बनाया, संविधान के आप लोग विरोधी थे. मैं यह बात सदन में उनके सामने रखना चाहता था.'

मणिपुर को लेकर लोकसभा में प्रधानमंत्री का व्यवहार निष्ठुर था, संवेदना नहीं दिखाई : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में मणिपुर के प्रति "निष्ठुर व्यवहार' दिखाया और कोई संवेदना नहीं जताई, जिसके कारण सदन में हंगामे की स्थिति बनी. पार्टी सांसद गौरव गोगोई ने यह भी कहा कि अगर बाहरी मणिपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद को सदन में बोलने का मौका दिया जाता तो तो संसद से मणिपुर को लेकर एक अच्छा संदेश जा सकता था. राष्ट्रपति के अभिभाषण पर निचले सदन में लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का प्रधानमंत्री द्वारा जवाब दिए जाने से पहले कांग्रेस चाहती थी कि बाहरी मणिपुर संसदीय क्षेत्र से उसके सांसद अलफ्रेड आर्थर को बोलने की अनुमति मिले. अनुमति नहीं मिलने पर कांग्रेस और सहयोगी दलों के सांसदों ने प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान नारेबाजी की.

हिंसा व नफ़रत फैलाने वाले भाजपा के लोग' हिंदू धर्म के मूल सिद्धांतों को नहीं समझते : राहुल गांधी

नयी दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि 'हिंसा और नफ़रत फैलाने वाले भाजपा के लोग' हिंदू धर्म के मूल सिद्धांतों को नहीं समझते. उन्होंने गुजरात में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय पर भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर पथराव किए जाने की निंदा करते हुए यह टिप्पणी की. राहुल गांधी द्वारा कथित तौर पर लोकसभा में की गई 'हिंदू विरोधी' टिप्पणियों के खिलाफ मंगलवार को अहमदाबाद में गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के समक्ष आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान मुख्य विपक्षी पार्टी और सत्तारूढ़ भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई और दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर पथराव किया. कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने उसके प्रदेश कार्यालय पर पथराव किया.

मोदी को लोकसभा से बर्खास्त करने संबंधी याचिका खारिज

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकसभा से बर्खास्त करने का अनुरोध करने वाली याचिका बुधवार को खारिज करते हुए कहा कि इसमें लगाए गए आरोप बेबुनियाद और निराधार हैं. कैप्टन दीपक कुमार द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि मोदी और उनके सहयोगियों ने 2018 में एअर इंडिया की उस उड़ान की दुर्घटना का षड्यंत्र रचकर राष्ट्रीय सुरक्षा को अस्थिर करने का प्रयास किया, जिसके पायलट वह थे. कुमार ने अदालत के समक्ष दलील देते हुए आरोप लगाया कि मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं और उन्हें

लोकसभा से बर्खास्त किया जाना चाहिए. कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की खंडपीठ ने कहा कि वह इस मामले में एकल न्यायाधीश के फैसले से सहमत है. एकल न्यायाधीश ने पहले ही याचिका को खारिज कर दिया था. खंडपीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को निश्चित रूप से चिकित्सकीय सहायता की आवश्यकता है और उसने संबंधित पुलिस थाने के प्रभारी, उप-मंडलीय मजिस्ट्रेट और जिला मजिस्ट्रेट को चिकित्सा स्वास्थ्य अधिनियम के प्रावधानों के मद्देनजर उस पर नजर रखने का निर्देश दिया.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)